राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

Www.gauravshalibharat.com

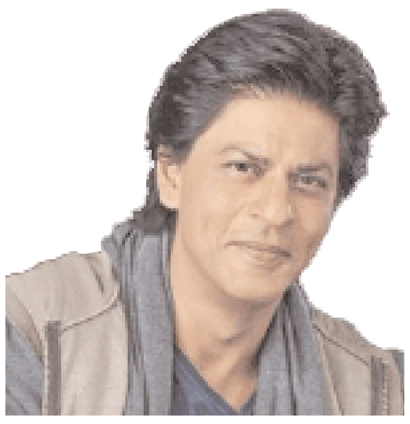

गौरवशाली भारत

नई दिल्ली से प्रकाशित

वर्ष : 11
अंक : 268
पृष्ठ : 08
नई दिल्ली
रविवार 10 अप्रैल 2022
मूल्य : 1.50/-
RNI No .DELHIN/2011/38334

मुख्य अपडेट

पेज 3 नाबालिग को धोखे से ग्रेटर नोएडा ले आया प्रेमी, फिर भाई संग मिलकर हत्या के बाद दफना दिया शव

पेज 5 परीक्षा केन्द्र में अचानक पहुंच गईं मंत्री गुलाबो देवी, ऊपर नजर उठाई तो लगा दी डीआईओएस को फटकार

पेज 7 गोविंद, अनंत और सुमित के स्वर्ण पदकों से भारत ने 10 पदकों के साथ समाप्त किया अभियान

कोरोना वैक्सीन की कीमतें घटीं

अब कोवीशील्ड और कोवैक्सिन 225 रुपए में मिलेंगी

नई दिल्ली। कोरोना वैक्सीन कोविशील्ड और कोवैक्सिन बनाने वाली कंपनियों ने शनिवार को इनकी कीमत घटाने की घोषणा की। अब निजी अस्पतालों में इन दोनों ही वैक्सीन की एक डोज 225 रुपए में लगेगी। इससे पहले निजी अस्पतालों में कोवीशील्ड की एक डोज 600 रुपए और कोवैक्सिन की 1200 रुपए में मिल रही थी।

केंद्र सरकार के फैसले के बाद की गई घोषणा

कीमतों में कमी की घोषणा सभी व्यस्क नागरिकों को प्रिकॉशन डोज लगाए जाने का फैसला होने के बाद की गई है। केंद्र सरकार ने शुक्रवार को घोषणा की थी कि 10 अप्रैल यानी रविवार से 18+ उम्र वाले सभी नागरिकों को निजी अस्पतालों में कोरोना वैक्सीन की तीसरी डोज लगाई जाएगी। केंद्र सरकार की घोषणा के बाद शुक्रवार को कोवीशील्ड बनाने वाली कंपनी सीरम इंस्टिट्यूट ऑफ इंडिया के मैनेजिंग डायरेक्टर अदार पूनावाला ने सरकार के इस कदम की तारीफ की और एक ट्वीट में वैक्सीन की कीमत कम करने की घोषणा कर दी। पूनावाला ने कहा कि उनकी कंपनी निजी अस्पतालों में एक डोज के लिए 600 रुपए के बजाय 225 रुपए लेगी। उधर, कोवैक्सिन बनाने वाली कंपनी भारत बायोटेक की जॉइंट एमडी सुचित्रा एल्ला ने भी वैक्सीन की कीमत 1200 रुपए से घटाकर 225 रुपए करने की घोषणा एक ट्वीट में की है।

अब प्रिकॉशन डोज लगवाने में कितना खर्च होगा?

18 साल से ज्यादा उम्र के लोगों के लिए प्रिकॉशन डोज का खर्च सरकार नहीं उठाएगी। इसके लिए आपको प्राइवेट सेंटर्स पर वैक्सीन की कीमत के हिसाब से पैसे देने होंगे। सरकार ने प्राइवेट सेंटर्स पर कोवीशील्ड की कीमत 780 रुपए, कोवैक्सिन की 1,410 रुपए और स्पुतनिक वी की कीमत 1,145 रुपए तय की हुई है, लेकिन आज की गई घोषणा के बाद कोवीशील्ड और कोवैक्सिन 225-225 रुपए में ही उपलब्ध हो जाएंगी। अभी यह स्पष्ट नहीं है कि इसके ऊपर प्राइवेट सेंटर वैक्सीन लगाने का कोई चार्ज वसूल पाएंगे या नहीं।

कहां लगवा सकते हैं प्रिकॉशन डोज?

सरकारी आदेश के मुताबिक, 18 साल से ऊपर के सभी लोग प्राइवेट वैक्सीनेशन सेंटर्स पर प्रिकॉशन डोज लगवा सकते हैं। 18 साल से ज्यादा उम्र के लोगों के लिए प्रिकॉशन डोज सरकारी केंद्रों पर उपलब्ध नहीं होगी। सरकारी केंद्रों पर सिर्फ 60 साल से ज्यादा के बुजुर्गों और फ्रंटलाइन वर्कर्स को ही फ्री में प्रिकॉशन डोज लगाई जाएगी। हालांकि सरकार की ओर से चल रही पहली और दूसरी फ्री डोज की सुविधा सभी के लिए जारी रहेगी।

किन लोगों को लगेगा कोरोना वैक्सीन का प्रिकॉशन डोज?

18 साल से ऊपर के सभी लोगों को कोरोना वैक्सीन का प्रिकॉशन डोज लग सकेगा। हालांकि प्रिकॉशन डोज सिर्फ उन लोगों को ही लगेगा, जिन्हें दूसरा डोज लगे 9 महीने से ज्यादा हो चुके हैं।
जब आपके दूसरे डोज को लगे 9 महीने पूरे हो जाएंगे, तब ही आप प्रिकॉशन डोज लगवा सकेंगे।

प्रिकॉशन डोज में कौन-सी वैक्सीन लगेगी?

प्रिकॉशन डोज में कोविड की वही वैक्सीन लगेगी, जो पहले लगी है। अगर आपको कोवीशील्ड के दो डोज लगे थे, तो प्रिकॉशन डोज भी कोवीशील्ड का ही लगेगा।
अगर पहले दोनों डोज कोवैक्सिन के लगाए गए थे, तो प्रिकॉशन डोज भी कोवैक्सिन का ही लगाया जाएगा।

देश में कोरोना के सक्रिय मामले घटकर 11,365 हुए

पिछले 24 घंटों में कोविड संक्रमण के एक हजार 150 नये मरीज सामने आये

नयी दिल्ली। देश में कोरोना वायरस महामारी के नये मामलों के उतार-चढ़ाव के बीच पिछले 24 घंटे के दौरान सक्रिय मामले 127 घटकर 11 हजार 365 हो गए हैं। केंद्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय ने शनिवार को यहां बताया कि आज सुबह सात बजे तक 185 करोड़ 55 लाख 07 हजार 496 कोविड टीके दिये जा चुके हैं। मंत्रालय ने बताया कि पिछले 24 घंटों में कोविड संक्रमण के एक हजार 150 नये मरीज सामने आये हैं। देश में कोरोना सक्रिय रोगियों की संख्या 11 हजार 365 है। देश में सक्रिय मामलों की दर 0.03 प्रतिशत है। दैनिक संक्रमण दर 0.25 प्रतिशत हो गयी है। इसी अवधि में एक हजार 194 लोग कोविड से मुक्त हुए हैं। अभी तक कुल चार करोड़ 25 लाख एक हजार 196 लोग कोविड से उबर चुके हैं। स्वस्थ होने की दर 98.76 प्रतिशत है।

देश में पिछले 24 घंटे में चार लाख 66 हजार 362 कोविड परीक्षण किए गये हैं। देश में कुल 79 करोड़ 34 लाख 19 हजार 395 कोविड परीक्षण किए हैं। वहीं इस दौरान देश में 83 मरीजों की मौत होने से इस जानलेवा विषाणु के कारण जान गंवाने वाले लोगों की कुल संख्या बढ़कर 521656 हो गयी है। इस समय कोविड-19 से होने वाली मौतों की दर 1.21 प्रतिशत है।
केरल में पिछले 24 घंटे में सक्रिय मामलों में 47 घटकर इनकी संख्या 3190 रह गयी। वहीं, 325 लोगों के स्वस्थ होने के बाद इससे निजात पाने वाले लोगों की संख्या 6463828 हो गई है, जबकि मृतकों का आंकड़ा 68339 हो गया है।
कर्नाटक में सक्रिय मामले 32 बढ़कर 1501 हो गए हैं। इस दौरान 44 मरीजों के ठीक होने से इस महामारी से निजात पाने वालों की कुल संख्या 3904342 हो गई है। राज्य में मृतकों का आंकड़ा 40057 है।

कश्मीर में आतंक के खिलाफ मेगा ऑपरेशन

अनंतनाग में लश्कर का बड़ा कमांडर निसार ढेर, कुलगाम में भी एक आतंकी मारा गया

श्रीनगर। जम्मू-कश्मीर में आतंकियों के खिलाफ सुरक्षाबलों का मेगा ऑपरेशन जारी है। यहां अनंतनाग में हुए एक एनकाउंटर में उत्तरी कश्मीर में लश्कर-ए-तैयबा का टॉप कमांडर रहा निसार डार मारा गया है। वहीं, कुलगाम में भी लश्कर का एक स्थानीय आतंकी मारा गया है। सुरक्षाबलों के ऑपरेशन के दौरान साउथ कश्मीर के कई इलाकों में इंटरनेट बैन कर दिया गया है।

जम्मू-कश्मीर पुलिस ने बताया कि अनंतनाग के सिरहामा में कई आतंकियों के छिपे होने की आशंका है। वहां सर्च अभियान चलाया जा रहा है। अनंतनाग में लश्कर का एक आतंकी और कुलगाम में जैश-ए-मोहम्मद के कुछ आतंकी छिपे हुए हैं। पुलिस के एक अधिकारी ने बताया कि शनिवार तड़के मिलिट्री और पुलिस ने दोनों ही जगह जॉइंट ऑपरेशन शुरू किए थे। इन जगहों पर कुछ आतंकियों के छिपे होने की खबर मिली थी। इंटेलिजेंस सूत्रों के मुताबिक, कुलगाम में 2 से 4 और अनंतनाग में करीब 4 आतंकी मौजूद हैं, जिनके साथ एनकाउंटर शनिवार सुबह तक जारी था।

आतंकी निसार डार कौन था?

निसार डार जम्मू-कश्मीर के उत्तरी जोन में लश्कर-ए-तैयबा का शीर्ष कमांडर था। उसके खिलाफ कई मामले दर्ज थे। पुलिस के टॉप अधिकारी ने बताया कि डार मई 2021 से लगातार आतंकी गतिविधियों में शामिल था। डार बाला कुलगाम के रेडवानी का रहने वाला था।

पिनाका रॉकेट प्रणाली का किया सफल परीक्षण

नयी दिल्ली। रक्षा अनुसंधान एवं विकास संगठन (डीआरडीओ) तथा सेना ने पोखरण रेंज में पिनाका एम के -1 रॉकेट प्रणाली और पिनाका एरिया डिनायल म्यूनेशन रॉकेट प्रणाली का पोखरण रेंज में सफल परीक्षण किया है। पिछले सप्ताह किए गए इस परीक्षण के दौरान कुल 24 रॉकेट प्रणाली का अलग-अलग दूरी के लिए परीक्षण किया गया। परीक्षण के दौरान सभी रॉकेटों ने सटीक निशाने लगाए और परीक्षण के सभी उद्देश्यों को सफलतापूर्वक हासिल किया गया। इन परीक्षणों के दौरान प्रौद्योगिकी हस्तांतरण का आरंभिक चरण पूरा हो गया है और औद्योगिक साझीदार इनके उत्पादन के लिए तैयार हैं। पिनाका रॉकेट प्रणाली पुणे स्थित आर्मामेंट रिसर्च एंड डेवलपमेंट एस्टेब्लिशमेंट ने डीआरडीओ की एक प्रयोगशाला के सहयोग से विकसित की है। यह रॉकेट प्रणाली पिनाका रॉकेट का उन्नत संस्करण है।

कश्मीर की मस्जिद में भड़काऊ नारेबाजी

नमाज के बाद अलगाववादियों ने लगाए आजादी के नारे, वीडियो वायरल होने के बाद 13 गिरफ्तार

एजेंसी

श्रीनगर। जम्मू-कश्मीर की जामिया मस्जिद में नमाज पढ़ने के बाद अलगाववादियों के एक समूह ने आजादी के नारे लगाए। वीडियो वायरल होने के बाद पुलिस ने नारेबाजी में शामिल अब तक 13 आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया है।

क्या है वायरल वीडियो में

शुक्रवार को जुमे की नमाज खत्म होने के बाद जामिया मस्जिद में लगे स्लोगन के 27 सेकेंड का वीडियो वायरल हो रहा है।
वीडियो में जामिया मस्जिद में कुछ युवा 'हमको चाहिए... आजादी' और नारा-ए-तकबीर... अल्लाह-हू-अकबर के नारे लगा रहे हैं।

आरोपियों 124ए के तहत चलेगा केस : पुलिस

जम्मू-कश्मीर पुलिस के प्रवक्ता ने बताया कि जुम्मे की नमाज पढ़ने के बाद कुछ लोगों ने वहां पर आजादी के नारे लगाए। इस दौरान धार्मिक स्लोगन भी लगाया गया। मामले की जांच के लिए हमने टीम बनाई है। वीडियो में 20-25 युवाओं ने पहले नारे लगाने शुरु किए, जिसके बाद उनका मस्जिद कमेटी से विवाद भी हुआ। हमने गिरफ्तार आरोपियों पर आईपीसी की धारा 124ए और 447 के तहत केस दर्ज किया है।

2 साल बाद आम लोगों के लिए खुली मस्जिदें

जम्मू-कश्मीर के सबसे मशहूर मस्जिदों में से एक जामिया मस्जिद को पिछले दिनों आम लोगों के लिए खोला गया था।
कोरोना की वजह से मस्जिद करीब 2 साल से ज्यादा समय के लिए बंद थी, लेकिन रमजान को देखते हुए प्रशासन ने यह फैसला लिया था।

पहले भी विवादों में रही जामिया मस्जिद

जामिया मस्जिद पहले भी विवादों में रह चुकी है। 2018 में इसी मस्जिद पर कुछ युवाओं ने आतंकी संगठन आईएसआईएस के झंडा लहरा दिए थे, जिसकी जांच एनआईए को सौंपी गई थी।
इस मस्जिद की नींव सुल्तान सिकंदर ने साल 1394 में रखी थी।

बूस्टर डोज से मुनाफाखोरी कर रही है सरकार : कांग्रेस

नयी दिल्ली। कांग्रेस ने कहा है कि कोरोना महामारी से बचाव के लिए बूस्टर डोज के सहारे सरकार मुनाफा कमाना चाहती है और ऐसा करके वह लोगों के स्वास्थ्य का सौदा कर रही है। कांग्रेस प्रवक्ता अभिषेक मनु सिंघवी ने शनिवार को यहां पार्टी मुख्यालय में संवाददाता सम्मेलन में कहा कि सरकार ने भुगतान के आधार पर बूस्टर लगाने का बहुत सोच समझकर फैसला लिया है और इसके सहारे उसकी फायदा कमाने की मंशा है। बूस्टर की एक डोज का दाम 600 रुपए है और यदि कोई निजी अस्पताल में यह डोज लगाएगा तो इसके बदले आसानी से 800 रुपए वसूल लिए जाएंगे। उन्होंने कहा कि सरकार ने बूस्टर डोज की यह कीमत सबके लिए समान रखी है। अमीर और गरीब दोनों को इसके लिए एक ही रकम देनी होगी जबकि गरीबों के लिए आठ सौ रुपए बड़ी रकम है। इस डोज को भुगतान पर लोगों को बेचकर निजी कंपनियों को 48 हजार करोड़ रुपए से ज्यादा का फायदा होगा। उन्होंने कहा कि 18 से 60 की उम्र के लोगों की संख्या लगभग 60 करोड़ है और यदि 800 रुपए प्रति व्यक्ति यह डोज लगता है तो 40 हजार करोड़ रुपए बनता है और यह रकम सीधे निजी अस्पतालों को जाएगा।

सीएम शिवराज सिंह चौहान का बड़ा ऐलान

माफिया की जमीनों पर गरीबों को मिलेंगे प्लॉट

एजेंसी

भोपाल। मध्यप्रदेश में माफिया और गुंडों की जमीनों पर अब गरीबों को प्लॉट दिए जाएंगे। यहां लोग मकान बना सकेंगे। ये ऐलान मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने किया है। सीएम ने शनिवार को कलेक्टर-कमिश्नर कॉन्फ्रेंस में अफसरों को माफिया के खिलाफ की गई कार्रवाई की जानकारी सार्वजनिक करने के लिए कहा। ये भी कहा कि प्रदेश में अवैध रूप से रहने वाले बांग्लादेशियों की भी तलाशी की जाए। उन्होंने माफिया और गुंडों के खिलाफ कार्रवाई जारी रखने के निर्देश भी दिए।

इन दिनों प्रदेश में गुंडे, बदमाश, भूमाफिया पर सख्त कार्रवाई की जा रही है। भोपाल, खरगोन, इंदौर, झाबुआ, टीकमगढ़ में भू माफियाओं के खिलाफ सबसे ज्यादा कार्रवाई की गई हैं। कलेक्टर-कमिश्नर कॉन्फ्रेंस ने सीएम ने निर्देश दिए कि माफिया को तोड़कर उनका नेटवर्क ध्वस्त कर दें। अपराधियों को अधिकतम सजा मिले, इसका ध्यान रखें।

जनता के सामने रखें आंकड़े

सीएम शिवराज सिंह ने कहा कि प्रदेश में अवैध रूप से रह रहे बांग्लादेशियों की तलाशी की जाए, सभी सतर्क रहें। सभी जिलों में माफिया से मुक्त कराई गई जमीन के आंकड़े जनता के सामने रखें।
इन जमीनों का उपयोग गरीबों के प्लॉट काटने में होगा। कार्रवाई की साइंटिफिक ग्रेडिंग कीजिए। ये कार्रवाई गुंडों को तोड़ देगी। कलेक्टर-एसपी जिलों में हुई कार्रवाई के इम्पैक्ट के बारे में बताएं। जब आशियाना टूटता है, तो अपराधी अपराध करने के पहले कई बार सोचेगा। ये मुख्यमंत्री का लाउड एंड क्लियर मैसेज है।

रासुका और जिला बदर की कार्रवाई

- एनएसए प्रकरण (प्रस्तावित) - 5
- एनएसए प्रकरण (आदेशित) - 5
- जिला बदर प्रकरण (प्रस्तावित) - 4
- जिला बदर प्रकरण (आदेशित) - 18

पुलिस ने नौकरी के नाम पर ठगी करने वाले गिरोह का किया भंडाफोड़ किया, पांच पकड़े

नयी दिल्ली। दिल्ली में उत्तर साइबर पुलिस की एक टीम ने शनिवार को निजी एयरलाइंस में नौकरी दिलाने के नाम पर युवाओं से ठगी करने वाले गिरोह का भंडाफोड़ किया है। मामले में पुलिस ने पांच आरोपियों को गिरफ्तार किया है। अर्जुन सिंह राणा की ओर से पुलिस को राष्ट्रीय साइबर अपराध रिपोर्टिंग पोर्टल (एनसीआरपी) पर एक शिकायत प्राप्त हुई थी, जिसमें शिकायतकर्ता ने आरोप लगाया था कि उसे सौरभ नाम के एक व्यक्ति का फोन आया और उसने बताया कि उसका बायोडाटा इंडिगो एयरलाइंस में कंप्यूटर ऑपरेटर की नौकरी के लिए चयनित गया है। इसके बाद उसे मानव संसाधन प्रबंधक के साथ बात करने के लिए कहा गया और उसका मोबाइल पर इंटरव्यू आयोजित किया गया। साक्षात्कार के बाद उसे एक बैंक खाते में वर्दी शुल्क, वेतन खाता सक्रियण शुल्क, पासपोर्ट शुल्क आदि के लिए 14 हजार रुपये जमा करने का निर्देश दिया गया। कुछ समय बाद जब शिकायतकर्ता नौकरी के बारे मे बात की, तो उसे सूचित किया गया कि किसी आंतरिक आपात स्थिति के कारण, कंपनी ने लोगों को काम पर रखना बंद कर दिया है और जब शिकायतकर्ता ने अपने पैसे वापस मांगे, तो आरोपी ने अपना मोबाइल फोन बंद कर दिया। शिकायत के आधार पर पुलिस ने भारतीय दंड संहिता की धारा 420 के तहत मामला दर्ज किया गया और जांच शुरू की।

मीडिया हब क्रिकेट टीम का कॉमन वेल्थ गेम्स विलेज ग्राउंड में मैच का आयोजन

न्यू दिल्ली। प्रिंट एवं इलेक्ट्रोनिक मीडिया के समूह मीडिया हब के तत्वावधान में क्रिकेट टीम का गठन कर मैच का आयोजन किया गया। यह मैच सीडब्ल्यूजी (कॉमन वेल्थ गेम्स विलेज) में आयोजित किया गया। यह मैच इंडियन मीडिया वेलफेयर एसोसिएशन द्वारा आयोजित क्रिकेट प्रतियोगिता यमुना ट्राफी के बैनर तले किया गया। इस अवसर पर मीडिया हब के संरक्षक डॉ.रमेश कुमार पासी जी द्वारा पूरी क्रिकेट टीम का उत्साहवर्धन किया गया। साथ ही इंडियन मीडिया वेलफेयर एसोसिएशन के अध्यक्ष राजीव निशाना ने भी अपनी उपस्थिति दर्ज करा कर मैच का शुभारंभ कराया। मुख्य अतिथि के तौर पर लोकसभा टीवी के वरिष्ठ पत्रकार मनोज वर्मा ने भी ग्राउंड पर पहुंच कर खिलाड़ियों का उत्साहवर्धन किया।

प्यार में नाकाम

रात में ही हुआ अंतिम संस्कार; प्रेमी ने शादी से किया था इनकार

प्यार में नाकाम किशोरी समेत 6 सहेलियों ने जहर खाया , 3 की मौत

एजेंसी

औरंगाबाद। बिहार के औरंगाबाद में प्यार में नाकाम एक किशोरी और उसकी 5 सहेलियों ने जहर निगल लिया। तीन की मौत हो गई, जबकि तीन को अस्पताल में भर्ती कराया गया है। घटना के बाद परिवार वाले डर गए। रात में ही तीनों किशोरियों का अंतिम संस्कार कर दिया।
घटना शुक्रवार रात जिले के कासमा थाना क्षेत्र के चिरैला गांव की है। किशोरी अपने भाई के साले से प्यार करती थी, लेकिन प्रेमी ने शादी करने से मना कर दिया था। मरने वाली दो लड़कियों की उम्र 14 साल, जबकि एक की उम्र 15 साल है। तीनों अलग-अलग परिवार की हैं। तीन किशोरियों के मौत से पूरा गांव में मातम पसरा हुआ है। परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है।

गांव पहुंचे प्रशासनिक अधिकारी, शुरू की जांच

बघौरा पंचायत के मुखिया अनुज सिंह ने बताया कि गांव की किशोरी अपने प्रेमी से मिलने गुरारू गई थी। उसके साथ बहन और 4 किशोरियां भी गई थीं। प्रेमी और इन लोगों के बीच कुछ बात हुई। गांव लौटने के बाद सभी ने जहर खा लिया। सभी को इलाज के लिए मगध मेडिकल कॉलेज ले जाया गया, जहां तीन को डॉक्टरों ने मृत घोषित कर दिया।

भाई के साले से प्यार था

एसपी कांतेश कुमार मिश्रा ने बताया कि छह में से एक किशोरी का प्रेम-प्रसंग भाई के साले से चल रहा था। वह गुरुआ का रहने वाला है। उसका नाम बिट् ?टू है। किशोरी ने प्रेमी से शादी के लिए बात की, लेकिन प्रेमी ने इससे साफ इनकार कर दिया। इसके बाद सभी सहेलियां घर से निकली और जहर खा लिया, जिससे तीन की मौत हो गई।

परिवार ने कुछ भी बताने से मना किया

इधर, तीनों किशोरियों की मौत के बाद शव का पोस्टमार्टम कराने सदर अस्पताल पहुंचे परिजनों ने कुछ भी बोलने से इनकार किया। मृत दो किशोरियों के पिता का कहना था कि उन्हें कुछ नहीं पता है। वे लोग काम पर निकल गए थे। सिर्फ इतना पता है कि बेटी ने जहर खा लिया, जिससे उसकी मौत हो गई।

शार्ट न्यूज

अनंतनाग मुठभेड़ : लश्कर कमांडर ढ़ेर

श्रीनगर। दक्षिणी कश्मीर के अनंतनाग जिले में शनिवार को सुरक्षा बलों और आतंकवादियों के बीच मुठभेड़ में लश्कर-ए-तैयबा का एक स्थानीय कमांडर मारा गया। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। अधिकारियों ने बताया कि अनंतनाग जिले के सिरहामा गांव में घेराबंदी एवं तलाश अभियान के दौरान आतंकवादियों के साथ सुरक्षा बलों की मुठभेड़ हुई। उन्होंने बताया कि आतंकवादियों की मौजूदगी की सूचना मिलने के बाद अनंतनाग जिले के सिरहामा इलाके में इलाके की घेराबंदी और तलाशी अभियान शुरू किया गया। सुरक्षा बलों की संयुक्त टीम जैसे ही संदिग्ध स्थान की ओर बढ़े वहां छिपे हुए आतंकवादियों ने स्वचालित हथियारों से उन गोलीबारी शुरू कर दी। सुरक्षा बलों ने भी जवाबी कार्रवाई की और मुठभेड़ शुरू हो गयी जिसमें एक आतंकवादी मारा गया है। मारे गये आतंकवादी की पहचान लश्कर कमांडर निसार अहमद डार उर्फ मुसाइब के रुप में हुई है जो कुलगाम का निवासी था। पुलिस के मुताबिक मारा गया आतंकवादी कई नागरिकों और प्रवासी मजदूरों की हत्या तथा सुरक्षा बलों पर ग्रेनेड हमले में शामिल था। पुलिस महानिरीक्षक विजय कुमार ने डार के मारे जाने को एक बड़ी सफलता बताया। दक्षिण कश्मीर के कुलगाम में तलाश अभियान आज अपराह्न आतंकवादियों के इलाके से भागने के बाद समाप्त हो गया गया।

जम्मू पुलिस ने जतिंदर सिंह को किया गिरफ्तार

जम्मू। केन्द्र शासित प्रदेश जम्मू-कश्मीर के कठुआ जिले से पुलिस ने हवाला मामले में फरार पूर्व मंत्री जतिंदर सिंह उर्फ बाबू सिंह को शनिवार को गिरफ्तार कर लिया एक अधिकारी ने कहा कि जम्मू पुलिस ने हवाला मामले में फरार जतिंदर सिंह को कठुआ जिले से आज सुबह को गिरफ्तार किया। उन्होंने बताया कि जम्मू पुलिस ने 31 मार्च को हवाला मामले से संबंधित एक व्यक्ति को गिरफ्तार किया था और उसके पास से पैसे जब्त किए। इसके साथ ही तीन व्यक्तियों को इस मामले से संबंधित पूछताछ के लिए हिरासत में लिया गया था लेकिन तब से बाबू जतिंदर सिंह फरार था। पुलिस ने जम्मू में 6.90 लाख रुपये तक का हवाला धन जब्त किया। उन्होंने बताया कि चार में से एक आरोपी की पहचान शरीफ शाह के रूप में हुई। उसने पूछताछ के दौरान खुलासा किया कि उसे पूर्व मंत्री ने काम सौंपा था। जतिंदर सिंह नेचर-मैनकाइंद फ्रेंडली ग्लोबल पार्टी का चेयरमैन भी था और उसे श्रीनगर से पैसे का जुगाड़ करना था। पुलिस ने बताया कि आरोपी मोहम्मद शरीफ एक खुफिया व्हाट्सएप ग्रुप का भी एडमिन है। उन्होंने बताया कि अन्य तीन व्यक्तियों की पहचान जम्मू निवासी गुरदेव सिंह, कठुआ निवासी सिद्धांत शर्मा और जम्मू निवासी शरीफ सरताज के रूप में हुई। सभी को हिरासत में लेकर हवाला मामले में पूछताछ की गयी।

ममता ने की पवार के आवास पर हुए हमले की निंदा

कोलकाता। पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (राकांपा) के प्रमुख शरद पवार के आवास पर हुए हमले की शनिवार को निंदा की। बनर्जी ने बयान में कहा, मैं राकांपा के वरिष्ठ नेता एवं बड़ी हस्तियों में से एक श्री पवार के आवास पर हमले की निंदा करती हूँ और अपराधियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई करने के महाराष्ट्र मुख्यमत्री कार्यालय के बयान का स्वागत करती हूँ। गौरतलब है कि महाराष्ट्र राज्य सड़क परिवहन निगम (एमएसआरटीसी) के 100 से अधिक हड़ताली कर्मचारियों ने शुक्रवार को मुंबई में पवार के आवास के बाहर अचानक और उग्र प्रदर्शन किया। उस समय पवार अपने घर पर ही मौजूद थे।

प्रधान ने धामी से की शिक्षा व्यवस्था पर बात

देहरादून। केन्द्रीय शिक्षा मंत्री एवं कौशल विकास व उद्यमिता मंत्री धर्मेन्द्र प्रधान शनिवार को उत्तराखंड के देहरादून पहुंचे। यहां उन्होंने मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी से उनके सरकारी आवास में भेंट की। भेंट के दौरान, दोनों के बीच राज्य में शिक्षा के विकास और कौशल विकास को बढ़ावा देने के लिए विभिन्न बिंदुओं पर चर्चा हुई। प्रधान ने कहा कि देवभूमि उत्तराखंड को शिक्षा के क्षेत्र में केंद्र सरकार की ओर से हर संभव मदद दी जाएगी। उन्होंने कहा कि उत्तराखंड के लोग मेहनती एवं कर्मशील हैं। प्रदेश के युवाओं की प्रतिभाओं को उजागर करने के लिए कौशल विकास एवं उद्यमिता के क्षेत्र में केंद्र सरकार द्वारा राज्य को पूरी मदद दी जाएगी। उन्होंने कहा कि हुनरमंद लोगों की प्रतिभाओं को उजागर करने के लिए सरकार द्वारा अनेक प्रयास किए जा रहे हैं। धामी ने कहा कि राज्य में उद्योगों को बढ़ावा दिया जा रहा है। इसके लिए राज्य में सिंगल विंडो सिस्टम बनाया गया है। रोजगार के साथ ही युवाओं और महिलाओं को स्वरोजगार से जोड़ने के लिए राज्य सरकार द्वारा अनेक प्रयास किए जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि प्रदेश में स्वरोजगार की ओर लोगों का रुझान तेजी से बढ़ा है।

तिरुपति में 12 अप्रैल को आध्यात्मिक गुरुओं की बैठक : स्वामी

हैदराबाद। सनातन समधर्म प्रचार परिषद के संस्थापक विजय शंकर स्वामी ने शनिवार को कहा कि तिरुपति में आध्यात्मिक गुरुओं की बैठक 12 अप्रैल को आयोजित की जाएगी। आध्यात्मिक गुरुओं की बैठक में तिरुमाला में अन्नामचार्य और हनुमान की मूर्तियों के साथ तल्लापका अन्नामाचार्य हाउस और मंडपम के पुनर्निर्माण की मांग की जायेगी। स्वामी ने प्रेस क्लब में पत्रकारों से कहा कि तिरुमाला-तिरुपति देवस्थानम (टीटीडी) ने 2003 में उत्तरी माडा गली स्थित अन्नामचार्य घर और मंडपम को फिर से बनाने का वादा करके 2007 में ध्वस्त कर दिया था ।पंद्रह साल बाद भी टीटीडी में इस संबंध में कोई भी कार्रवाई नहीं की और बार-बार विरोध जताने के बाद भी टीटीडी ने अन्नामाचार्य हाउस और तिरुमाला में मंडपम का निर्माण नहीं किया । उन्होंने कहा कि तल्लपका अन्नामाचार्य, जिन्हें अन्नामय्या के नाम से भी जाना जाता है, 15वीं सदी के हिंदू संत थे। उन्होंने भगवान वेंकटेश्वर स्वामी की स्तुति में 32,000 गीतों की रचना की। इसके अळावा वह भगवान वेंकटेश्वर के भक्त भी थे। उन्होंने कहा कि अन्नामचार्य घर और मंडपम के पुनर्निर्माण के लिए बड़ी संख्या में आध्यात्मिक और धार्मिक नेता बैठक में भाग लेंगे।

उत्तराखंड सड़क हादसे में दो की मौत

नैनीताल। उत्तराखंड के टनकपुर में शनिवार को एक भीषण दुर्घटना में दो लोगों की मौत हो गयी तथा दस अन्य घायल हो गये। घायलों में तीन की हालत गंभीर बनी हुई है। टनकपुर पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार पूर्णागिरी मार्ग पर लोहे के पुल के पास सवारियों से भरे मैक्स वाहन ने दो लोगों को अपनी चपेट में ले लिया। दोनों युवक अपनी स्कूटी के साथ खड़े थे। इस दुर्घटना में बोहरागोठ निवासी कृष्ण कुमार व विक्की सिंह की मौके पर ही मौत हो गयी। बताया जा रहा है कि स्कूटी को टक्कर मारने के बाद मैक्स पलट गयी जिससे उसमें सवार दस लोग घायल हो गये। जिनमें तीन गंभीर रूप से घायल हैं। तीनों को हायर सेंटर भेजा गया है। पुलिस ने शवों को कब्जे में ले लिया और पंचनामा भरने के बाद पोस्टमार्टम के लिये भेज दिया।

पुडुचेरी में बिगड़ रही कानून व्यवस्था

पुडुचेरी। कांग्रेस वरिष्ठ नेता और पुडुचेरी के पूर्व मुख्यमंत्री वी नारायणसामी ने शनिवार को कहा कि केंद्रशासित प्रदेश में कानून व्यवस्था बिगड़ रही है। उन्होंने यहां संवाददाताओं से बात करते हुए कहा कि केंद्रशासित प्रदेश में जमीन हथियाने, गांजा व अन्य नशीले पदार्थों की तस्करी और बिक्री, अपहरण, हत्या, चोरी और डकैती की की घटनाएं आम हो रही हैं। नारायणसामी ने आरोप लगाया कि पंजीकरण विभाग की सहायता से फ्रांसीसी नागरिकों की जमीन जाली दस्तावेजों के साथ हड़पी जा रही है। उन्होंने एल्लायम्म कोइल स्ट्रीट में अपने निवास के पास एक फ्रांसीसी नागरिक की जमीन हड़पे जाने की घटना की जानकारी भी दी। उन्होंने आरोप लगाया कि मुख्यमंत्री कार्यालय से मौखिक आदेश दिये जा रहे हैं कि मामले की जांच न की जाए। श्री नारायणसामी ने बताया कि संपत्ति हड़पने में मदद न करने वाले एक उप- पंजीयक की पहले ही संदिग्ध हालात में मृत्यु हो चुकी है। उन्होंने घटना में एक निष्पक्ष जांच की मांग करते हुए कहा कि मामले को सीबीआई के सुपुर्द कर देना चाहिए।

कोविशील्ड और कोवैक्सीन की बूस्टर डोज के दामों में बड़ी गिरावट

एजेंसी

नई दिल्ली। रविवार से देश के निजी अस्पतालों में वयस्क नागरिकों को बूस्टर डोज लगनी शुरू हो जाएगी। इससे एक दिन पहले कोविशील्ड और कोवैक्सीन ने अपनी बूस्टर खुराकों के दामों में अप्रत्याशित कटौती की है।

शनिवार को कोविशील्ड और कोवैक्सीन ने अपनी बूस्टर खुराकों के दामों में भारी कटौती की है। पहले जहां कोविशील्ड की बूस्टर डोज 600 रुपए प्रति शॉट फिक्स की थी, आज इसकी कीमत 225 रुपए किया गया है वहीं, कोवैक्सीन की बूस्टर डोज की कीमत भी 225 रुपए प्रति शॉट किया गया है। इससे पहले कोवैक्सीन ने अपनी बूस्टर डोज की कीमत 1200 रुपए प्रति शॉट निर्धारित किया था।

गौरतलब है कि इससे पहले केंद्रीय स्वास्थ्य सचिव ने आज 18-59 आयु वर्ग के लिए बूस्टर डोज यानी एहतियाती खुराक के संबंध में राज्यों/केंद्र शासित प्रदेशों के सभी स्वास्थ्य सचिवों के साथ बैठक की। इस बैठक में सरकार ने कहा है कि निजी टीकाकरण केंद्र टीकाकरण के लिए सेवा शुल्क के रूप में अधिकतम 150 रुपये तक ही चार्ज कर सकते हैं। केंद्र सरकार ने 10 अप्रैल से निजी केंद्रों पर 18 वर्ष से अधिक उम्र वाले सभी लोगों को कोरोना टीके की एहतियाती खुराक यानी बूस्टर डोज देने का फैसला किया है। जिन्हें टीके की दूसरी खुराक लगवाए हुए नौ महीने हो गए वे इसके लिए पात्र होंगे। सरकारी सूत्रों ने कहा, जल्द ही कोविन वेबसाइट पर इसके लिए बुकिंग स्लॉट भी शुरू किए जाएंगे। केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री मनसुख मांडविया ने ट्विटर पर कहा, कोरोना के ख़िलाफ लड़ाई अब और मज़बूत होगी।

ओमिक्रॉन के खिलाफ कौवैक्सीन का बूस्टर डोज काफी कारगर

कोरोना वैक्सीन कोवैक्सीन की बूस्टर डोज ओमिक्रॉन समेत SARS-CoV-2 वैरिएंट्स ऑफ कंसर्न्स के खिलाफ काफी असरदार है। ICMR और भारत बायोटेक की स्टडी में यह खुलासा हुआ है। अध्ययन में पाया गया कि दो खुराक वाले प्राथमिक टीकाकरण के छह महीने बाद Covaxin की बूस्टर खुराक ने अच्छी एंडीबॉडी विकसित की। इंस्टीट्यूट ऑफ वायरोलॉजी में सीनियर साइंटिस्ट डॉ प्रज्ञा यादव ने बताया, करीब 30 म्युटेशन के साथ ओमिक्रॉन के उभार ने चिंता बढ़ा दी कि वैक्सीन इस पर असरहीन हो सकती है। इसके अलावा अन्य स्वीकृत टीकों के लिए वायरस के उभरते वैरिएंट्स के खिलाफ एंटीबॉडी प्रतिक्रियाओं के घटने की रिपोर्ट ने दुनिया भर में चिंता की लकीर खींच दी है। इस स्टडी में 51 लोगों ने भाग लिया, जिन्हें 6 महीने पहले ही कोवैक्सीन की दोनों डोज लग चुकी थी। इन्हें वैक्सीन की तीसरी डोज या बूस्टर शॉट लगाने के 28 दिन बाद असर का अध्ययन किया गया। इंडियन काउंसिल ऑफ मेडिकल रिसर्च और कोवैक्सीन निर्माता भारत बायोटेक की ओर से जनवरी में यह अध्ययन किया गया, जिसका निष्कर्ष 24 मार्च को जर्नल ऑफ ट्रैवल मेडिसिन में प्रकाशित हुआ।

पीएम मोदी 14 अप्रैल को करेंगे 'प्रधानमंत्री संग्रहालय' का उद्घाटन

नेहरू के निजी उपहारों का भी होगा प्रदर्शन

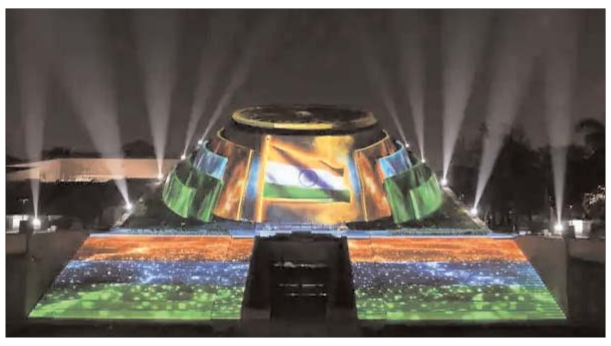

एजेंसी

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी राजधानी दिल्ली में बनाए गए 'प्रधानमंत्री संग्रहालय' का उद्घाटन 14 अप्रैल को करेंगे। इस संग्रहालय में देश के पिछले सभी प्रधानमंत्रियों के कार्यों और योगदान का प्रदर्शन किया जाएगा। देश के प्रथम प्रधानमंत्री जवाहरलाल नेहरू द्वारा प्राप्त किए गए उन कई उपहारों को भी यहां प्रदर्शित किया जाएगा, जो अभी तक नेहरू म्यूजियम का हिस्सा नहीं हैं।

प्रधानमंत्री संग्रहालय का उद्घाटन भारतीय संविधान के निर्माता डॉ. भीमराव अंबेडकर की जयंती के दिन होगा। संग्रहालय पीएम मोदी का एक समावेशी प्रयास है, जिसका उद्देश्य युवा पीढ़ी को हमारे सभी प्रधानमंत्रियों के नेतृत्व, दूरदृष्टि और उपलब्धियों के बारे में जागरूक और प्रेरित करना है।

'प्रधानमंत्री संग्रहालय' प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा अपने सभी पूर्ववर्तियों के योगदान को स्वीकार करने का एक प्रयास है, चाहे फिर उनकी विचारधारा अलग ही क्यों ना हो। यह संग्रहालय भारत के स्वतंत्रता संग्राम और संविधान के निर्माण से शुरू होकर कैसे प्रधानमंत्रियों ने विभिन्न चुनौतियों के माध्यम से देश का नेतृत्व किया और देश की सर्वांगीण प्रगति सुनिश्चित की इसकी कहानी बताता है।

डिजाइन उभरते भारत की कहानी से प्रेरित

'प्रधानमंत्री संग्रहालय' की इमारत का कुल क्षेत्रफल 10,491 वर्ग मीटर है। संग्रहालय भवन का डिजाइन उभरते भारत की कहानी से प्रेरित है, जो इसके नेताओं द्वारा आकार और ढाला गया है। डिजाइन में टिकाऊ होने के साथ ही यहां ऊर्जा संरक्षण का भी ध्यान रखा गया है। इसके लिए किसी भी पेड़ को काटा या प्रत्यारोपित नहीं किया गया है।

इमारत का लोगो अशोक चक्र धारण करने वाले भारत के लोगों के हाथों का प्रतिनिधित्व करता है, जो राष्ट्र और लोकतंत्र का प्रतीक है।

सूत्रों ने कहा कि पूर्व प्रधानमंत्रियों के बारे में अधिक से अधिक जानकारी जुटाने के लिए दूरदर्शन, फिल्म डिवीजन, संसद टीवी, रक्षा मंत्रालय, मीडिया हाउस (भारतीय और विदेशी), प्रिंट मीडिया, विदेशी समाचार एजेंसियों, विदेश मंत्रालय के तोशाखाना आदि संस्थानों के माध्यम से जानकारी एकत्र की गई है। इसक साथ ही उनके परिवारों से भी संपर्क किया गया था।

अत्याधुनिक तकनीकों का इस्तेमाल

प्रधानमंत्री संग्रहालय में युवाओं को सूचना आसान और रोचक तरीके से प्रस्तुत करने के लिए अत्याधुनिक प्रौद्योगिकी-आधारित संचार सुविधाओं का इंतजाम किया गया है। प्रदर्शनी को अत्यधिक इंटरैक्टिव बनाने के लिए होलोग्राम, वर्चुअल रियलिटी, ऑगमेंटेड रियलिटी, मल्टी-टच, मल्टी-मीडिया, इंटरेक्टिव कियोस्क, कम्प्यूटरीकृत काइनेटिक मूर्तियां, स्मार्टफोन एप्लिकेशन, इंटरेक्टिव स्क्रीन आदि लगाई गई हैं। बता दें कि, हाल ही में भाजपा संसदीय दल की बैठक में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने अपनी पार्टी के सांसदों से कहा था कि यह महत्वपूर्ण है कि उनमें से प्रत्येक सांसद संग्रहालय का दौरा करे और प्रत्येक प्रधानमंत्री के योगदान के बारे में युवाओं को जागरूक करे।

स्टालिन ने फिल्म उद्योग को हरसंभव सहायता देने का आश्वासन दिया

चेन्नई। तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एमके स्टालिन ने शनिवार को आश्वासन दिया कि द्रविड मुनेत्र कषगम(द्रमुक) सरकार फिल्म उद्योग की बेहतरी के लिए सभी आवश्यक सुविधाएं मुहैया कराएगी।

स्टालिन ने दक्षिण भारत मीडिया और मनोरंजन शिखर सम्मेलन का उद्घाटन करते हुए उन्होंने कहा कि सिनेमा उद्योग देश के सबसे महत्वपूर्ण उद्योगों में से एक है और कोरोना महामारी के बाद सामान्य स्थिति में वापस लौट रहा है। उन्होंने फिल्म निर्माताओं से आग्रह किया कि वे समाज में जागरूकता फैलानी वाली फिल्में बनाएं।

उन्होंने कहा कि फिल्म उद्योग को केवल मनोरंजन उद्योग के आधार पर बांटा नहीं जा सकता। यह लाखों को लोगों को रोजगार मुहैया करवाता है।

उन्होंने कहा, मुझे आज खुशी हो रही है कि मैं फिल्म उद्योग द्वारा आयोजित एक मेगा कार्यक्रम में भाग ले रहा हूं ।मैं राज्य में निवेशकों को लाने के उद्देश्य से कुछ दिन पहले दुबई और आबू धाबी गया था। भले ही मैं आज एक मुख्यमंत्री हूं, लेकिन मेरा सिनेमा से घनिष्ठ संबंध रहा है। मैंने कुछ छोटे बजट की फिल्में बनाई हैं। मैनें अभिनय में भी रुचि दिखाई और कई प्रोजेक्ट पर भी काम किया। मुझे केवल एक मुख्यमंत्री के रूप में न देखें। उन्होंने कहा कि फिल्म उद्योग को बांटा नहीं जा सकता। मैरे पिता एम करुणानिधि से लेकर मेरे बेटे उदयनिधि तक हमारा सिनेमा से गहरा नाता है।

उन्होंने कहा कि फिल्म उद्योग को बांटा नहीं जा सकता। मैरे पिता एम करुणानिधि से लेकर मेरे बेटे उदयनिधि तक हमारा सिनेमा से गहरा नाता है।

उन्होंने कहा कि सिनेमा में काफी बदलाव आया है, आज यह हमारे मोबाइल फोन पर उपलब्ध है ।हमें अच्छी फिल्मों की सरहाना करनी चाहिए। हमारा एक समृद्ध अतीत है और इसलिए राज्य सरकार सभी सुविधाएं प्रदान करने के लिए प्रतिबद्ध है। उन्होंने कहा कि फिल्म उद्योग को गुटखा और अन्य नशीली दवाओं के दुष्प्रभावों के बारे में भी जागरूकता पैदा करनी चाहिए। यह फिल्म निर्माताओं की जिम्मेदारी कि ऐसा काम करें, जो समाज को जागरूक बनाएं और सामाजिक बुराइयों से लड़ें।

डगशाई जेल को सैलानियों के लिए खोला जाए : समिति

जालंधर। देश भगत यादगार समिति ने डगशाई छावनी की पुरातन जेल को सैलानियों के लिए खोलने की मांग की है। दगशाई जेल संग्रहालय का उद्घाटन 13 अक्टूबर 2011 को मेजर जनरल एसके गादेओक ने किया था। संग्रहालय के तौर पर सैलानियों के लिए खोली गई इस जेल डगशाई छावनी के ब्रिगेड कमांडर के आदेश पर बंद कर दिया गया है।

डगशाई जेल का संबध भारत की आज़ादी के लिए लड़े गए संघर्ष से है जो 1914 -15 में 'ग़दर लहर ' के द्वारा किया गया था। साई मीया मीर की छावनी लाहौर में तैनात 23वें रसाले के 18 सैनाकों को अंग्रेज़ी हकूमत ने इस जेल में 15 अगस्त 1915 को कोर्ट मार्शल करके मौत की सजा दी गई थी। भारत में डगशाई सेंट्रल जेल का निर्माण 1847 में हुआ था। डगशाई छावनी की सैन्य जेल महात्मा गांधी के हिमाचल प्रदेश आगमन की गवाह है। अंग्रेज दुष्ट सैनिकों को कारागार में रखते थे। महात्मा गांधी ने वहां दो दिन कैदी के रूप में नहीं बल्कि आयरिश कैदियों से मिलने के लिए बिताए।

पर्यटन व आतिथ्य सम्मेलन में डाक्यूमेंट्री का विमोचन

देहरादून। उत्तराखंड के मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने शनिवार को जीएमएस रोड, स्थित एक होटल में पर्यटन विभाग द्वारा आयोजित पर्यटन एवं आतिथ्य सम्मेलन-2022 का शुभारम्भ किया। साथ ही, उन्होंने पर्यटन को बढ़ावा देने के लिए पर्यटन गतिविधियों पर आधारित वीडियो एवं थीम तथा चारधाम पैदल मार्ग के सर्वेक्षण पर आधारित डोक्यूमेंटरी का विमोचन भी किया।

मुख्यमंत्री ने मोटरहोम एडवेंचर्स के सहयोग से प्रदेश में कारवां टूरिज्म को बढावा देने के लिये तैयार की गई कारवां/मोटरहोम का निरीक्षण भी किया। बताया गया कि कारवां टूरिज्म द्वारा पर्यटकों को सुविधाएं प्रदान करने के लिए पॉलिसी बनाने पर काम किया जा रहा है। धामी ने कहा कि राज्य में पर्यटन के क्षेत्र में अपार संभावनाएं हैं। इस संभावनाओं के दृष्टिगत इस तरह के आयोजन समय-समय पर होने चाहिए। उन्होंने कहा कि राज्य के लिए पर्यटन उद्योग रीढ़ की हड्डी के समान है। प्रदेश की एक बड़ी जनसंख्या पर्यटन पर आश्रित है। उन्होंने कहा कि सरकार राज्य में पर्यटन को बढ़ावा देने के लिए पूर्ण रूप से संकल्पित है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि कोरोना की वजह से पिछले दो साल में सभी क्षेत्रों में लोगों को समस्याओं से जूझना पड़ा। कोरोना की वजह से लगभग सभी क्षेत्रों में लोगों के कार्य प्रभावित हुए। उन्होंने कहा कि कोरोना काल में सरकार द्वारा विभिन्न क्षेत्रों से जुड़े लोगों को राहत देने का कार्य किया गया। उन्होंने कहा कि इस बार प्रदेश में चारधाम यात्रा में लाखों श्रद्धालुओं के आने की सम्भावनाएं हैं। यह हमारे लिए चुनौती भी होगी। हमारा प्रयास है कि देवभूमि उत्तराखंड आने वाले श्रद्धालुओं को प्रदेश में सभी सुविधाएं उपलब्ध हों। अतिथि देवो भव: उत्तराखंड की परम्परा रही है।

धामी ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के मार्गदर्शन में उत्तराखंड तेजी से विकास की ओर अग्रसर है। प्रधानमंत्री जी ने नवम्बर 2021 में श्री केदारनाथ में कहा कि यह दशक उत्तराखण्ड का दशक होगा। अभी तक जितने श्रद्धालु उत्तराखंड में आये हैं, उससे कई गुना अधिक श्रद्धालु आने वाले दस वर्षों में देवभूमि उत्तराखंड आयेंगे।

मुख्यमंत्री ने कहा कि 2025 में जब हम उत्तराखंड राज्य की रजत जयंती मनाएंगे, उस समय उत्तराखण्ड हर क्षेत्र में अग्रणी राज्यों में होगा। उत्तराखंड को अग्रणी राज्य बनाने में उत्तराखण्ड की जनता की भी महत्वपूर्ण भूमिका होगी।

पूर्व छात्र अपने संस्थानों को दें 'गुरू दक्षिणा' : खट्टर

रोहतक। हरियाणा के मुख्यमंत्री मनोहर लाल खट्टर ने शनिवार को कहा कि पूर्व छात्रों को अपने शैक्षणिक संस्थानों को 'गुरू दक्षिणा' के रूप में योगदान देना चाहिए क्योंकि उनके योगदान से वह संस्थान बेहतर विकास कर सकता है।

मुख्यमंत्री यहां महर्षि दयानंद विश्वविद्यालय के 'एलुमनी मीट' में बोल रहे थे। उन्होंने कहा कि यह सभी पूर्व छात्रों की जिम्मेवारी है कि संस्थान में पढ़ने वाले अपने छोटे भाइयों, बहनों की मदद करें चाहे वह मार्गदर्शन देने की हो, उनकी फीस भरने की हो या दूसरे किसी तरीके की हो।

उन्होंने कहा कि प्राचीन समय में गुरूकुल परंपरा के तहत जब शिक्षा निःशुल्क होती थी तो गुरुकुल से शिक्षित होने के बाद छात्र साल में एक बार गुरू दक्षिणा देते थे। उन्होंने कुलपति से कहा कि वह उनकी तरफ से सभी पूर्व छात्रों को पत्र लिखकर अपील करें कि विश्वविद्यालय के विकास में योगदान सुनिश्चित करें।

खट्टर ने बताया कि प्रदेश में शिक्षा क्षेत्र के लिए इस बार बजट बीस हजार करोड़ रुपये आबंटित किये गये हैं। उन्होंने कहा कि उनका लक्ष्य हर बीस किलोमीटर के घेरे में एक कॉलेज और हर जिले में एक मेडिकल कॉलेज का निर्माण करना है और इस साल चार नये मेडिकल कॉलेज शुरू हो जाएंगे।

कांग्रेस नेताओं के बयानों से अराजकता का माहौल

बाड़मेर। केंद्रीय कृषि एवं किसान कल्याण राज्य मंत्री कैलाश चौधरी ने आरोप लगाते हुए कहा है कि राजस्थान में कांग्रेस नेताओं के बहुसंख्यक हिंदू समाज को नीचा दिखाने वाले बयानों एवं करतूतों के कारण अराजकता का माहौल है।

चौधरी ने आज अपने संसदीय क्षेत्र में विभिन्न ग्रामीण क्षेत्रों का दौरा करने के दौरान यह आरोप लगाया।

उन्होंने इस दौरान आमजन सहित भाजपा कार्यकर्ताओं से मुलाकात कर उनकी समस्याएं सुनी और प्रदेश में कमजोर कानून व्यवस्था एवं बढ़ते अपराधों को लेकर राज्य की कांग्रेस सरकार पर सवाल खड़े किए।

उन्होंने आरोप लगाते हुए कहा कि राजस्थान में कांग्रेस नेताओं के बहुसंख्यक हिंदू समाज को नीचा दिखाने वाले बयानों एवं करतूतों के कारण अराजकता का माहौल है। कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष खुद कह रहे हैं कि हमारी दुश्मनी हिंदू और हिंदुत्ववादियों से है जोकि अत्यंत दुर्भाग्यपूर्ण एवं शर्मनाक है।

न्होंने कहा कि कांग्रेस सरकार प्रदेश की कानून व्यवस्था को सुधारने के बजाय उल्टा हिंदुओं को ही दोष देते हुए उनके त्योहार मनाने पर रोक लगाते हुए धारा 144 लगवा रही है। भारतीय जनता पार्टी के 42वें स्थापना दिवस के उपलक्ष्य में शीर्ष नेतृत्व की ओर से केंद्र सरकार की जन कल्याणकारी योजनाओं के प्रचार-प्रसार को लेकर घोषित सेवा पखवाड़ा के तहत चौधरी ने बताया कि मोदी सरकार की लोक कल्याणकारी शासन पद्धति ने जहां उज्ज्वला योजना के जरिये महिलाओं को धुएं और घुटन से मुक्ति दिलाई, वहीं प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत करोड़ों की आबादी को छत का अधिकार भी दिलाया।

सम्राट अशोक की जयंती राजकीय समारोह के रूप में मनायी जाएगी

पटना। बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने राज्य में महान सम्राट अशोक की जयंती राजकीय समारोह के रूप में मनाए जाने की आज घोषणा की।

कुमार ने शनिवार को सम्राट अशोक की जयंती के अवसर पर सम्राट अशोक कन्वेंशन केंद्र परिसर में स्थापित महान् सम्राट अशोक की सांकेतिक मूर्ति पर माल्यार्पण कर उन्हें नमन किया। उन्होंने घोषणा की कि महान् सम्राट अशोक की जयंती राजकीय समारोह के रूप में मनायी जाएगी। इस अवसर पर जल संसाधन मंत्री संजय कुमार कुमार झा ने भी माल्यार्पण कर उन्हें नमन किया। इस मौके पर मुख्यमंत्री के अतिरिक्त परामर्शी मनीष कुमार वर्मा, मुख्यमंत्री के सचिव अनुपम कुमार, भवन निर्माण विभाग के सचिव सह आयुक्त पटना प्रमंडल कुमार रवि, मुख्यमंत्री के विशेष कार्य पदाधिकारी गोपाल सिंह, जिलाधिकारी चंद्रशेखर सिंह, वरीय पुलिस अधीक्षक मानवजीत सिंह ढिल्लो सहित अन्य वरीय अधिकारी उपस्थित थे।

मुख्यमंत्री ने कार्यक्रम के बाद पत्रकारों से बातचीत में कहा, सम्राट अशोक की जन्मतिथि का हमने पता लगवाया।

गजेन्द्र सिंहजी वचन निभाइये और संन्यास लीजिए : गहलोत

जयपुर। राजस्थान के मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने भी कहा है कि केन्द्रीय जल शक्ति मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत को अपना वचन निभाते हुए राजनीति से संन्यास ले लेना चाहिए।

गहलोत ने प्रदेश कांग्रेस के ट्वीट को रिट्वीट किया कि गजेन्द्र सिंह जी वचन निभाइये और संन्यास लीजिए। उन्होंने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के वक्तव्य को साझा करते हुए कहा कि आपकी तस्सली के लिए.. ठीक से सुनिए 2018 में पूर्वी राजस्थान नहर परियोजना (ईआरसीपी) पर प्रधानमंत्री मोदी के क्या शब्द थे। पूर्वी राजस्थान नहर परियोजना से 13 जिलों में सिंचाई और 40 प्रतिशत आबादी को मीठा पानी मिलेगा क्या ये भी झूठ और झांसा था। उन्होंने सात जुलाई 2018 को जयपुर की रैली में प्रधानमंत्री के भाषण का ईआरसीपी से संबंधित वक्तव्य 6 अक्टूबर 2018 को अजमेर रैली में प्रधानमंत्री जी के भाषण का ईआरसीपी से संबंधित वक्तव्य के बारे बताया।

मुख्यमंत्री ने कहा कि जलशक्ति मंत्री का कहना है कि प्रधानमंत्री ने अजमेर की रैली में ईआरसीपी पर एक शब्द नहीं कहा, यदि कहा है तो वो राजनीति से संन्यास ले लेंगे। उन्होंने कहा कि 7 जुलाई 2018 को जयपुर की रैली में प्रधानमंत्री जी ने अपने भाषण में स्पष्ट तौर पर ईआरसीपी को राष्ट्रीय परियोजना का दर्जा देने पर सकारात्मक रुख रखने की बात की है एवं 6 अक्टूबर 2018 को अजमेर रैली में जयपुर का नाम लेकर अपने इस वादे को दोहराया है।

गहलोत ने कहा कि होना ये चाहिए था कि उन्हें पहले से चल रहे 16 नेशनल प्रोजेक्ट के साथ ईआरसीपी को भी 17वें नेशनल प्रोजेक्ट का दर्जा दिलवाकर प्रधानमंत्री के वादे को पूरा करवाना चाहिए था। वे राजस्थान से सांसद भी हैं एवं केन्द्र में जलशक्ति मंत्री बनकर बैठे हैं। उनकी राजस्थान की अन्य परियोजनाओं में तो कोई रुचि नहीं है परन्तु उनके अपने विभाग की महत्वपूर्ण परियोजना ईआरसीपी को राष्ट्रीय परियोजना का दर्जा दिलाने के प्रति भी कोई रुचि नहीं होना दुर्भाग्यपूर्ण है। उन्होंने कहा मैं लगातार तीन वर्षों से प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के जयपुर एवं अजमेर में चुनाव से पहले 13 जिलों की पूर्वी राजस्थान नहर परियोजना ईआरसीपी को राष्ट्रीय परियोजना (नेशनल प्रोजेक्ट) का दर्जा देने के वादे की याद दिला रहा हूं । परन्तु अब जाकर राजस्थान से आने वाले केन्द्रीय जलशक्ति मंत्री को असत्य बोलकर प्रधानमंत्री के वादे का खंडन करना याद आया। यह बेहद दुर्भाग्यपूर्ण है।

शार्ट न्यूज

जेवर पुलिस ने हत्या के अभियोग में वांछित दो अभियुक्तों को किया गिरफ्तार

ग्रेटर नोएडा। थाना जेवर पुलिस ने शनिवार को दो वांछित अभियुक्तों रवि उर्फ अजीत कुमार पुत्र श्रीपाल निवासी ग्राम चाँचली थाना जेवर जनपद गौतमबुद्धनगर,अमन सागर पुत्र श्रीपाल निवासी ग्राम चाँचली थाना जेवर जनपद गौतमबुद्धनगर को उनके घर ग्राम चाँचली से गिरफ्तार कर लिया। उपरोक्त अभियुक्तगण थाना जेवर पर पंजीकृत मुकदमा अपराध संख्या 81/2022 धारा 504,506, 302 भादवि के तहत वांछित चल रहे थे ।गौरतलब है कि 22 मार्च 2022 को अपने घेर पर सो रहे राम सिंह पुत्र लक्ष्मण सिंह निवासी गाँव चाँचली थाना जेवर गौतमबुद्धनगर की ग्राम चाँचली के विशाल, रवि उर्फ अजीत व अमन पुत्रगण श्रीपाल ने हत्या कर दी थी। जिसके सम्बन्ध में वादी रवन पुत्र राम सिंह निवासी ग्राम चाँचली थाना जेवर जनपद गौतमबुद्धनगर द्वारा दी गयी तहरीर के आधार पर उपरोक्त मुकदमा पंजीकृत किया गया था ।जिसमें अभियुक्त विशाल पुत्र श्रीपाल को 25 मार्च 2022 को गिरफ्तार कर जेल भेजा गया था ।गिरफ्तार अभियुक्तगणों के विरुद्ध पुलिस ने आवश्यक वैधानिक कार्यवाही कर न्यायालय के समक्ष पेश कर दिया है।

सूरजपुर पुलिस ने घर में घुसकर नाबालिग लड़की से छेड़छाड़ करने वाले अभियुक्त को किया गिरफ्तार

ग्रेटर नोएडा। थाना सूरजपुर पुलिस ने शुक्रवार को घर में घुसकर नाबालिग लड़की से छेड़छाड़ करने वाला अभियुक्त अंश पुत्र उमेश बिधुडी निवासी राजारामपुर थाना सिकन्द्राबाद जिला बुलंदशहर वर्तमान पता अंसल हाउसिंग नियर तिलपता चौक थाना सूरजपुर गौतमबुद्धनगर को थाना क्षेत्र के तिलपता गोल चक्कर से गिरफ्तार कर लिया ।अभियुक्त द्वारा 8 अप्रैल 2022 को वादी के घर में घुसकर वादी की नाबालिग पुत्री के साथ छेड़छाड़ करने के सम्बन्ध में थाना सूरजपुर पर एफआईआर पंजीकृत की गई थी। जिसमें त्वरित कार्रवाई करते हुए पुलिस द्वारा अभियुक्त को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया।

वांछित अभियुक्त गिरफ्तार

नोयडा। थाना सेक्टर-63 पुलिस ने शुक्रवार को एक वांछित अभियुक्त टीटू पुत्र राम कुमार निवासी ग्राम कैली थाना खरखौदा जनपद मेरठ को थाना क्षेत्र के एफएनजी रोड छिजारसी से गिरफ्तार कर लिया ।अभियुक्त द्वारा वादी की नाबालिग पुत्री के साथ छेड़खानी करते हुए अभद्र व्यवहार किया गया था। जिसके सम्बन्ध में वादी द्वारा 7 अप्रैल 2022 को थाना सेक्टर-63 पर प्रार्थना पत्र दिया गया था। पुलिस द्वारा मुकदमा पंजीकृत कर अभियुक्त को गिरफ्तार कर लिया। जिसके विरूद्ध पुलिस ने आवश्यक वैधानिक कार्यवाही कर न्यायालय के समक्ष पेश कर दिया है।

थाना फेस-1 पुलिस ने नशीले पदार्थ की तस्करी करने वाले दो अभियुक्तों को किया गिरफ्तार, कब्जे से 12 किलो 812 ग्राम बरामद

नोयडा। थाना फेस-1 पुलिस ने शनिवार को नशीले पदार्थ की तस्करी करने वाले दो अभियुक्तों संजय कुमार पुत्र उमेश निवासी ग्राम पलवा थाना सनौला जिला भागलपुर बिहार वर्तमान निवासी शौचालय वाली गली कोहली धर्मकांटा जे जे कॉलोनी सेक्टर-8 थाना फेस 1 नोएडा, मुकेश पुत्र राजेन्द्र ठाकुर निवासी ग्राम बारहआठ थाना महरमा जिला गौडा झारखण्ड वर्तमान निवासी शौचालय वाली गली कोहली धर्मकांटा जे जे कॉलोनी सेक्टर-8 थाना फेस 1 नोएडा को थाना क्षेत्र के शौचालय वाली गली के अन्दर सेक्टर-8 से गिरफ्तार कर लिया। पकड़े गए अभियुक्तों के कब्जे से पुलिस ने लगभग एक लाख रुपये कीमत का 12 किलो 812 ग्राम गांजा बरामद किया है ।अभियुक्तगण शातिर किस्म के गांजा तस्कर हैं ।जो नोएडा एवं एनसीआर क्षेत्र में अवैध रूप से गांजे की तस्करी करते हैं। जिनके विरुद्ध पुलिस ने आवश्यक वैधानिक कार्यवाही कर न्यायालय के समक्ष पेश कर दिया है।

थाना फेस-1 पुलिस ने एक अभियुक्त को चोरी की मोटरसाइकिल के साथ किया गिरफ्तार

नोयडा। थाना फेस-1 पुलिस ने शनिवार को चेकिंग के दौरान एक अभियुक्त रोशन पुत्र सुरेश यादव निवासी ग्राम शेखुपुरा थाना शेखपुरा जनपद छपरा बिहार वर्तमान पता हरोला सेक्टर-5 नोएडा को थाना क्षेत्र के लेबर चौक से गिरफ्तार कर लिया। पकड़े गए अभियुक्त के कब्जे से पुलिस ने एक चोरी की मोटरसाइकिल पल्सर नंबर डीएल 7 एसबीजी 9929 बरामद की है। अभियुक्त द्वारा उक्त मोटरसाइकिल कुछ दिन पूर्व गाजीपुर क्षेत्र दिल्ली से चुराई गयी थी। अभियुक्त के अन्य आपराधिक इतिहास के बारे में जानकारी की जा रही है।

यूजीसी नेट परीक्षा में 98.5 फीसदी अंक लाने वाली काजल चौधरी को किया सम्मानित

ग्रेटर नोएडा। यूजीसी नेट जेआरएफ की परीक्षा में 98.5 फीसदी अंक लाकर गौतमबुद्धनगर के तुगलपुर गांव की बेटी काजल चौधरी दलगीर ने जनपद का नाम रौशन कर बेटियों के लिए एक प्रेरणा का कार्य किया है। शनिवार को दुर्गा अष्टमी पर महिला सशक्तिकरण को समर्पित संगठन महिला उन्नति संस्था भारत ने काजल चौधरी को उनकी इस शानदार उपलब्धि पर नारी शक्ति सम्मान देकर सम्मानित किया। इस अवसर पर प्रदेश प्रवक्ता डा ओमवीर बघेल ने बताया कि संगठन द्वारा नवरात्र के अवसर पर ऐसी महिलाओं एवं बेटियों को नारी शक्ति सम्मान से सम्मानित किया जा रहा है जिन्होंने प्रेरणादायक उपलब्धि हासिल की है। और जो अन्य महिलाओं एवं बेटियों के लिए उम्मीदों का मार्ग प्रशस्त करती है। वहीं काजल चौधरी ने बताया कि उन्होंने दिल्ली विश्वविद्यालय से पोस्ट ग्रेजुएट करने के बाद फिलहाल वह गौतमबुद्धनगर यूनिवर्सिटी से पीएचडी कर रही है और इस परीक्षा को पास करने के बाद अब वह किसी भी प्राइवेट अथवा सरकारी विश्वविद्यालय में असिस्टेंट प्रोफेसर के लिए एलिजिबल है।

सोनम और आनंद आहूजा के दिल्ली वाले घर में हुई चोरी, करोड़ों का कैश और गहने ले गए चोर

नई दिल्ली। बॉलीवुड अभिनेत्री सोनम कपूर और उनके पति आनंद आहूजा के दिल्ली वाले घर से करोड़ों रुपये के गहने और नकदी चोरी की घटना सामने आई है। चोरी की घटना के एक माह बाद पुरानी है, लेकिन अब तक पुलिस के हाथ खाली हैं। वहीं सोनम कपूर की दादी सास सरला आहूजा ने घर में चोरी होने की पुलिस में शिकायत दर्ज कराई है। तुगलक रोड पुलिस थाने ने रिपोर्ट दर्ज कर चोरों की तलाश शुरू कर दी है। नई दिल्ली जिले की डीसीपी अमृता गुगुलोथ ने शनिवार को बताया कि 23.02.22 को चोरी की शिकायत की गई थी। उन्होंने शिकायत में बताया कि 2.4 करोड़ मूल्य की कुछ नकदी और आभूषण चोरी हो गए हैं। उन्होंने इसे 11.02.22 को देखा था, लेकिन 23.02.22 को शिकायत की थी। पुलिस ने इस घटना को गंभीरता से लेते हुए तुगलक रोड थाने में मामला दर्ज किया है। पुलिस की कई टीमें गठित कर दी गई हैं और साक्ष्यों की जांच की जा रही है।

दिल्ली में दो जगहों पर सिलेंडर फटने से लगी आग, 6 दमकलकर्मी समेत 14 लोग घायल

नई दिल्ली। मध्य और उत्तरी दिल्ली के आनंद पर्वत औद्योगिक क्षेत्र और आजाद मार्केट में शनिवार तड़के सिलेंडर फटने से आग लग गई। दोनों दो घटनाओं में छह अग्निशामक और एक पुलिसकर्मी सहित लगभग 14 लोग घायल हो गए। दिल्ली के आजाद मार्केट में तीन इमारतों में शनिवार सुबह भीषण आग लग गई। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। इस हादसे में जिससे पांच लोग घायल हो गए। अधिकारियों ने बताया कि आग के कारण एक इमारत ढह गई है। दमकल अधिकारियों के मुताबिक, आग की सूचना मिलते ही अग्निशमन विभाग की 20 गाड़ियों को घटनास्थल पर रवाना किया गया और सुबह साढ़े सात बजे के करीब आग पर काबू पा लिया गया। वहीं, आनंद पर्वत इलाके में बिजली के कलपुर्जे बनाने

वाली एक फैक्टरी में आग लग गई, जिसे बुझाने के प्रयास में नौ लोग झुलस गए। इनमें छह दमकल कर्मी शामिल हैं। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि संदेह है कि कारखाने में एक रसोई गैस सिलेंडर में विस्फोट के कारण सुबह सवा पांच बजे आग लग गई। दमकल की 12 गाड़ियों को मौके पर भेजा गया और करीब 7.05 बजे पर आग पर काबू पा लिया गया। दिल्ली दमकल सेवा (डीएफएस) के अनुसार, आग बुझाने की कोशिश में दमकल विभाग के छह कर्मी, एक पुलिसकर्मी, दिल्ली आपदा प्रबंधन प्राधिकरण (डीडीएमए) का एक अधिकारी और एक स्थानीय व्यक्ति झुलस गया। दिल्ली अग्निशमन सेवा (डीएफएस) के प्रमुख अतुल गर्ग ने कहा, सिलिंडरों में विस्फोटों के कारण हमारे छह अग्निशामक और एक पुलिसकर्मी और दो अन्य घायल हो गए। हमने घायल दमकलकर्मियों को करोल बाग के पास एक निजी अस्पताल में भर्ती कराया है। आग अब नियंत्रण में है।छह घायल दमकलकर्मियों की पहचान अजमेर, समंदर, अंकित, विकास, रिंकू यादव और राकेश के रूप में हुई है। अन्य तीन घायलों की पहचान तत्काल नहीं हो सकी है। आजाद मार्केट में लगी आग के बारे में पुलिस उपायुक्त (उत्तर) सागर सिंह कलसी ने कहा कि सुबह 4.40 बजे आग लगने की सूचना मिली। पुलिस की एक टीम वहां पहुंची और देखा कि कुछ दुकानें जल रही थीं और तुरंत दमकल की गाड़ियां बुलाई गईं।

थाना सेक्टर-63 पुलिस ने तीन लुटेरों को किया गिरफ्तार

नोयडा। थाना सेक्टर-63 पुलिस ने तीस शातिर चोर/लुटेरों पवन यादव पुत्र धर्मवीर यादव निवासी ग्राम बहलोलपुर थाना सेक्टर-63 नोएडा, सुमित पुत्र चन्द्रपाल निवासी दुर्गा कॉलोनी मोहन बाबा मंदिर के सामने सोरखा सेक्टर-113 नोएडा, अवनीश पुत्र नबल सिंह निवासी सौरारी थाना मिरैची जनपद एटा को एफएनजी रोड से गिरफ्तार कर लिया ।जबकि एक बाल अपचारी को पुलिस अभिरक्षा में लिया गया है। पकड़े गए अभियुक्तों के कब्जे से पुलिस ने एक तमंचा तीन सौ पन्द्रह बोर मय दो कारतूस जिन्दा, दिल्ली व थाना फेस थ्री क्षेत्रांतर्गत चोरी की गयी छः मोटरसाइकिल,लूट के दो मोबाइल फोन,घटना में प्रयुक्त दो फर्जी नम्बर प्लेट और बहलोलपुर बारात घर से चोरी किये गये छः पंखे बरामद किये है।

अभियुक्त एनसीआर क्षेत्र से मोटरसाइकिल की चोरी कर उक्त मोटरसाइकिल से एनसीआर व आस-पास के अन्य थाना क्षेत्रों से घूमकर मोबाइल लूट व बन्द घरों में चोरी करने के अभ्यस्त है। अभियुक्तों द्वारा लूट/चोरी की कई घटनाएं कारित की गई है।

किशोरी को जबरन घर से अगवा कर जंगल में ले गए बदमाश, फिर 5 लोगों ने किया गैंगरेप

फरीदाबाद। हरियाणा के पलवल में एक मजदूर की नाबालिग बेटी का रात के समय कथित तौर पर घर से अपहरण कर जंगल में ले जाकर पांच लोगों द्वारा सामूहिक दुष्कर्म करने का शर्मनाक मामला सामने आया है। आरोप है कि पुलिस में शिकायत करने पर आरोपियों द्वारा किशोरी को जान से मारने की धमकी भी दी गई। थाना बहीन पुलिस ने पीड़िता के पिता की शिकायत पर पांच नामजद आरोपियों के खिलाफ केस दर्ज कर आरोपियों की तलाश शुरू कर दी है। खबर लिखे जाने तक पुलिस आरोपियों को गिरफ्तार नहीं कर सकी थी। बहीन थाना प्रभारी कैलाशचंद ने बताया कि एक व्यक्ति ने दी शिकायत में कहा है कि वह ईंट-भट्ठा पर ईटों की थपाई कर अपने बच्चों का पालन-पोषण करता है। पांच मार्च की रात करीब 12 बजे उसकी 15 वर्षीय बेटी घर पर सोई हुई थी। रात के समय नूंह के सिंगार गांव निवासी एक युवक अपने अन्य चार साथियों के संग उनके घर पर आया और अपनी मां बीमार होने की बात बताकर उनकी नाबालिग लड़की का गाड़ी में अपहरण कर ले गए और जंगल में ले जाकर सभी ने उसके साथ गैंगरेप किया।

नाबालिग को धोखे से ग्रेटर नोएडा ले आया प्रेमी, फिर भाई संग मिलकर हत्या के बाद दफना दिया शव

ग्रेटर नोएडा। उत्तर प्रदेश में एक युवक अपनी नाबालिग प्रेमिका को बहला-फुसलाकर फर्रुखाबाद से ग्रेटर नोएडा ले आया। यहां उसने छह मार्च को प्रेमिका की गला रेतकर हत्या कर दी और फिर उसका शव कैलाशपुर गांव के पास दफना दिया। पुलिस अधिकारियों ने यह जानकारी दी।

पुलिस अधिकारियों ने बताया कि फर्रुखाबाद पुलिस ने जब आरोपी को हिरासत में लेकर सख्ती से पूछताछ की तो उसने खुद इस बात का खुलासा किया। अधिकारी के मुताबिक, फर्रुखाबाद पुलिस बीती रात ग्रेटर नोएडा पहुंची और कैलाशपुर गांव के पास से युवती का शव बरामद किया। इसके बाद सूरजपुर थाना पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया।

सूरजपुर थाने के प्रभारी निरीक्षक अवधेश प्रताप सिंह ने बताया कि शुक्रवार रात फर्रुखाबाद जिले की कमालगंज थाना पुलिस सूरजपुर आई और बताया कि सचिन नामक युवक ने दिसंबर माह में एक किशोरी को अगवा किया था तथा उसे ग्रेटर नोएडा में लाकर उसके साथ रह रहा था।

सिंह के मुताबिक, किशोरी के परिजनों की शिकायत पर पुलिस ने जब सचिन व उसके परिवार से पूछताछ की तो उन्होंने किशोरी के बारे में कोई भी जानकारी होने से इनकार किया। जब पुलिस ने सख्ती दिखाई तो वह टूट गया। उन्होंने बताया कि बाद में सचिन और उसके भाई महेंद्र ने किशोरी की गला रेतकर हत्या करने और उसका शव कैलाशपुर गांव के पास जमीन में दफनाने की बात कबूली।

पुलिस अधिकारी के अनुसार, फर्रुखाबाद पुलिस ने सचिन को हत्या के आरोप में गिरफ्तार कर लिया है, जबकि वारदात में शामिल महेंद्र अभी फरार है। पुलिस उसकी तलाश में जुटी है।

एडीसीपी ग्रेटर नोएडा विशाल पांडे ने थाना बीटा टु का वार्षिक निरीक्षण करते हुए पुलिसकर्मियों को दिये आवश्यक दिशा-निर्देश

ग्रेटर नोएडा। अपर पुलिस उपायुक्त ग्रेटर नोएडा विशाल पांडे द्वारा एसीपी-1 ग्रेटर नोएडा के साथ शनिवार को थाना बीटा टु का वार्षिक निरीक्षण किया गया। वार्षिक निरीक्षण के दौरान एडीसीपी ग्रेटर नोएडा द्वारा सलामी देने वाली गार्द को नकद पुरूस्कार देकर पुरूस्कृत किया गया। उनके द्वारा थाना परिसर में मौजूद जनता के सम्भ्रांत व्यक्तियों से थाना बीटा टु पुलिस कार्यशैली का फीडबैक लिया गया व आवंटित जीपी लिस्ट के अनुसार आवंटित असलाह और कारतूस का भौतिक सत्यापन किया गया। हेड मोहर्रिर मालखाना को सरकारी सम्पत्ति के रखरखाव के लिये हिदायत दी गई। पूर्व के निरीक्षण के दौरान वरिष्ठ अधिकारीगणों द्वारा दिये गये निर्देशों के अनुपालन में थाना परिसर में सफाई व मरम्मत का कार्य का निरीक्षण किया। उनके द्वारा थाना कार्यालय, कम्प्यूटर कक्ष, डाक कार्यालय एवं महिला हेल्प डेस्क का निरीक्षण किया गया तो थाना कार्यालय में रजिस्टर को अच्छे तरीके से पूरा करने वाले दो कर्मचारियों को गुड एन्ट्री एवं अन्य रजिस्टर को पूर्ण रखने के संबंध में हिदायत दी गई। उनके द्वारा थाना परिसर में खड़े लावारिस व सीज वाहनों के शीघ्र निस्तारण हेतु संबंधित अधिकारी को निर्देशित किया गया व थाना प्रभारी को थाने पर प्राप्त होने वाली सभी शिकायतों का गुणवत्तापूर्ण निस्तारण करने एवं थाने पर आने वाले सभी लोगों से मृद व्यवहार करने हेतु निर्देशित किया गया।

लाल डोरा मुक्त हुए 100 गांवों के लिए खुशखबरी

गुरुग्राम। गुरुग्राम जिले में डोरा मुक्त हो चुके गांवों में रहने वाले हजारों लोगों के लिए खुशखबरी है। डोरा मुक्त हुए जिले के 100 गांवों के 22 हजार लाभार्थियों को जल्द ही उनकी संपत्ति के मालिकाना हक के दस्तावेज यानी प्रॉपर्टी कार्ड मिलने जा रहे हैं। उपायुक्त निशांत कुमार यादव ने कहा है कि जिले में स्वामित्व योजना के क्रियान्वयन से जुड़े अधिकारी अगले सात दिनों में लाल डोरा मुक्त हो चुके 100 गांवों के लाभार्थियों को उनकी संपत्ति के मालिकाना हक के दस्तावेज यानी प्रॉपर्टी कार्ड वितरित करें ।हरियाणा के मुख्य सचिव संजीव कौशल की अध्यक्षता में वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से स्वामित्व योजना को लेकर आयोजित की गई बैठक के बाद उपायुक्त ने अधिकारियों को ये निर्देश दिए। बैठक में उपायुक्त ने बताया कि मुख्य सचिव से मिले निर्देशों के तहत प्रदेश के सभी जिलों में लाल डोरा मुक्त हो चुके गांवों में अगले 10 दिनों में जिले के कुल प्रॉपर्टी कार्ड में से करीब 50 प्रतिशत कार्ड लाभार्थियों को वितरित किए जाने हैं।

जिला विकास एवं पंचायत अधिकारी नरेंद्र सारवान से विस्तृत रिपोर्ट लेने के बाद उपायुक्त ने निर्देश दिए कि वह युद्धस्तर पर कार्य करते हुए अगले सात दिनों में 100 गांवों के 22 हजार लाभार्थियों को उनके प्रॉपर्टी कार्ड वितरित करवाना सुनिश्चित करें।

लाल डोरा सर्वे पर दर्ज की गईं पांच आपत्तियां सुलझी

सोहना। एसडीएम ने ग्राम पंचायतों में लाल डोरा सर्वे पर दर्ज कराई गई आपत्तियों पर सुनवाई के बाद पांच का मौके पर समाधान कर दिया। सोहना एसडीएम जितेंद्र गर्ग ने शुक्रवार को बीडीपीओ कार्यालय में ग्राम पंचायतों में लाल डोरा पर हुई सर्वे पर ग्रामीणों द्वारा दर्ज कराए गए ऐतराजों की सुनवाई की।

शुक्रवार को 10 ग्राम पंचायत रिठौज, अलीपुर, खेड़ला, सतलाका, हरचंदपुर, नूनेरा, मंडावर, लाला खेड़ली, महेन्द्रवाड़ा और निमौठ से ग्रामीणों की समस्याओं को सुना। इस अवसर पर बीडीपीओ परमेंद्र सिंह और राजस्व विभाग से तहसीलदार सीखा गर्ग भी मौजूद थी। सुनवाई के दौरान दोनों पक्षों के लोगों से पूछताछ की। जिस गांव के ऐतराज सुने गए। वहां के ग्राम पंचायत सरपंच व नंबरदार को हाजिर रखा। दूसरे दिन भी 25 आपत्तियां थी। इनमें से पांच आपत्ति का निपटान सुनवाई के दौरान किया।

सुपरटेक ट्विन टावर में आज होगा ट्रायल ब्लास्ट

बिल्डिंग के सामने दो सड़कें रहेंगी बंद

नोएडा। नोएडा सेक्टर-93ए सुपरटेक एमराल्ड कोर्ट में बने ट्विन टावर को पूरी तरह से ध्वस्त करने से पहले रविवार को टेस्ट ब्लास्ट होगा। दोपहर करीब ढाई बजे यह ट्रायल होगा। इसके चलते टावर के सामने की दो सड़कें बंद रहेंगी।

एमराल्ड कोर्ट परिसर में टावर नंबर-16 सियान और 17 नंबर एपेक्स टावर है। एपेक्स टावर में ही टेस्ट ब्लास्ट होना है। टावर ध्वस्तीकरण का जिम्मा संभाल रही एडीफाइस एजेंसी के

परियोजना हेड मयूर मेहता ने बताया कि पांच पिलर में टेस्ट ब्लास्ट होगा। दोपहर दो बजे से पहले ही संबंधित पिलरों में ब्लास्ट लगाने का काम पूरा कर लिया जाएगा। इस ब्लास्ट की प्रक्रिया सवा दो से पौने तीन बजे के बीच होगी।

दोपहर करीब ढाई बजे ब्लास्ट होगा। ब्लास्ट के दौरान पटाखे जैसी आवाज आएगी।

टेस्ट ब्लास्ट के दौरान एमराल्ड कोर्ट के सामने वाली और एटीएस विलेज सोसाइटी के सामने वाली सड़क पर यातायात बंद रहेगा।

टेस्ट ब्लास्ट के दौरान दोपहर करीब एक घंटे तक एमराल्ड कोर्ट व एटीएस विलेज सोसाइटी के लोगों को अपने फ्लैट में रहना होगा। बालकनी में भी नहीं आ सकेंगे। खिड़की-दरवाजे बंद रखने होंगे।

टेस्ट के दौरान धूल बाहर नहीं आएगी

अधिकारियों का कहना है कि टेस्ट ब्लास्ट के दौरान कोई बड़ा धमाका नहीं होगा। इसके अलावा धूल बाहर तक नहीं जाएगी।

डीटीपी प्रवर्तन से एनओसी लिये बिना कर दी दो सौ से अधिक रजिस्ट्री

गुरुग्राम। जिले के तहसीलों में डीटीपी प्रवर्तन से एनओसी लिये बिना ही रजिस्ट्री करने का सिलसिला जारी है। जनवरी से लेकर मार्च तक करीब दो सौ से अधिक रजिस्ट्रियां तहसीलों में की गई है। इसको लेकर डीटीपी प्रवर्तन ने शुक्रवार को तीन तहसीलदारों से बिना एनओसी की गई रजिस्ट्री की जानकारी मांगी है। इसमें 7ए क्षेत्र की रजिस्ट्री और खसरा नंबर समेत अन्य जानकारी शामिल है। इस जानकारी से तहसीलदारों की मुश्किलें बढ़ा दी है।

एनओसी के 1400 आवेदन रदद किए

डीटीपी के अनुसार सितंबर 2020 से लेकर जिले के 156 गांवों में निर्माण के लिए एनओसी मांगी गई थी। इसके लिए दो हजार आवदेन पत्र आए हुए हैं। इन आवेदनों में कई खामियां मिलने के बाद 1400 आवेदन कर्ताओ को एनओसी देने से इंकार कर दिया था। इसके बाद भी सोहना, मानेसर, बादशापुर समेत अन्य तहसीलों में बिना एनओसी की रजिस्ट्री की गई। अवैध कॉलोनी काटने वालों के खिलाफ एफआईआर दर्ज करवाने शुरू किए गए तो लोगों ने तहसीलों से रजिस्ट्री कराने की बात कही। ये रजिस्ट्री 7ए के क्षेत्रों की है, जो बिना एनओसी के नहीं हो सकती है। क्योंकि अवैध कॉलोनी काटने वालों ने इसका बात का जिक्र किया है कि वह निर्माण कर सकते हैं।

तहसीलदार जवाब मांगकर फंस गए

कई तहसीलदारों ने डीटीपी को पत्र लिखकर गांवों की रजिस्ट्री कराने के लिए आग्रह किया है। इसमें कई तरह के तर्क दिया गया कि 7ए के दायरे में नहीं आता है। डीटीपी ने जवाब में लिखे पत्र में कहा कि अब तक जो रजिस्ट्रियां की गई है। किस नियम के तहत की गई है। इसका खसरा नंबर से लेकर एरिया की पूरी जानकारी दिए जाए।

-तहसीलदारों को पत्र लिखकर जानकारी मांगी गई है कि जो रजिस्ट्रियां 7ए के क्षेत्र में की जा रही है। इसका खसरा नंबर और रजिस्ट्री कराने वालों की जानकारी मुहैया कराई जाए। बिना एनओसी रजिस्ट्री होने पर अवैध कॉलोनियां विकसित हो रही है। जिनके खिलाफ थानों में एफआईआर कराए गए हैं।

डीटीपी आरएस बाट, डीटीपी प्रवर्तन गुरुग्राम

कोरोना से संक्रमित 66 नए मरीज मिले

गुरुग्राम। दिल्ली से सटे गुरुग्राम में पांबदियों से छूट मिलते ही लोगों ने एक बार फिर से नियमों को अनदेखा करना शुरू कर दिया है। इसके कारण जिले में कोविड के मामलों में लगातार बढ़ोतरी हो रही है। जिले में शनिवार को कोरोना से संक्रमित 66 नए मरीज मिले। इसी के साथ कुल संक्रमित मरीजों की संख्या बढ़कर 261366 हो गई। राहत इस बात की रही कि बीते 24 घंटे में किसी भी संक्रमित मरीज की मौत नहीं हुई। वहीं 43 संक्रमित मरीज कोरोना को मात देकर ठीक भी हो गए। कोरोना के सक्रिय मरीजों की संख्या जिले में अब बढ़कर 293 हो गई है। इनमें से 292 मरीज होम आइसोलेशन में हैं, जबकि एक का इलाज अस्पताल में चल रहा है। नए संक्रमित मरीजों की पहचान के लिए जिला स्वास्थ्य विभाग का सघन जांच अभियान लगातार जारी है। कोरोना जांच के लिए शनिवार को जिले में 1252 नमूने लिए गए।

विधायक, मेयर ने किया प्लांट का उद्घाटन, निगम ने जारी एजेंसियों को नोटिस

गुरुग्राम। नगर निगम ने प्लांट लगाने वाली एजेंसियों को नोटिस जारी कर दिया है। आरोप है कि दोनों एजेंसियां ने वार्ड-32 से अवैध रूप से कचरा उठाकर वार्ड में कंपोस्टिंग प्लांट लगाया है। जबकि नियमानुसार घर-घर से कचरे का उठान नगर निगम की कपंनी ईको ग्रीन की तरफ से किया जाना है। प्लांट लगाने वाली दोनो एजेंसियों को सात के भीतर निगम में जवाब दाखिल करना है। वहीं निगम अधिकारियों का कहना है कि आरडब्ल्यूए के साथ मिलकर कोई भी एजेंसी कचरे से खाद से बनाने का प्लांट लगा सकती है, लेकिन घर-घर से कचरा ईको ग्रीन के अलावा कोई नहीं उठा सकता है। इसलिए दोनों एजेसियों को नोटिस जारी कर दिया है। बता दें कि सात अप्रैल को वार्ड-32 में दो निजी एजेंसियों ने कचरे से खाद बनाने के एक प्लांट का बनाकर उसका उद्घाटन शहर के विधायक सुधीर सिंगला व मेयर मधु आजाद से करवा लिया। आरोप है कि दोनों एजेंसिया स्थानीय लोगों के साथ मिलकर अवैध रूप से कचरा उठाती है। जिसको लेकर ईको ग्रीन कंपनी की तरफ से गत माह पुलिस में शिकायत भी दी गई थी और निगमायुक्त ने भी इसको लेकर पुलिस आयुक्त को पत्र लिखा था। आरोप है कि स्थानीय लोगों ने निगम अधिकारियों पर दबाव बनाने के लिए इस प्लांट का विधायक व मेयर से उद्घाटन करवाया है। वहीं ईको ग्रीन कंपनी ने निगम को दी शिकायत में बताया कि वार्ड-32 में ईको ग्रीन कंपनी की जगह यह दो निजी एजेंसियां अवैध रूप से घरों से कचरा उठा रही है। जबकि निगम के साथ हुए करार में घर-घर से कचरा उठाने का कार्य ईको ग्रीन का है। ईको ग्रीन की इस शिकायत पर अब निगम ने दोनों एजेंसियों को नोटिस जारी कर सात दिन में जवाब दाखिल करने के निर्देश दिए हैं। अगर इनका जवाब संतोष जनक नहीं मिलता है तो दोनों एजेंसियों पर सख्त कार्रवाई की जा सकती है।

संपादकीय

शिक्षा बनी व्यापार, अभिभावकों पर बढ़ा शिक्षा का भार

कहते है जिस देश की शिक्षा जितनी उन्नत होगी वह देश उतना ही विकास करेगा । इसी को ध्यान में रखते हुए आजादी के बाद से शिक्षा को सर्वव्यापी बनाने के लिए सरकार के द्वारा निरंतर कार्य किया गया; परिणामस्वरूप शिक्षा के प्रति जागरूकता आई है एवं इसकी महत्वपूर्णता को लोग समझने लगे है; इसे जीवन की एक महत्वपूर्ण जरुरत के तौर पर आंकने लगे है । लोगो में शिक्षा के प्रति जागरूकता एवं महत्व को देखते हुए मौकापरस्त लोग इससे फायदा उठाने की ताक लगाये बैठे है; शिक्षा तंत्र में आर्थिक लाभ आंकने वाले स्वार्थी लोगो की नजर जैसे ही गयी उन्होंने लोगो की दुखती नस शिक्षा पर हाथ रह दिया । समय और परिस्थिति को देखते हुए कोई भी व्यक्ति मानों अपनी स्वार्थ सिद्धि के लिए किसी भी हद तक जाने से बाज नहीं आता, बस कैसे भी उसे आर्थिक लाभ होना चाहिए चाहे व नैतिक तरीके से हो या फिर अनैतिक तरीका। यह स्थिति किसी भी क्षेत्र में ले लीजिए चाहे वह शिक्षा का क्षेत्र हो या फिर स्वास्थ्य क्षेत्र क्योंकि यदि दोनों क्षेत्र में हमारे देश अथवा राज्य की सुविधाएं दुरुस्त नहीं होगी तो हमारा देश अथवा राज्य भविष्य में विकास की ओर उन्मुख नहीं होगा।

देश का भविष्य जनता के स्वास्थ्य व आगामी पीढ़ी की शिक्षा से पूर्ण रूप से संबंध रखता है। यदि जनता अशिक्षित या फिर रोगी है तो देश के भविष्य का सर्वांगिण विकास विफल निश्चित होगा। पिछले कई दशकों से हमारी सरकारें प्राथमिक शिक्षा व स्वास्थ्य सेवाओं को दुरुस्त करने के लिए काफी प्रयास रत है; लेकिन परिणाम नगण्य ही रहें। हमारे देश का संपूर्ण भविष्य छात्र-छात्राएं व देश की नई युवा पीढ़ी है। यदि अतिशीघ्र शिक्षा व स्वास्थ्य सेवा के सुधार क्षेत्र में हमने कोई महत्वपूर्ण कदम नहीं उठायें तो आने वाला कल को हम कभी संवार नहीं सकते, सच कड़वा है परन्तु बाद में उसका फल भी सुखद प्रतीत होता है। यदि अतिशीघ्र शिक्षा एवं स्वास्थ्य क्षेत्रों को हमारी केंद्र व राज्यों सरकार द्वारा अतिशीघ्र दुरुस्त कर लिया जाता है तो हमारा हिंदुस्तान शीघ्र ही विकसित देशों की दौड़ में सबसे आगे होगा। परंतु विडम्बना यह है कि हमारे देश में शिक्षा व स्वास्थ्य सेवाओं के निजीकरण ने स्कूलों तथा अस्पतालों को उच्च किस्म का व्यापार बना दिया है। यदि स्वास्थ्य क्षेत्रो की बात करें तो, स्वास्थ्य सेवाओं के निजीकरण के होने के कारण आम व माध्यम आदमी के लिए निजी अस्पताल दूर का सपना है । क्योकि ये निजी अस्पताल इतने महगे होते है कि एक आम आदमी का इसमें ईलाज करवाना और किसी गंभीर बीमारी के चलते एक बार यहाँ पहुँच जाये तो इसकी फीस भरते-भरते घर खेत तक बिक जाते है । निजी अस्पतालों में ईलाज करने की भी अपनी एक मजबूरी है, मजबूरी यह कि सरकारी अस्पतालों का शहर में एक्का दुक्का मात्रा मे होना और लोगो की जरूरते ज्यादा, इस प्रकार सरकारी अस्पताल की बढती मांग के कारण या तो अस्पताल परिसर खचा-खच भीड़ से भरा होगा, यदि बीमार व्यक्ति की जैसे-तैसे नंबर आ भी गया तो कोई भी आवश्यक वस्तु अस्पताल में या तो उपलब्ध नहीं होती जैसे कि ऑक्सिजन, दवाइयां, अन्य मैडिकल उपकरण आदि ।

ऐसा ही हाल प्राईवेट स्कूलों की शिक्षा का भीं है जहां शिक्षा घरों को शिक्षा के मंदिर के नाम जाना जाता था परन्तु शिक्षा के इस प्राईमरी स्कूलों की दशा इतनी दयनीय है कि इसे किसी ओटी में ले जाकर एक संकीर्ण ऑपरेशन की अतिशीघ्र आवश्यकता है। अन्यथा एक आम व्यक्ति का अपने बच्चों को प्राइमरी शिक्षा देना दुर्भर हो जायेगा। सरकार ने पिछले कई दशकों से शिक्षा के उत्थान के लिए न जाने कितनी जद्दोजहत की, परंतु सभी प्रयास असफल ही सिद्ध हुये दूसरी तरफ प्राईवेट स्कूलों का व्यापार इतना फलता-फूलता जा रहा कि प्रत्येक व्यक्ति पाश्चात्य सभ्यता का गुलाम होने के कारण प्राइमरी स्कूल की जर्रर स्थिति, सरकारी स्कूलों के अध्यापकों के ढील मूल रवैया (या फिर किसी सरकारी योजना या फिर जनगणना या फिर जानवरों की जनगणना या फिर इलेक्शन ड्यूटि के चलते) देखते हुये कोई भी अभिभावक अपने बच्चे को सरकारी स्कूलों में प्रवेश दिलाना उचित नहीं समझता। सरकारी परिसर का वातावरण इस प्रकार का हो गया कि आधुनिक शिक्षा पाना संभव नहीं रह गया। हो भी क्यों ना सरकारी अध्यापक तो केवल सरकारी सेवक बन कर रह गया है।

कश्मीरी पंडितों पर हुए जुल्म की तरह ही सामने आना चाहती हैं कई 'फाईल्स'

सुरेश हिन्दुस्थानी

कश्मीरी हिन्दुओं के दर्द पर बनी फिल्म 'द कश्मीर फाइल्स' पर आज देश भर में चर्चा हो रही है। फिल्म के निर्देशक विवेक अग्निहोत्री से एक पत्रकार ने पूछा कि वह अगली फिल्म किस मुद्दे पर बनाने की सोच रहे हैं तो उनका जवाब था कि उनकी अगली फिल्म दिल्ली दंगों पर होगी।

जब सच से सामना होता है, तब सबकी बोलती बंद हो जाती है। कुछ इसी प्रकार का वातावरण फिल्म 'द कश्मीर फाइल्स' को लेकर भी हो रहा है। इस फिल्म का एक तरफ विरोध भी हो रहा है, लेकिन जिसने इस दर्द को झेला है, उसने जब इस फिल्म को देखा तो उसकी आंखों के समक्ष गुजरे हुए दर्दनाक पल आते चले गए। जिस हिन्दू ने यह झेला है उसके आंसू थमने का नाम नहीं ले रहे हैं। धर्मनिरपेक्षता का ढोंग करने वाले कथित बुद्धिजीवी वर्ग का जिस प्रकार से नैरेटिव ध्वस्त होता हुआ दिखाई दे रहा है, उससे उनके पेट में मरोड़ उठ रही है। उनका कहना है कि फिल्म का एक ही पक्ष दिखाया गया है, लेकिन कश्मीर घाटी का बड़ा सच यही है कि केवल हिन्दुओं को ही अपने घर और व्यवसाय से बेदखल किया गया। इसी प्रकार कुछ लोग यह भी कह रहे हैं कि यह सब पाकिस्तान के संरक्षण में कार्य करने वाले आतंकवादियों के संकेत पर ही हो रहा था।

जहां तक बॉलीवुड की बात है तो यह सच है कि कई फिल्मों में हिन्दू देवी देवताओं को पत्थर की मूर्ति कहकर संबोधित किया गया है, जबकि ऐसी टिप्पणियां अन्य धर्मों के आराधक पर की जाए तो भूचाल आ जाता है। वास्तविकता यह है कि फिल्मों के माध्यम से भारतीय नागरिकों का ब्रेन वॉश किया गया और हमारा समाज भी उसे इसलिए स्वीकार करता गया, क्योंकि वह सत्य से बहुत दूर जा चुका था। अब जब सच सामने आ रहा है तो सबकी आंखों पर जो परदा चढ़ा था, वह हटने लगा है। दर्द केवल उन्हीं को हो रहा है, जिन्होंने इस आवरण को चढ़ाने का कार्य किया था। विवेक अग्निहोत्री की फिल्म द कश्मीर फाईल्स सही मायनों में एक फिल्म ही नहीं, बल्कि एक ऐसा सच है जिसे हिन्दुस्थान ने झेला है।

कश्मीरी हिन्दुओं के दर्द पर बनी फिल्म 'द कश्मीर फाइल्स' पर आज देश भर में चर्चा हो रही है। फिल्म के निर्देशक विवेक अग्निहोत्री से एक पत्रकार ने पूछा कि वह अगली फिल्म किस मुद्दे पर बनाने की सोच रहे हैं तो उनका जवाब था कि उनकी अगली फिल्म दिल्ली दंगों पर होगी। यानी अब नैरेटिव रिवर्सल का दौर शुरू हो चुका है। अब अति संवेदनशील कहे जाते रहे मुद्दों को भी छूने का साहस बॉलीवुड में आने लगा है। ऐसी साहसिक फिल्मों पर तर्क-वितर्क होने लगे हैं। राजनीति से लेकर सामाजिक रूपरेखा पर सवाल उठने लगे हैं और यह जरूरी भी है और समय की मांग भी। अब ये सवाल जरूर पूछे जाने चाहिए कि हमारी सरकार के सामने कश्मीर में (या कहीं पर भी) ऐसी क्या मजबूरी होती है जिसकी वजह से आरा मशीन में लकड़ी की तरह एक महिला को टांगों के बीच से चीर देने का अधिकार दे दिया जाता है ? ऐसा कौन-सा इंकलाब होता है जिसमें ऐलान करके बहू-बेटियों के साथ सामूहिक दुष्कर्म होता है। उनकी नृशंस हत्या होती है या फिर ऐसी कौन-सी मजबूरी होती है जिसकी वजह से आतंक से लाल होती धरती को देखकर भी दिल्ली दरबार को आंखें मूंद लेने के लिए मजबूर होना पड़ता है ?

अंग्रेजी नहीं, हिन्दी हो सम्पर्क भाषा

- ललित गर्ग-

केन्द्रीय गृहमंत्री अमित शाह ने सशक्त भारत-निर्माण के लिए भारतीय भाषाओं के प्रयोग की प्रासंगिकता व्यक्त करते हुए कहा कि जब अलग-अलग भाषाएं बोलने वाले राज्यों के लोग आपस में बातचीत करें तो उन्हें अंग्रेजी के बजाय हिन्दी को या देश की ही किसी अन्य भाषा को इसका माध्यम बनाना चाहिए।' निश्चित ही बातचीत एवं व्यवहार की भाषा के रूप में हिन्दी या अन्य भारतीय भाषाओं का प्रयोग करने से राष्ट्रीय विकास के नए क्षितिज खुलेंगे, नवाचार के नए-नए आयाम उभरेंगे। भारतीय भाषाओं में बातचीत, व्यवहार, चिंतन एवं शिक्षण से सृजनात्मक एवं स्व-पहचान की दिशाएं उद्घाटित होगी। वास्तव में स्व-भाषाएं विचारों, विचारधाराओं, कल्पनाओं और अपने व्यापक सामाजिक-राष्ट्रीय दर्शन की स्पष्टता का माध्यम बनती हैं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व वाली सरकार द्वारा नई राष्ट्रीय शिक्षा नीति घोषित करते हुए मातृभाषा एवं क्षेत्रिय भाषाओं को प्रतिष्ठापित करने का अनूठा उपक्रम किया जा रहा है। इसको लेकर देश में मातृभाषा एवं क्षेत्रीय भाषाओं को प्रोत्साहन देने एवं इन्हीं भाषाओं में उच्च शिक्षा दिये जाने एवं राजकाज में उनका उपयोग किये जाने की स्थितियां निर्मित होने लगी है, जो एक शुभ-संकेत है, आजादी का अमृत महोत्सव मनाते हुए स्वभाषा का सम्मान का अनूठा उपक्रम है। अब हिन्दी को राजभाषा ही नहीं बल्कि राष्ट्रभाषा के रूप में प्रतिष्ठापित किये जाने की अपेक्षा है।

हिंदी भारत संघ की राजभाषा होने के साथ ही ग्यारह राज्यों और तीन संघ शासित क्षेत्रों की भी प्रमुख राजभाषा है। राजभाषा का शाब्दिक अर्थ होता है राजकाज की भाषा। अत: वह भाषा जो देश के राजकीय कार्यों के लिए प्रयोग की जाती है राजभाषा कहलाती है। राजभाषा किसी देश या राज्य की मुख्य आधिकारिक भाषा होती है जो समस्त राजकीय तथा प्रशासनिक कार्यों के लिए प्रयुक्त होती है। राजाओं और नवाबों के ज़माने में इसे दरबारी भाषा भी कहा जाता था। हिंदी के विकास के लिए राजभाषा विभाग का गठन किया गया है। भारत सरकार का राजभाषा विभाग इस दिशा में प्रयासरत है कि केंद्र सरकार के अधीन कार्यालयों में अधिक से अधिक कार्य हिंदी में हो, लेकिन विडम्बना है कि आज भी अधिकांश सरकारी कार्य अंग्रेजी में ही होते हैं एवं न्यायालयों में तो अंग्रेजी का ही वर्चस्व कायम है।

एक भाषा के रूप में हिंदी न सिर्फ भारत की पहचान है बल्कि यह हमारे जीवन मूल्यों, संस्कृति एवं संस्कारों की सच्ची संवाहक, संप्रेषक और परिचायक भी है। बहुत सरल, सहज और सुगम भाषा होने के साथ हिंदी विश्व की संभवत: तीसरी सर्वाधिक प्रयोग में आने वाली सबसे सशक्त वैज्ञानिक भाषा है। जो हमारे पारम्परिक ज्ञान, प्राचीन सभ्यता और आधुनिक प्रगति के बीच एक सेतु भी है। हिंदी को बहुत से लोग राष्ट्रभाषा के रूप में देखते हैं। राष्ट्रभाषा से अभिप्राय है किसी राष्ट्र की सर्वमान्य भाषा। क्या हिंदी भारत की राष्ट्रभाषा है ? यद्यपि हिंदी का

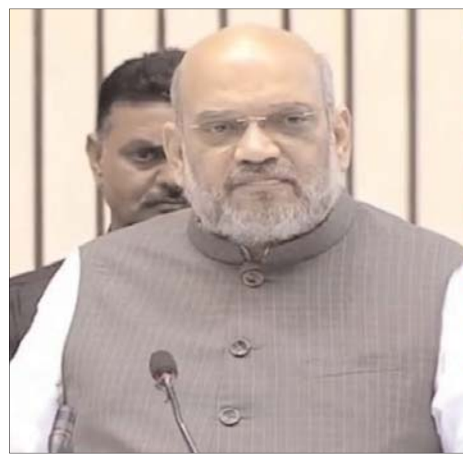

व्यवहार संपूर्ण भारतवर्ष में होता है, लेकिन हिंदी भाषा को भारतीय संविधान में राष्ट्रभाषा नहीं कहा गया है। चूँकि भारतवर्ष सांस्कृतिक, भौगोलिक और भाषाई दृष्टि से विविधताओं का देश है। इस राष्ट्र में किसी एक भाषा का बहुमत से सर्वमान्य होना निश्चित नहीं है इसलिए भारतीय संविधान में देश की चुनिंदा भाषाओं को संविधान की आठवीं अनुसूची में रखा है। शुरु में इनकी संख्या 16 थी, जो आज बढ़ कर 22 हो गई हैं। ये सब भाषाएँ भारत की अधिकृत भाषाएँ हैं, जिनमें भारत देश की सरकारों का काम होता है। भारतीय मुद्रा नोट पर 16 भाषाओं में नोट का मूल्य अंकित रहता है और भारत सरकार इन सभी भाषाओं के विकास के लिए संविधान अनुसार प्रतिबद्ध है।

वर्तमान समय में हिन्दी एवं मातृभाषाओं का महत्व एवं उपयोग अधिक प्रासंगिक हुआ है। क्योंकि सर्वतोमुखी योग्यता की अभिवृद्धि एवं स्व-पहचान के बिना युग के साथ चलना और अपने आपको टिकाए रखना अत्यंत कठिन होता है। नई शिक्षा नीति ने इस बात को गंभीरता से स्वीकारा है, निश्चित ही यह भारत को एक ज्ञानमय समाज में रूपांतरित करने वाली सफल योजना साबित होगी। हमारे पास आज दुनिया तक पहुंचने का शानदार सु-अवसर है जो अब से पहले शायद कभी नहीं था। हमारे पास आज ऐसा नेतृत्व है, जो इन तमाम बदलावों को साकार करने के लिए दृढ़ प्रतिज्ञ है। हमें सिर्फ सकारात्मक प्रयासों के साथ सही दिशा में बढ़ने एवं मातृभाषा एवं स्वभाषा में शिक्षण को प्राथमिकता देने की आवश्यकता है। हमारा देश दुनिया का सबसे युवा देश है। अपनी इस युवा जनशक्ति का सदुपयोग कर हम महाशक्ति बनने की दिशा में सार्थक हस्तक्षेप कर सकते हैं। अपने युवाओं को नये कौशलों और नये ज्ञान से लैस कर दुनिया में परचम लहरा सकते हैं। जिसमें स्वभाषा, स्व-संस्कृति एवं स्व-पहचान की सार्थक भूमिका है।

भारत सुपर पावर बनने के अपने सपने को साकार कर सकता है। इस महान उद्देश्य को पाने की दिशा में विज्ञान, तकनीक और अकादमिक क्षेत्रों में नवाचार और अनुसंधान करने के अभियान को तीव्रता प्रदान करने के साथ मातृभाषाओं एवं हिन्दी में शिक्षण एवं राजकाज में उपयोग को प्राथमिकता देना होगा। हिन्दी एवं मातृभाषाओं के प्रति प्रतिबद्धता के साथ नए भारत के निर्माण का आधार प्रस्तुत करना होगा, इससे नव-सृजन और नवाचारों के जरिए समाज एवं राष्ट्र में नए प्रतिमान उभरेंगें।

हिन्दी एवं मातृभाषाएं सम्पूर्ण देश में सांस्कृतिक और भावात्मक एकता स्थापित करने का प्रमुख साधन है। भारत का परिपक्व लोकतंत्र, प्राचीन सभ्यता, समृद्ध संस्कृति तथा अनूठा संविधान विश्व भर में एक उच्च स्थान रखता है, उसी तरह भारत की गरिमा एवं गौरव की प्रतीक हिन्दी एवं मातृभाषाओं को हर कीमत पर विकसित करना हमारी प्राथमिकता होनी ही चाहिए। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के शासन में हिन्दी सहित अन्य क्षेत्रीय भाषाओं को सरकारी कामकाज, स्कूलों, कॉलेजों, तकनीकी शिक्षा में प्रतिष्ठा मिलनी चाहिए, इस दिशा में वर्तमान सरकार के प्रयास उल्लेखनीय एवं सराहनीय है, लेकिन उनमें तीव्र गति दिये जाने की अपेक्षा है। क्योंकि इस दृष्टि से महात्मा गांधी की अन्तर्वेदना को समझना होगा, जिसमें उन्होंने कहा था कि भाषा संबंधी आवश्यक परिवर्तन अर्थात हिन्दी को लागू करने में एक दिन का विलम्ब भी सांस्कृतिक हानि है। मेरा तर्क है कि जिस प्रकार हमने अंग्रेज लुटेरों के राजनैतिक शासन को सफलतापूर्वक समाप्त कर दिया, उसी प्रकार सांस्कृतिक लुटेरे रूपी अंग्रेजी को भी तत्काल निर्वासित करें।' लगभग पचहतर वर्षों के आजाद भारत में भी पूर्व सरकारों की उपेक्षापूर्ण नीतियों के कारण हिन्दी एवं क्षेत्रीय भाषाओं को उनका गरिमापूर्ण स्थान न दिला सके, यह विडम्बनापूर्ण एवं हमारी राष्ट्रीयता पर एक गंभीर प्रश्नचिन्ह है।

निज भाषा उन्नति अहै, सब उन्नति को मूल।
बिन निज भाषा ज्ञान के, मिटे न हिय को शूल।

प्रसिद्ध साहित्यकार भारतेन्दु हरिश्चंद्र की ये पंक्तियां निश्चित रूप से यह बोध कराने के लिए पर्याप्त हैं कि अपनी भाषा के माध्यम से हम किसी भी समस्या का समाधान खोज सकते हैं। निज भाषा देश की उन्नति का मूल होता है। निज भाषा को नकारना अपनी संस्कृति को विस्मरण करना है। जिसे अपनी भाषा पर गौरव का बोध नहीं होता, वह निश्चित ही अपनी जड़ों से कट जाता है और जो जड़ों से कट गया उसका अंत हो जाता है।

शिक्षा एवं सरकारी कामकाज में हिन्दी एवं अन्य क्षेत्रीय भाषाओं की घोर उपेक्षा होती रही है, इन त्रासद एवं विडम्बनापूर्ण स्थिति को नरेन्द्र मोदी सरकार कुछ ठोस संकल्पों एवं अनूठे प्रयोगों से दूर करने के लिये प्रतिबद्ध है, उनको मूल्यवान अधिमान दिया जा रहा है। ऐसा होना हमारी सांस्कृतिक परतंत्रता से मुक्ति का एक नया इतिहास होगा। अमित शाह के आह्वान पर हम हिन्दी को राजकाज, व्यवहार एवं प्रयोग की भाषा बनाये, तभी दुनिया में प्रतिष्ठा प्राप्त कर रही हिन्दी अपने देश में भी गौरवान्वित हो पायेगी।

अनुभव का तकाज़ा, अनुभव हमारे जीवन की सीख़

अनुभव की ताकत में समस्याओं के समाधान के लिए सरल उपाय होते हैं - अनुभव हमारे जीवन की सीख़ है

अनुभव हमारे जीवन का अनमोल खजाना जिसे परिस्थितियों में ढलकर बहुमूल्य सीख़ के रूप में पाया है - ज्ञान से अनुभव की ताकत अधिक - एड किशन भावनानी

गोंदिया - मानवीय जीवन में प्रत्येक मनुष्य में अनुभव की ऐसी अनेक विशेषताएं पाई जाती है जिसके बल पर समाज राष्ट्र में उनका आंकलन सकारात्मक और नकारात्मक रूप से किया जाता है। मसलन, कोई मनुष्य इमानदार, महत्वकांक्षी, परोपकारी, सेवाभावी, अनुभवी इत्यादि सैकड़ों सकारात्मक विशेषताएं हो सकती है और अपराधी, गुस्सैल, चिड़चिड़ा, बेईमान, चोर उचक्का, लफंगा इत्यादि सैकड़ों नकारात्मक विशेषताएं हो सकती है जिसके आधार पर समाज और राष्ट्र में उन व्यक्तियों के चरित्र का आंकलन कर उसे आगे बढ़ाया जाता है उसके आधार पर उसके भविष्य की सफ़लता, असफलता निश्चित होने में सहायक होती हैं। आज के आर्टिकल में हम इस एक बहुत बड़ी मानुषी ताकत अनुभव पर चर्चा करेंगे।

साथियों बात अगर हम अनुभव की करें तो यह किसी समाज़, शिक्षण संस्था या बाजारों में मिलने या सीखने वाला गुण नहीं है बल्कि हर व्यक्ति का उसके जीवन यात्रा याने उम्र के बढ़ते चरण में आई परिस्थितियों में ढलकर, बहुमूल्य सीख के रूप में प्राप्त होता है!!! यह जीवन की कमाई और अनमोल ख़जाने में से एक है क्योंकि यह हर व्यक्ति के पास होता है चाहे वह अमीर हो या गरीब, पढ़ा लिखा हो या अनपढ़, बस जरूरत है अपने इस अनुभव के गुणों को पहचानने की!!!

साथियों बात अगर हम अनुभव पर बड़े बुजुर्गों की कहावतों की करें तो हमने सुने होंगे,, यह बाल कोई धूप में सफेद नहीं किया, बड़ा तजुर्बेगार है, तजुर्बे का धनी है, अनपढ़ है पर तजुर्बेगार है, कितने साल का तजुर्बा है, अनुभव का तकाज़ा है, अनुमान गलत हो सकता है पर अनुभव नहीं,अनुभव का बादशाह है इत्यादि इत्यादि!!!

साथियों बात अगर हम अनुभव की महत्वता की करें तो अनुभव मानवीय जीवन से जुड़ा एक अनमोल ख़जाना है इसी के बल पर मनुष्य बड़ी शोहरत प्राप्त करता है शासकीय, प्रशासकीय, निजी, बहुत बड़े-बड़े पदों पर नीतियां, रणनीतियां बनाने अनुभव के आधार पर ही प्रमोशन, नियुक्तियां होती है। केंद्र या राज्य सरकारों में मंत्रियों की नियुक्ति का एक महत्वपूर्ण आधार अनुभव भी होता है जिसका लाभ सिस्टम और जनता तक पहुंचाने के लिए उस प्रॉपर व्यक्ति की नियुक्ति उस मंत्रालय के हेड के रूप में की जाती है!!! यानें हम कह सकते हैं कि अनुभव एक ऐसी चाबी है जिससे अति पुरानें और बिगड़े ताले को खोलने याने समस्याओं के समाधान के लिए सरल उपाय होता है जो बहुमूल्य अस्त्र का काम करता हैं!!!

साथियों बात अगर हम दिनांक 31 मार्च 2022 को माननीय पीएम द्वारा राज्यसभा में सेवानिवृत्त होने वाले 72 सदस्यों को विदाई समारोह में संबोधन की करें, तो पीआईबी के अनुसार अनुभव के बारे में उन्होंने कहा कि, एकेडमिक ज्ञान की कभी-कभी बहुत सीमाएं होती हैं, वो सेमिनार में काम आता है लेकिन अनुभव से जो प्राप्त हुआ होता है उसमें समस्याओं के समाधान के लिए सरल उपाय होते हैं। उसमें नयापन के लिए अनुभव का मिश्रण होने के कारण गलतियां कम से कम होती हैं। और इस अर्थ में अनुभव का अपना एक बहुत बड़ा महत्व होता है। और जब ऐसे अनुभवी साथी सदन से जाते हैं तो बहुत बड़ी कमी सदन को होती है, राष्ट्र को होती है।

रामनवमी आपको आपके राम की याद दिलाती है : आनंदश्री

एक राम दशरथ का बेटा, एक राम घट घट में लेटा, एक राम है जगत पसारा, एक राम है जगत से न्यारा...

राम हर एक की चैतन्य शक्ति का रूप है। हर एक मे जीवात्मा के रूप में यह परमात्मा बह रहा है। कुछ जान जाते है कुछ अनजान ही रह जाते है ।

राम नवमी यह भी याद दिलाने आती है कि आपके अंदर के अयोध्या में राम आये हैं या नही। वह पहले से ही विराजमान है। हम हो कभी वंहा झांक कर नही देखते। हमारी चेतना शक्ति को न जाने कितने ही रावण ने माया के रूप ने हमसे छीनने का प्रयास किया है।

- अपने राम को जानो, उसके साथ कंनेक्टेड रहो

राम को जानना, उसके साथ कंनेक्टेड रहना जरूरी है। इसलिए भारत मे सबसे अधिक नाम लोगो के नाम मे राम शब्द का प्रयोग किया गया है। यह भी रिमाइंडर है। राम की चैतन्य शक्ति से आत्मसाक्षात्कार हो कर, उससे हमेशा संपर्क में रहे।

- आज के समय मे तो और भी जरूरी है

आज त्योहार का मौका में अपने राम की खोज कर उसे हमेशा के लिए अयोध्या में विराजमान कीजिये। आज कलियुग में, कोरोना के समय तो यह और भी जरूरी हो जाता है।

- जब मन में हो राम, तब ही शरीर को आ-राम ।

जब इंसान अपने ही राम से दूर होता है, तब वह शापित जीवन जीने लगता है। आराम से वह जा-राम अनुभव में आता है। मन में जब अहंकार आता है तब रावण को शरीर के अयोध्या का राजा रावण बन जाता है।

मुफ्त की राजनीति से लगेगी लंका, भारत के ये बड़े राज्य बन जाएंगे मिनी श्रीलंका?

अभिनय आकाश

पीएम मोदी के साथ मीटिंग के दौरान उन राज्यों को लेकर भी चर्चा हुई जहां ऐसी स्थिति है। पंजाब, दिल्ली, तेलंगाना, आंध्र प्रदेश और पश्चिम बंगाल जैसे राज्यों की लोकलुभावन घोषणाओं की वजह से इनकी वित्तीय हालत खराब हो गई। इसी तरह छत्तीसगढ़ और राजस्थान जैसे राज्यों ने पुरानी पेंशन स्कीम बहाल करने की घोषणा की।

1987 में आई फिल्म प्रतिघात का जो गाना आज अचानक हमपे जो हैं मेहरबानज इनसे पूछो ये आज तक थे कहां आज 21वीं सदी में भी एकदम फिट बैठता है। सत्ता बदले या सरकार, मुद्दे बदले या विचार, चुनाव आयोग का नजरिया बदले या मीडिया के चुनाव कवरेज का तरीका , अगर नही बदला है तो सिर्फ़ मतदाताओ को उलझा कर उनको विकास के सपने दिखाकर, रोजगार के नये अवसरो को पैदा करने का आश्वासन देकर, मुफ़्त का राशन, पानी, बिजली देने का झांसा देकर अपनी अपनी राजनीतिक रोटियों को सेंक सत्ता का भोग करना! कोई कहता है कि 200 यूनिट बिजली मुफ्त देंगे, तो दूसरा कहता है भईया हम तो 300 यूनिट बिजली फ्री देंगे। एक ने कहा हम मुफ्त में पानी देंगे। तो दूसरे ने कहां कि हम मुफ्त पानी के साथ कैशबैक भी देंगे। स्कूटी से साइकिल तक मोबाइल से लैपटॉप तक सब मुफ्त देने का वादा करते राजनेताओं को आपने कई बार सुना होगा। आज भी नेता वोटर को मुफ्तखोरी का मरीज समझते हैं। जब मुफ्त बिजली, मुफ्त पानी, रोजगार देने की जगह बेरोजगारी भत्ता, गरीबी भत्ता देने का ऐलान करके वोट बटोरने की चाह का खामियाजा आने वाले समय में देश को श्रीलंका जैसे हालात की कगार पर पहुंचा सकता है। मुफ्तवादी राजनीति के इसी संयोग और प्रयोग को आज इस रिपोर्ट के माध्यम से समझेंगे और साथ ही बताएंगे की भारत के ये राज्य कैसे मिनी श्रीलंका बनने की दिशा में कदम बढ़ा रहे हैं।

श्रीलंका के हालात से तो आप सभी रूबरू होंगे। लेकिन इस वक्त हम भारत को लेकर इस तरह की बातें क्यों कर रहे हैं। इसके लिए एक मीटिंग का जिक्र करना बेहद जरूरी है। दरअसल, पीएम मोदी ने अपने शीर्ष नौकरशाहों के साथ बीते दिनों एक मीटिंग की। यहां से ये मुद्दा निकलकर आया कि देश में या कुछ राज्यों में ऐसा क्या कुछ हो रहा है जो हमें श्रीलंका की तरफ ले जाने के रास्ते पर है।

इसका जिक्र इसलिए क्योंकि पीएम मोदी ने जब देश के विभिन्न विभागों के सचिव को बुलाया तो उनसे पूछा गया कि बताइए हम देश के लिए क्या बेहतर कर सकते हैं। हम किसी गति से आगे विकास कर रहे हैं। किन विभागों में कैसा काम हो रहा है, कौन सा राज्य क्या काम कर रहा है। उनसे सुझाव मांगे गए। जब इन्हीं बातों पर चर्चा हो रही थी तो ये बातें निकली की देश में कई राज्य ऐसे हैं जो आर्थिक तौर पर कमजोर हैं। आर्थिक तौर पर कमजोर का मतलब कि उनकी स्थिति आर्थिक तौर पर बहुत ज्यादा ठीक नहीं हैं। लेकिन आर्थिक स्थिति ठीक नहीं होने के बावजूद मुफ्त की सियासत करने की वजह से तो ये आर्थिक तौर पर और भी ज्यादा नीचे ले जाएगा, नुकसान पहुंचाएगा। अलग-अलग विभागों के सचिव ने विधानसभा चुनावों के दौरान राजनीतिक दलों द्वारा घोषित लोकलुभावन योजनाओं और मुफ्त उपहारों को लेकर अपनी चिंता जाहिर की है।

इसमें कहा गया कि कुछ राज्य में इस प्रवृत्ति पर नियंत्रण नहीं किया गया तो ऐसे में वे नकदी-खाद्य संकट जैसी स्थिति में श्रीलंका और ग्रीस के रास्ते पर भी जा सकते हैं। पीएम नरेंद्र मोदी के साथ लगभग चार घंटे की बैठक के दौरान कुछ सचिवों ने कहा कि कई राज्यों में घोषणाएं और योजनाएं आर्थिक रूप से अस्थिर हैं और उन्हें राजनीतिक जरूरतों के साथ संतुलित निर्णय लेने के लिए राजी करने की आवश्यकता है।

किन राज्यों पर ज्यादा कर्ज

2019 में श्रीलंका में चुनाव होते हैं। चुनावों के दौरान वहां के लोगों से ये वादा किया जाता है कि जितने भी नागरिक टैक्स भरते हैं वो आधा कर दिया जाएगा। इससे विदेशी मुद्रा भंडार खाली हो गया। जिसकी वजह से डीजल खरीदना मुश्किल हो गया। अब सारे काम ठप्प हो गया। पीएम मोदी के साथ मीटिंग के दौरान उन राज्यों को लेकर भी चर्चा हुई जहां ऐसी स्थिति है। पंजाब, दिल्ली, तेलंगाना, आंध्र प्रदेश और पश्चिम बंगाल जैसे राज्यों की लोकलुभावन घोषणाओं की वजह से इनकी वित्तीय हालत खराब हो गई। इसी तरह छत्तीसगढ़ और राजस्थान जैसे राज्यों ने पुरानी पेंशन स्कीम बहाल करने की घोषणा की। वहीं कई राज्य मुफ्त बिजली दे रहे हैं जो सरकारी खजाने पर बोझ बढ़ा रहे हैं और जो आने वाले दिनों में उस कगार पर जा सकते हैं जिस कगार पर इस वक्त श्रीलंका है।

संबंधित बजट अनुमानों के अनुसार वित्त वर्ष 2022 में उच्चतम ऋण जीएसडीपी अनुपात वाले राज्य पंजाब (53.3त्न), राजस्थान (39.8त्न), पश्चिम बंगाल (38.8त्न), केरल (38.3त्न) और आंध्र प्रदेश (37.6त्न) हैं। इन सभी राज्यों को केंद्र से राजस्व घाटा अनुदान प्राप्त होता है।

किस राज्य पर कितना कर्ज

इन सभी राज्यों को केंद्र से राजस्व घाटा अनुदान प्राप्त होता है। वास्तव में, 31 राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों में से सत्ताईस ने वित्त वर्ष 2021 में अपने ऋण अनुपात में 0.5 से 7.2 प्रतिशत अंक की वृद्धि देखी, क्योंकि राज्यों ने महामारी के लिए अधिक उधार लिया। पंजाब का जितना जीडीपी है उसका करीब 53.3 प्रतिशत हिस्सा कर्ज है। इसी तरह राजस्थान का अनुपात 39.8 प्रतिशत, पश्चिम बंगाल का 38.8 प्रतिशत, केरल का 38.3 प्रतिशत और आंध्र प्रदेश का कर्ज जीएसडीपी अनुपात 37.6 प्रतिशत है। इन सभी राज्यों को राजस्व घाटा का अनुदान केंद्र सरकार से मिलता है। महाराष्ट्र और गुजरात जैसे आर्थिक रूप से मजबूत राज्यों पर भी कर्ज का बोझ कम नहीं है।

गुजरात का कर्ज-जीएसडीपी अनुपात 23 फीसदी तो महाराष्ट्र का 20 फीसदी है।

राज्यों का कर्ज-जीडीपी अनुपात 2022-23 के लक्ष्य से कहीं अधिक रहने का अनुमान

रिजर्व बैंक के सालाना प्रकाशन 'राज्य वित्त-2021-22 के बजट का एक अध्ययन' में यह भी कहा गया है कि चूंकि कोविड-19 महामारी की दूसरी लहर का प्रभाव अब काफी हद तक समाप्त हो गया है, ऐसे में राज्य सरकारों को कर्ज स्थिरता संबंधी चिंताओं को दूर करने के लिए विश्वसनीय कदम उठाने की आवश्यकता है।

इसमें कहा गया है, ''राज्यों का संयुक्त रूप से कर्ज-जीडीपी अनुपात मार्च, 2021 में 31 प्रतिशत था और मार्च, 2022 के अंत तक इसके इसी स्तर पर बने रहने की आशंका है।

क्रोध, कायरता की निशानी!

क्रोध एक श्राप है,
इसमें पतन का वास है,
क्रोध पर हो पूर्ण रूप से वश,
शीतलता और प्रेम को भर दो मन में,
शांति से बिताए हर एक दिवस!

क्रोध स्वयं को जलाता,
मूर्खता का प्रमाण कहलाता,
ज्ञान को समाप्त कर देता,
जिसने इसे वश में कर लिया,
वही कहलाए असली विजेता!

यह मनुष्य को शक्तिविहीन करता,
डर की वजह से मनुष्य अक्सर लड़ता,
क्रोध है, मूर्खता की निशानी,
प्रेम से ही हर जीत हासिल हो जाए,
इस बात को समझे, व्यक्ति बुद्धिमानी!

क्रोध है एक प्रकार का क्षणिक पागलपन,
इसके करने से हो जाता है चिंतित मन,
चलिए आज से, इस जहर को अपने मन से निकाले,
इस बड़ी सी दुनिया में,
कम से कम खुद को तो संभाले!

करे क्रोध पर नियंत्रण,
चाहे कुछ भी हो जाए उस क्षण,
ले ले आज से यह एक प्रण,
क्रोध की अग्नि में और ना जले,
दृढ़ता से लेते हैं यह वचन!!

शार्ट न्यूज

बांध में डूबने से दो बच्चों की मौत

झांसी। उत्तर प्रदेश में झांसी के मऊरानीपुर थानाक्षेत्र में शनिवार को धसान नदी पर बने बांध में नहाने गये दो बच्चों की डूबने से मौत हो गयी ।पुलिस ने बताया कि शिवम (13) पुत्र बल्लू निवासी मऊरानीपुर और रितिक (10) पुत्र रघुनाथ निवासी थाना ककरबई की धसान नदी पर बने बांध में डूब गये। शिवम, रितिक और एक और बच्चा आज सुबह बांध पर नहाने के लिए गये थे। नहाने के दौरान शिवम और रितिक गहरे पानी में उतर गये और डूबने लगे यह देख तीसरे बच्चे ने शोर मचाया और घर जाकर परिजनों और बाकी लोगों को इसकी सूचना दी। सूचना मिलने के बाद लोगों ने पुलिस को इसकी जानकारी दी और पुलिस के मौके पर पहुंचने से पहले दोनों बच्चे डूब गये थे। पुलिस गोताखोरों और स्थानीय लोगों की मदद से शवों की तलाश कर रही है। इस दौरान पुलिस बांध का पानी कम कराकर भी शवों को ढूंढ़ने का प्रयास में जुटी है।

परीक्षा केन्द्र में अचानक पहुंच गईं मंत्री गुलाबो देवी, ऊपर नजर उठाई तो लगा दी डीआईओएस को फटकार

बदायूं। माध्यमिक शिक्षा मंत्री गुलाबो देवी शनिवार के लिए जनपद में बोर्ड परीक्षा का जायजा लेने पहुंची। उन्हें कुछ केंद्रों पर अवस्थाएं मिली उनके सुधार के निर्देश दिए हैं।माध्यमिक शिक्षा मंत्री गुलाबो देवी ने प्रथम पाली में हाईस्कूल के सामाजिक विज्ञान, इंटरमीडिएट के व्यववसिक शिक्षा विषय की परीक्षा का निरीक्षण किया। माध्यमिक शिक्षा मंत्री लाला गनेशी लाल उच्चतर माध्यमिक विद्यालय ओरछी, रामवती देवी इंटर कॉलेज फैजगंज बेहटा, नारायण भट्ट इंटर कॉलेज मुड़िया धुरेकी, मदन लाल इंटर कॉलेज बिसौली, राजकीय कन्या इंटर कॉलेज बिसौली, सरस्वती विद्या मंदिर इंटर कॉलेज बिसौली का जायजा लेने पहुँची थी। माध्यमिक शिक्षा मंत्री ने सभी परीक्षा केंद्रों पर सीसीटीवी कैमरे देखने के साथ ही केंद्र पर तैनात व्यवस्थापक एवं स्टैटिक मजिस्ट्रेट चेक किए। निरीक्षण में मंत्री के लिए नारायण भट्ट इंटर कॉलेज में पंखे बंद मिले। जिस पर मंत्री ने नाराजगी व्यक्त की। मंत्री ने डीआईओएस को तत्काल पंखे चालू कराने के निर्देश दिए। मंत्री ने जनपद में पूर्व में अंग्रेजी के ओल्ड विषय के पेपर पैकेट खुले ने होने के बारे में भी जानकारी हासिल की। इसके साथ ही बिसौली में पकड़े गए जो फर्जी परीक्षार्थियों को लेकर भी नाराजगी जताई। उन्होंने कहा कि परीक्षा में गड़बड़ी मिलना अधिकारियों की लापरवाही दर्शाता है। संयुक्त शिक्षा निदेशक बरेली अजय कुमार के अलावा स्थानीय अधिकारी मौजूद थे।

सुलतानपुर में अवैध मेडिकल स्टोरों पर छापेमारी, तीन के खिलाफ एफआईआर

सुलतानपुर। सुलतानपुर में क्षेत्र में अवैध संचालित मेडिकल स्टोर व क्लीनिक खिलाफ औषधि विभाग की टीम ने छापेमारी की। मेडिकल स्टोर पर मिले सैंपल को जांच के लिए प्रयोगशाला को भेजा गया। विकास खण्ड अन्तर्गत क्षेत्र के गांव व कस्बों में अवैध संचालित मेडिकल स्टोरों व क्लीनिक की शिकायत सीएम पोर्टल पर होने पर जिलाधिकारी के निर्देश पर औषधि निरीक्षक की टीम ने भदैया सीएचसी के पास संचालित मेडिकल स्टोर छापेमारी की। निरीक्षण टीम को देखकर कुछ दवा विक्रेता दुकान को बंद कर फरार हो गये। कई घण्टे इन्तजार के बाद दुकानदारों के वापस न लौटने पर देहात कोतवाली पहुंची। औषधि निरीक्षक ने तीन दुकानों के नाम थाने में एफआईआर दर्ज कराकर दुकान से संबंधित अभिलेख विभाग को प्रेषित करने तक दुकानों को बंद कराने का निर्देश पुलिस को दिया है। औषधि निरीक्षक अनीता कुरील ने बताया कि क्षेत्र में अवैध रूप से चल रहे क्लीनिक व मेडिकल स्टोर पर लगातार छापेमारी की जाएगी।

बस्ती में मतदाताओं को पैसा बांटने वाले सपा के तीन कार्यकर्ता गिरफ्तार

बस्ती। उत्तर प्रदेश में विधान परिषद के स्थानीय प्राधिकारी निर्वाचन के दौरान बस्ती जिले में शनिवार को मतदान के समय पुलिस ने समाजवादी पार्टी (सपा) के तीन कार्यकर्ताओं को वोटरों को पैसा बांटते हुए गिरफ्तार किया है। बस्ती पुलिस की ओर से जारी बयान में बताया गया है कि जिले के लालगंज थाने की पुलिस ने चुनाव में बस्ती-सिद्धार्थनगर सीट से सपा के प्रत्याशी संतोष यादव सनी के पक्ष में वोट देने के मामले में पैसा बांटने वाले तीन सपा कार्यकर्ताओं जमुना प्रसाद उर्फ विजयपाल, जामवंत तथा अब्दुल कलाम को गिरफ्तार किया गया है। पुलिस ने पकड़े गये तीनों व्यक्तियों के विरुद्ध मुकदमा दर्ज करके जेल भेज दिया है। गौरतलब है कि बस्ती-सिद्धार्थनगर सीट सहित विधान परिषद की 27 सीटों पर शनिवार को सुबह आठ बजे से सायं चार बजे तक मतदान हुआ।

बागपत में दूसरों के स्थान पर परीक्षा देते पकड़े गए दो 'मुन्नाभाई'

बागपत। उत्तर प्रदेश के बागपत जनपद में बोर्ड परीक्षा के दौरान शनिवार को दो लोगों को किसी दूसरे परीचार्थी की परीक्षा देते पकड़ा गया। प्राप्त जानकारी के मुताबिक प्रथम पाली में हाईस्कूल की सामाजिक विज्ञान विषय की परीक्षा हो रही थी। बड़ौत स्थित जनता वैदिक इण्टर कॉलेज के केन्द्र व्यवस्थापक ने बताया कि इस केन्द्र पर परीक्षार्थियों की चैकिंग के दौरान कक्ष संख्या 04 में परीक्षार्थी अर्पित तोमर पुत्र बिजेन्द्र सिंह के स्थान पर दूसरा फर्जी व्यक्ति सचिन कुमार पुत्र विनोद, निवासी गांगनौली, थाना दोघट परीचा देते पकड़ा गया। इसी समय परीक्षा केन्द्र के कक्ष संख्या 08 में परीक्षार्थी मुगांधर चौधरी पुत्र सन्दीप चौधरी के स्थान पर अंकित कुमार पुत्र पवन कुमार, निवासी गांगनौली, थाना दोघट परीक्षा देते हुए पकड़े गये। केन्द्र व्यवस्थापक ने बताया कि उक्त दोनों फर्जी परीक्षार्थियों को प्रभारी निरीक्षक, थाना बडौत को सुपुर्द करते हुए आवश्यक कानूनी कार्रवाई की जा रही है।

लव जिहाद के कथित मामले में महोबा की युवती ने की खुदकुशी

महोबा। उत्तर प्रदेश में महोबा जिले के चरखारी क्षेत्र में कथित लव जिहाद के एक मामले में युवती की आत्महत्या का प्रकरण प्रकाश में आने से प्रशासन में हड़कम्प मच गया है। जिले के अपर पुलिस अधीक्षक आर के गौतम ने शनिवार को बताया कि वासुदेव मुहाल की निवासी 22 वर्षीय युवती के स्थानीय युवक सलमान के साथ प्रेम संबंध थे। युवती के परिजनों ने युवक पर पीड़िता को प्रेमजाल में फंसा कर काफी समय से शारीरिक व मानसिक शोषण करने का आरोप लगाया है। उनका कहना है कि युवती द्वारा जब भी उससे शादी के लिए दबाव बनाया जाता था तो युवक तमाम प्रकार के बहाने कर टाल देता था। आरोप है कि युवक के धोखा देने से आहत होकर युवती ने अपने घर मे ही फांसी के फंदे पर झूल कर आत्महत्या कर ली। शनिवार को सुबह युवती का शव देख कर परिजनों में कोहराम मच गया। अपर पुलिस अधीक्षक ने बताया कि घटना की सूचना मिलने पर पुलिस ने मौके पर पहुंच कर युवती के शव को पोस्टमार्टम के लिए पहुंचाया। घटना स्थल पर की गई छानबीन में पुलिस ने सुसाइड नोट बरामद किया है। सुसाइड नोट में युवती ने अपनी मौत के लिए सलमान को जिम्मेदार ठहराते हुए उसे कड़ा दंड दिए जाने की मांग की है। मामले में तत्काल कार्यवाही अमल में लाते हुए पुलिस ने भैरो गंज निवासी आरोपी सलमान को गिरफ्तार कर लिया है।

आसाराम केस : जानलेवा धमकी मिलने के बाद बढ़ाई गई दुष्कर्म पीड़ित के परिवार की निगरानी

शाहजहांपुर। गोंडा में आसाराम के आश्रम में मिली महिला की लाश के बाद शाहजहांपुर की दुष्कर्म पीड़िता ने मामले की उच्चस्तरीय जांच की मांग की थी। उसने बताया था कि 21 मार्च को एक व्यक्ति ने परिवार सहित मारने की धमकी दी। इस संबंध में चौक कोतवाली इंस्पेक्टर बृजेश का कहना है कि मामला संज्ञान में है। मामले की जांच कराई गई। लोगों ने उसे पागल बताया। उन्होंने कहा कि पीड़ित परिवार की निगरानी बढ़ा दी गई है। मामले की और जांच करा ली जाएगी। आसाराम प्रकरण में दुष्कर्म पीड़िता के पिता ने बताया था कि 21 मार्च की सुबह एक युवक आया।

उप्र विधान परिषद में भी भाजपा पूर्ण बहुमत की ओर अग्रसर

लखनऊ। उत्तर प्रदेश में आगामी 12 अप्रैल को सत्तारूढ़ भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) विधानमंडल के दोनों सदनों में पूर्ण बहुमत हासिल कर करने का रिकॉर्ड बनाने की ओर अग्रसर है। उप्र विधान परिषद की 36 सीटों के लिये शनिवार को हो रहे मतदान के बाद 12 अप्रैल को चुनाव परिणाम घोषित होने से पहले ही भाजपा के नौ सीटों पर उम्मीदवार निर्विरोध चुन लिये गये हैं। अब 27 सीटों पर आज मतदान हो रहा है। जानकारों की राय में भाजपा विधान सभा के बाद अब विधान परिषद में भी पहली बार बहुमत पाने के लिये अग्रसर है। भाजपा की पूर्व में रही कल्याण सिंह, राजनाथ सिंह और रामप्रकाश गुप्त की सरकारों में पार्टी उच्च सदन में बहुमत से दूर रही थी। योगी सरकार अपने दूसरे कार्यकाल में यह कीर्तिमान भी अपने नाम दर्ज कराने के करीब है।

ज्ञात हो कि उप्र विधान परिषद में कुल 100 सीटें हैं। इनमें भाजपा के पास वर्तमान में 33 सीटें हैं। आज मतदान वाली 36 में से 9 सीटों पर भाजपा के उम्मीदवार पहले ही निर्विरोध चुन लिये गये हैं। आज मतदान वाली 36 सीटों पर जब 2016 में चुनाव हुआ था, तब इनमें से 31 सीटें समाजवादी पार्टी (सपा) ने जीती थीं। हालांकि विधानसभा चुनाव से पहले सपा के सात एमएलसी भाजपा में शामिल हो चुके हैं। इस प्रकार वर्तमान में सपा के 17, बसपा के 4, कांग्रेस, अपना दल (एस) और निषाद पार्टी का 1-1 एमएलसी है। भाजपा को भरोसा है कि मतदान वाली 27 सीटों में से अधिकांश सीटों पर उसकी जीत सुनिश्चित है। इस प्रकार 100 सदस्यीय उच्च सदन में उसके सदस्यों की वर्तमान संख्या 33 से बढ़कर 50 से ऊपर जाना तय है। यदि ऐसा होता है तो 1990 के बाद पहली बार किसी सरकार के पास दोनों सदनों में पुर्ण बहुमत होगा।

इस बीच अप्रैल-मई में मनोनयन कोटे की भी 06 सीटें खाली होनी हैं। इन सीटों पर विभिन्न क्षेत्रों के प्रतिष्ठित लोगों की एमएलसी के रूप में सरकार की संस्तुति पर राजभवन द्वारा मनोनयन किया जाता है। इसके अलावा 6 जुलाई को विधान परिषद की 13 और सीटें खाली होंगी। इन 13 सीटों पर विधायकों के वोट से एमएलसी का चयन होगा। ज्ञात हो कि 2024 तक के लिये विधान परिषद के सदस्य चुने गये जय वीर सिंह गत विधानसभा चुनाव में भाजपा के विधायक निर्वाचित हो चुके हैं। वहीं, उच्च सदन में नेता प्रतिपक्ष अहमद हसन के निधन के कारण भी एक सीट खाली है। भाजपा को पूरा भरोसा है कि विधान परिषद की इन सीटों पर जल्द होने वाले चुनाव में अधिकांश सीटों पर उसके उम्मीदवारों का चुने जाने की प्रबल संभावना को देखते हुये जुलाई के बाद भाजपा उच्च सदन में भी प्रचंड बहुमत वाले दल के रूप में उभर सकेगी। गौरतलब है कि उप्र विधान परिषद की 38 सीटें विधानसभा के सदस्यों के मतदान से चुनी जाती हैं। वहीं, 36 सीटें स्थानीय निकाय के जनप्रतिनिधियों से चुनी जाती हैं। शेष 08 सीटें शिक्षक निर्वाचन कोटे से और 08 अन्य सीटों पर पंजीकृत स्नातक मतदाता प्रतिनिधि चुने जाते हैं। बाकी की 10 सीटों पर राज्य सरकार की संस्कृति से राज्यपाल एमएलसी का मनोनयन करते हैं।

यूपी सीएमओ का ट्विटर अकाउंट हैक होने की जांच डीजीपी ऑफिस की साइबर टीम करेगी

लखनऊ। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के कार्यालय का आधिकारिक ट्विटर अकाउंट शुक्रवार देर रात हैक कर लिये जाने के मामले की जांच राज्य के पुलिस महानिदेशक (डीजीपी) के कार्यालय की साइबर टीम करेगी। इस मामले में पुलिस ने शनिवार को एफआईआर दर्ज करा दी। उत्तर प्रदेश सरकार के आधिकारिक ट्विटर हैंडिल से शनिवार को यह जानकारी देते हुए बताया गया कि कुछ असामाजिक तत्वों ने मुख्यमंत्री कार्यालय का ट्विटर अकाउंट कल देर

रात हैक कर लिया था। हैकर्स ने इस अकाउंट से कुछ ट्वीट भी पोस्ट किये। हैक किये गये अकाउंट को साइबर विशेषज्ञों की मदद से तुरंत रिकवर कर लिया गया और हैकर्स द्वारा किये गये सभी ट्वीट को डिलीट कर दिया गया। मुख्यमंत्री कार्यालय के सूत्रों ने बताया कि सीएमओ का ट्विटर अकाउंट हैक होने के मामले में उप्र पुलिस ने साइबर थाने में सूचना प्रौद्योगिकी कानून के तहत अज्ञात के खिलाफ एफआईआर दर्ज करा दी है। डीजीपी ऑफिस की साइबर टीम मामले की जांच करेगी।

इससे पहले उप्र सरकार के आधिकारिक ट्विटर हेंडिल से किये गये ट्वीट में बताया गया, सूचित किया जाता है कि मा. मुख्यमंत्री कार्यालय का आधिकारिक ट्विटर अकाउंट को दिनांक 09 अप्रैल, रात्रि 12:30 बजे असामाजिक तत्वों द्वारा हैक करने का प्रयास किया गया था, इनके द्वारा कुछ ट्वीट पोस्ट किए थे जिसको तुरंत रिकवर कर लिया गया था।

सरकार ने कहा है कि मुख्यमंत्री कार्यालय का ट्विटर अकाउंट हैक करने वालों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जायेगी। सरकार की ओर से किये गये ट्वीट में कहा गया है, साइबर एक्सपर्ट्स द्वारा प्रकरण की जांच के बाद जिम्मेदारों के विरुद्ध कठोरतम कार्रवाई की जाएगी।

चार हिस्ट्रीशीटर बादमाश भविष्य में अपराध ना करने की तख्ती लेकर थाने पहुंचे

सहारनपुर। उत्तर प्रदेश में योगी सरकार की दूसरी पारी में कानून का भय अब निचले स्तर पर सक्रिय बदमाशों तक पहुंच गया है जिसके परिणामस्वरूप आये दिन आदतन अपराधी भविष्य में अपराध न करने की लिखित तख्ती गले में टांग कर पुलिस थाने पहुंच रहे हैं। सहारनपुर के वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक आकाश तोमर ने शनिवार को यह दावा करते हुए बताया कि अपराधियों के खिलाफ पुलिस के सख्त रवैये को देखते हुए जिले के थाना रामपुर मनिहारान में लूट, हत्या और वाहन चोरी के मामलों में वांछित चार हिस्ट्रीशीटर बदमाशों ने भविष्य में अपराध न करने के हलफनामे के साथ खुद को कानून के हवाले कर दिया। तोमर ने बताया कि नदीम पुत्र यामीन, नफीस पुत्र रफीक, नौशाद पुत्र सईद और आजाद पुत्र सफीक अपने हाथों में अपराध ना करने की लिखित तख्तियां लेकर और हलफनामे के साथ थाने पहुंचे। उन्होंने वहां मौजूद कोतवाली निरीक्षक के सामने शपथ ली कि वे भविष्य में अपराध नहीं करेंगे। मेहनत मजूदरी करके अपना एवं परिवार का पेट पालेंगे। कोतवाली प्रभारी विशाल श्रीवास्तव ने चारों हिस्ट्रीशीटर बदमाशों को यह चेतावनी देकर छोड़ दिया कि वे पुराने मामलों की तफ्तीश के लिये बुलाये जाने पर थाने में पेश होंगे, सामान्य नागरिक के तौर पर रहेंगे और किसी भी तरह की आपराधिक गतिविधि में शामिल नहीं होंगे।

सहारनपुर जिले के 6000 तालाबों में से 500 अवैध कब्जे की जद में

सहारनपुर। उत्तर प्रदेश के सहारनपुर जिले में शानदार जलप्रबंधन की मिसाल पेश करते 6000 तालाबों की व्यवस्थित श्रंखला, पानी को लेकर पूर्वजों की दूरदृष्टि का सबूत हैं, लेकिन वर्तमान में इन तालाबों की बदहाल तस्वीर पेश करते सरकारी आंकड़े जलसंकट से घिरी मौजूदा पीढ़ी की समझ पर सवाल खड़े करते हैं।

हर साल देश में 10 अप्रैल को मनाये जाने वाले जल संसाधन दिवस पर ये सवाल उठाये जाते हैं। इस साल भी इन सवालों के जवाब में उत्तर प्रदेश सरकार के राजस्व विभाग ने बताया कि जिले के 500 तालाब अवैध कब्जों की भेंट चढ़ चुके हैं। इन तालाबों को अवैध कब्जों से मुक्त कराना राजस्व विभाग की जिम्मेदारी है, वहीं ग्राम पंचायतों सहित अन्य संबद्ध विभागों की जिम्मेदारी है कि इन तालाबों को पानी से लबालब कर इन्हें जीवंत बनाये।

तालाबों की बदहाली और अवैध कब्जों के आंकड़े सरकारी महकमों की दायित्वपूर्ति के सच को भी उजागर कर रहे हैं।

जिले के मुख्य विकास अधिकारी विजय कुमार ने इस बारे में पूछने पर शनिवार को बताया कि जनपद में 6012 तालाब हैं जिनमें से 497 पर अवैध कब्जे हैं।

ऐसे अनेक तालाब हैं जहां अवैध कब्जे तो नहीं हैं लेकिन वे तालाब गंदगी से अटे पड़े हैं। कई तालाबों में तो पानी की बूंद तक भी नहीं दिखाई देती है।

सहारनपुर की सदर तहसील में सबसे ज्यादा 1835 तालाब हैं। इनमें से 61 तालाब अवैध कब्जों के शिकार होकर यादों में समा गये हैं।

रामपुर मनिहारान तहसील के सरकारी रिकार्ड में 1231 तालाब दर्ज हैं। इस तहसील में सबसे ज्यादा 171 तालाबों पर अवैध कब्जे हो चुके हैं।

कुमार ने बताया कि तालाबों के पुनरुद्धार के लिये तत्काल जरूरी कदम उठाए जाएंगे, तालाबों को अवैध कब्जों से मुक्त कराया जायेगा और उनका सौंदर्यीकरण कराया जाएगा।

उप्र के 3.6 करोड़ राशन कार्ड धारकों को मिलेगी 'डिजी लॉकर' की सुविधा

लखनऊ। उत्तर प्रदेश सरकार ने राज्य के 3.6 करोड़ राशन कार्ड धारकों को 'डिजिटल लॉकर' की सुविधा देने की तैयारी कर ली है। इसकी मदद से राशनकार्ड धारकों को अब देश में कहीं भी राशन लेने में असुविधा नहीं होगी। मुख्यमंत्री कार्यालय की ओर से शनिवार को दी गयी जानकारी के अनुसार राज्य सरकार के सूचना प्रौद्योगिकी विभाग ने प्रदेश के राशन कार्ड धारकों को 'डिजी लॉकर' सुविधा देने के काम को अपनी 100 दिन की कार्ययोजना में शामिल कर लिया है। यह सुविधा मिलने पर कोटेदार, राशनकार्ड में कमियों का बहाना बनाकर लाभार्थी को राशन देने से मना नहीं कर सकेंगे। इसके लिए राज्य सरकार ने राशन कार्ड धारकों के आंकड़ों को डिजिटल फॉर्मेट में बदलने की कार्रवाई तेज कर दी है। डिजी लॉकर में राशन कार्ड रखने से लोगों को बड़ा लाभ यह होगा कि 'वन नेशन वन कार्ड' योजना के तहत देश में कहीं भी राशन मिलने में आसानी होगी। साथ ही राशन कार्ड के खोने, खराब होने या फटने का डर भी नहीं होगा। वहीं सरकारी सस्ते गल्ले पर दुकानदार राशनकार्ड में कमी का बहाना बनाकर राशन देने से इंकार नहीं कर सकेगा। इसके अलावा राशन लेने की जानकारी राशन कार्ड पर डिजिटली दर्ज हो सकेगी, जिससे यह पता चल सकेगा कि किस लाभार्थी को कब कितना राशन मिल पाया। प्रदेश में 3.6 करोड़ लोगों के राशन कार्ड के लिए डिजी लाकर उपलब्ध कराने के लिए सूचना और प्रौद्योगिकी विभाग के अधिकारियों को आवश्यक कार्रवाई जल्द पूरे करने के निर्देश दिये गये हैं।

जानकारों की राय में डिजी लॉकर एक वर्चुअल लॉकर होता है, जिसमें जरूरी दस्तावेज जैसे कि पैन कार्ड, ड्राइविंग लाइसेंस, वोटर आईडी कार्ड आदि सुरक्षित कर सकते हैं।

इसमें अकाउंट बनाने के लिए आधार कार्ड जरूरी होता है। इसमें कई तरह के सरकारी प्रमाण पत्र आदि भी स्टोर कर सकते हैं।

अखिलेश के बयान पर सपा सांसद शफीकुर्रहमान की फिसली जुबान

बोले-मुसलमानों के हित में काम नहीं कर रही सपा

संभल। अपने बयानों से हमेशा विवादों में रहे संभल से सपा सांसद शफीकुर्रहमान बर्क की एक बार फिर से जुबान फिसल गई है। सपा सांसद डॉ. शफीकर्रहमान बर्क ने सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव के द्वारा एमएलसी चुनाव में सत्ताधारी दल के लोगों द्वारा प्रधानों को धमकाने वाले बयान पर ही सवाल खड़ा किया है। सांसद बर्क ने कहा कि यदि इस तरह से धमकाया जा रहा है तो यह गलत है लेकिन अगर ऐसा नहीं हो रहा है तो इस तरह का प्रोपेगेंडा करना भी गलत है। इसके बाद सपा सांसद से यूपी सरकार के कार्यों से संतुष्ट होने का सवाल किया गया तो सपा सांसद की जुबान फिसल गई।

एमएलसी चुनाव में वोट डालने संभल पहुंचे सपा सांसद डॉ. बर्क ने समाजवादी पार्टी पर सवाल खड़ा कर दिया। उन्होंने कहा, पूरी समाजवादी पार्टी मुसलमानों के हित में काम नहीं कर रही है। लेकिन जैसे ही बर्क को दोबारा ध्यान आया तो उन्होंने कहा कि यूपी में गवर्नमेंट सपा के हाथ में नहीं योगी के हाथ में है। बर्क ने कहा कि यूपी में योगी काम तो कर रहे हैं लेकिन अपने हिसाब से कर रहे है लेकिन यूपी में मुसलमानों के साथ इंसाफ नहीं हो रहा है।

11 दिन पहले यह बोले थे सांसद बर्क

सपा सांसद इससे पहले भी कई भड़काऊ और विवादित बयानबाजी कर चुके हैं। अभी हाल ही 11 दिन पहले भी गलत बयानबाजी करके सपा सांसद घिर चुके हैं। अपनी बयानबाजी में बर्क ने बाबर को ही गलत ठहरा दिया था। बर्क ने कहा था कि मुसलमान नहीं चाहते कि बीजेपी का समर्थन किया जाए। उन्होंने दो टूक कहा था कि बाबर ने लड्डू बांटकर गलती की। बर्क ने संसद परिसर में इंडिया टीवी से बातचीत में कहा था मुसलमान नहीं चाहते कि बीजेपी को सपोर्ट किया जाए। (मुसलमान) किसी भी पार्टी को दे सकता है, लेकिन वोट दिल की आवाज का नाम है। मुसलमानों के साथ नाइंसाफी हो रही है बीजेपी में। यह पूछे जाने पर कि उसने तो अपने दिल की आवाज सुनकर ही बीजेपी को वोट दिया और मिठाई बांटी, जिस पर उसकी हत्या कर दी गई? बर्क ने कहा कि ये वो लोग जानें, उनके घर वाले जाने, उन्होंने किस बुनियाद पर ऐसा किया। जब यह पूछा गया कि क्या लड्डू बांटकर उसने गलत किया?

बहला-फुसला के ले गया जंगल, किया अप्राकृतिक दुष्कर्म

अयोध्या। किशोर को बहला-फुसलाकर युवक द्वारा जंगल में ले जाकर अप्राकृतिक दुष्कर्म किया गया। किशोर ने घर पहुंचकर घटना की पूरी जानकारी परिजनों को दी तो घर वालों के होश उड़ गए। पीड़ित परिजनों ने गोसाईगंज थाने पहुंचकर मामले की लिखित शिकायत पुलिस से की। शिकायती पत्र के आधार पर पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है और मामले की जांच कर मुकदमा दर्ज करने की तैयारी हो रही है। जानकारी के मुताबिक गोसाईगंज थाना क्षेत्र के एक गांव के निवासी एक किशोर को गांव का ही एक युवक गोपी तिवारी पुत्र रघुनाथ तिवारी बहला-फुसलाकर पास स्थित एक जंगल में ले गया और वहां पर ले जाकर उसके साथ अप्राकृतिक दुष्कर्म जैसी घिनौनी वारदात को अंजाम दिया। घटना के बाद घर पहुंचे किशोर ने पूरी जानकारी अपने परिजनों को दी तो घर वालों के होश उड़ गए।

पीड़ित किशोर के परिजनों ने गोसाईगंज थाने पर पहुंचकर आरोपी युवक के खिलाफ लिखित शिकायत की जिसके बाद पुलिस ने प्राथमिक जांच के आधार पर आरोपी को गिरफ्तार कर लिया। प्रभारी निरीक्षक गोसाईगंज कृष्ण कुमार मिश्रा ने बताया कि पीड़ित किशोर दलित बिरादरी से आता है।

सभी स्वास्थ्य केंद्रों पर मनाया गया प्रधानमंत्री सुरक्षित मातृत्व अभियान दिवस

कासगंज। जिले में शनिवार को सभी सामुदायिक व प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्रों पर प्रधानमंत्री सुरक्षित मातृत्व अभियान दिवस मनाया गया । उप मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ. अविनाश ने सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र अशोकनगर पर किया निरिक्षण। अभियान को सफल बनाने के लिए अपर मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ. अवनींद्र कुमार ने बताया जिले में स्वास्थ्य केंद्रों पर प्रधानमंत्री सुरक्षित मातृत्व अभियान दिवस मनाया गया,उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री मातृत्व अभियान दिवस पर पहली बार गर्भवती हुई महिलाओं को सरकार की ओर से संचालित लाभ देने के लिए उन्हें प्रधानमंत्री मातृ वंदना योजना में पंजीकरण किया जाता है। इसके साथ ही निःशुल्क विशेष सेहत जांच, प्रसव स्थान, परिवार नियोजन, पोषण एवं कोरोना नियमों के प्रति जागरूक किया गया। डीपीएम पवन कुमार ने कहा कि जिले में कुल 647 गर्भवती महिलाओं का प्रसव पूर्व जांच (एएनसी) जांच व अन्य जांचें की गई, जिनमें से लगभग 28 महिलाएं उच्च जोखिम गर्भावस्था (एचआरपी) चिन्हित की गई। गर्भवतियों के खून, पेशाब, रक्तचाप और हीमोग्लोबिन की जांच हुई। गर्भवतियों को आयरन व कैल्शियम की दवाएं भी वितरित गई।

सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र सोरों डॉ. हरीश ने गर्भवतीयों को फल वितरण किए। उन्होंने कहा कि गर्भवस्था में गर्भवतीयों को खान पान पर विशेष ध्यान देने की ज़रूरत है। उन्होंने कहा गर्भवती हरी पत्तेदार सब्ज़ी, फल, दूध आदि का सेवन करें जिससे उनकी रोग प्रतिरोधक क्षमता बनी रहे।

सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र अशोकनगर अधीक्षक डॉ. आकाश सिंह ने सभी गर्भवतीयों से अपील की है, खान पान पर विशेष ध्यान दें, जिससे रोग प्रतिरोधक क्षमता बनी रहे। उन्होंने कहा कि कोरोना का खतरा अभी टला नहीं है, इसलिए मास्क लगाकर रखें और कम से कम बाहर जाएं। कोरोना टीके की दोनों डोज़ लगवा लें। टीके से गर्भवती को किसी भी प्रकार का नुकसान नहीं होगा, बल्कि बच्चे और माँ को कोरोना से लड़ने के लिए रोग प्रतिरोधक क्षमता बढ़ेगी।

ननद-भाभी का बनाया आपत्तिजनक वीडियो, दी धमकी

एजेंसी

लखनऊ। आपत्तिजनक वीडियो वायरल करने की धमकी देते हुए रुपए ऐंठने वाले गिरोह ने ननद-भाभी की आपत्तिजनक हालत में फोटो और वीडियो हासिल कर ली। धोखे से रिकॉर्ड की गई वीडियो को वायरल करने की धमकी देते हुए रुपए तैयार रखने के लिए कहा गया। घर की महिलाओं के साथ हुई घटना के बारे में पता चलने के बाद गाजीपुर कोतवाली में मुकदमा दर्ज कराया गया है।

लखनऊ के इन्दिरानगर निवासी महिला का भाई बिजली विभाग में कार्यरत है। पीड़िता के मुताबिक 2 अप्रैल की शाम छह बजे करीब उसे अंजान नम्बर से कॉल आई थी। फोन उठाने पर बात करने वाले व्यक्ति ने महिला का भाई होने का दावा किया। उसने कहा कि वह मीटर चेक करने के लिए एक घर में आया था। जहां मीटर चेक करते वक्त एक लड़की ने अचानक से कपड़े उतारने शुरू कर दिए।

इस दौरान लड़की ने वीडियो भी बना लिया था। वह कमरे में मौजूद था। उसी वक्त चार लोग और आ गए। जिन्होंने युवक पर आरोप लगाया कि तुमने हमारी बहन को बिना कपड़ों के देखा है।

तुम्हें हम जेल भिजवा देंगे। युवक के माफी मांगने पर उससे कहा कि तुम भी अपने घर की किसी महिला से बात कराओ। इसलिए मैं तुम्हे कॉल कर रहा हूं।

बहन मुझे बचा लो। यह बात सुनते ही महिला दंग रह गई। भाई को बचाने के लिए वह गिड़गिड़ाने लगी। इस पर एक व्यक्ति ने महिला से कहा कि तुम ऐसे कमरे में चली जाओ। वहां पहुंचने के बाद महिला को वीडियो कॉल की गई। फिर उससे भाई को छुड़ाने के लिए कपड़े हटाने के लिए कहा गया। भाई को मुसीबत से बाहर निकालने के लिए महिला ने कहे मुताबिक कपड़े हटा दिए।

पीड़िता के मुताबिक जब वह वीडियो कॉल कर रही थी। उस वक्त उसने दरवाजा बंद नहीं किया था। इस बीच ही उसकी भाभी भी कमरे में आ गई। जिन्होंने महिला को आवाज लगाई। उनकी बात सुन कर कॉल करने वाले शख्स ने महिला से दूसरी महिला को भी वीडियो कॉल में सामने लाने के लिए कहा। ऐसा नहीं करने पर वह वीडियो वॉयरल करने की धमकी देना लगा।

ननद और देवर पर आई मुसीबत को भांपते हुए दूसरी महिला भी वीडियो कॉल से जुड़ गई। आरोप है कि इस दौरान आरोपियों ने दबाव बना कर दोनों के कपड़े हटवा दिए थे और वीडियो रिकॉर्ड कर लिया था।

वीडियो डिलीट करवाना है तो रुपये तैयार रखो

पीड़िताओं के मुताबिक रुपये की मांग होने पर वह लोग डर गई थीं। वहीं, दूसरे कमरे में मौजूद परिवार के लोगों को कुछ गलत होने का अंदेशा हो गया था। दबाव देकर पूछे जाने पर महिलाओं ने पूरी घटना के बारे में बता दिया था। जिसके बाद महिला के भाई को फोन कर पूछताछ की गई। तो उसने बताया वह ऑफिस में था। वह किसी के घर चेकिंग के लिए नहीं गया था। भाई की यह बात सुन कर महिला हैरान रह गई। इसके बाद ही पीड़ित परिवार ने गाजीपुर कोतवाली पहुंच कर धोखाधड़ी, छेड़छाड़ और धमकी देने की धारा में मुकदमा दर्ज कराया है। इंस्पेक्टर रामेश्वर कुमार के अनुसार महिला ने एक मोबाइल नम्बर की डिटेल दी है। जिसे सर्विलांस पर लेकर छानबीन की जा रही है।

रॉकेट की स्पीड से बढ़ रही अडानी की संपत्ति

कमाई के मामले में काफी पीछे रह गए मुकेश अंबानी

एजेंसी

नई दिल्ली। कमाई के मामले में गौतम अडानी ने मुकेश अंबानी को काफी पीछे छोड़ दिया। अब एशिया के सबसे अमीर कारोबारी गौतम अडानी हैं। ब्लूमबर्ग बिलियनर्स इंडेक्स के मुतातिक, 59 साल के अडानी की संपत्ति 110 अरब डॉलर पहुंच चुकी है, जबकि अंबानी की संपत्ति 97.5 अरब डॉलर है। ब्लूमबर्ग बिलियनर्स इंडेक्स के मुताबिक, अडानी की संपत्ति में पिछले एक दिन में 3.90 बिलियन डॉलर का इजाफा हुआ है, जबकि अंबानी की संपत्ति में केवल 1.54 बिलियन डॉलर का ही इजाफा हुआ है।

नंबर वन पर एलन मस्क हैं

दुनिया के सबसे अमीर शख्स टेस्ला और स्पेसएक्स के सीईओ एलन मस्क हैं। एलन मस्क के पास 260 बिलियन डॉलर की संपत्ति है। इसके बाद दूसरे नंबर पर अमेजन के जेफ बेजोस हैं, इनके पास कुल 179 बिलियन डॉलर की संपत्ति है। तीसरे नंबर पर Bernard Arnault, चौथे नंबर पर बिल गेट्स, पांचवे नंबर पर वॉरेन बफेट, छठे नंबर पर Larry Page और सातवें नंबर पर Sergey Brin हैं।

2022 में अडानी की संपत्ति 33.0 बिलियन डॉलर बढ़ी

ब्लूमबर्ग इंडेक्स के मुताबिक, इस साल 2022 की बात करें तो गौतम अडानी की संपत्ति में 33.0 बिलियन डॉलर का इजाफा हुआ है, जबकि मुकेश अंबानी की दौलत में 7.50 बिलियन डॉलर का इजाफा हुआ। इस लिस्ट में गौतम अडानी नंबर वन पर हैं। गौतम अडानी के बाद दूसरे नंबर पर वारेन बफेट हैं। बफेट की संपत्ति में 18.7 बिलियन डॉलर का इजाफा हुआ है।

इस लिस्ट में तीसरे नंबर पर Guillaume Pousaz हैं, उनकी संपत्ति में इस साल 11.7 बिलियन डॉलर का इजाफा हुआ है।

निवेशकों का इक्विटी फंड में बड़ा रुझान:मार्च में इक्विटी फंड में आया रिकॉर्ड 28,500 करोड़ रुपए का निवेश

नई दिल्ली। शेयर बाजार में उतार–चढ़ाव और विदेशी संस्थागत निवेशकों की बिकवाली के बीच इक्विटी म्यूचुअल फंड में निवेशकों का विश्वास लगातार बढ़ रहा है। बीते मार्च महीने में इक्विटी फंड्स में 28,463 करोड़ रुपए का शुद्ध निवेश आया, जो अब तक का रिकॉर्ड है। इससे पहले दिसंबर में 24989 करोड़ के शुद्ध निवेश का रिकॉर्ड था ।एसोसिएशन ऑफ म्यूचुअल फंड्स इन इंडिया (एम्फी) के आंकड़ों के मुताबिक, मार्च में म्यूचुअल फंड की अन्य स्कीमों में जहां शुद्ध निकासी का रुख देखने को मिली, वहीं इक्विटी ओरिएंटेड स्कीमों में फरवरी की तुलना में 44.45 फीसदी ज्यादा शुद्ध निवेश आया। फरवरी के 19,705.27 करोड़ रुपए की तुलना में मार्च में इक्विटी फंड में रिकॉर्ड 28,463 करोड़ रुपए का शुद्ध निवेश हुआ है। इसमें मुख्य भूमिका एसबीआई मल्टी कैप फंड के न्यू फंड ऑफर (एनएफओ) की रही, जिसमें 8170 रुपए का निवेश आया ।मोतीलाल ओसवाल एएमसी के चीफ बिजनेस ऑफिसर अखिल चतुर्वेदी के मुताबिक, करेक्शन के दौर में बेहतर वैल्युएशन के लिए बाजार के अवसरों का फायदा उठाने की रिटेल और एचएनआई निवेशकों की दिलचस्पी से ज्यादा निवेश इक्विटी म्यूचुअल फंड्स में आया है।

आरबीआई ने आईडीबीआई बैंक पर ठोका 90 लाख का जुर्माना

मुंबई। रिजर्व बैंक (आरबीआई) ने धोखाधड़ी, भुगतान पारिस्थितिकी तंत्र को सदृढ़ बनाने एवं बैंकों में साइबर सुरक्षा कार्ययोजना संबंधी निर्देशों का अनुपालन नहीं करने के आरोप में निजी क्षेत्र के वित्तीय एवं बैंकिंग सेवा प्रदाता आईडीबीआई बैंक लिमिटेड पर 90 लाख रुपये जुर्माना ठोका है।

आरबीआई के शुक्रवार को जारी आदेश में कहा गया है कि आईडीबीआई बैंक लिमिटेड पर आरबीआई की ओर से जारी 'धोखाधड़ी–वाणिज्यिक बैंकों और चुनिंदा एफआई द्वारा वर्गीकरण एवं रिपोर्टिंग', कॉर्पोरेट ग्राहक के रूप में प्रायोजक बैंकों और एससीबी एवं यूसीबी के बीच भुगतान पारिस्थितिकी तंत्र के नियंत्रण को सुदृढ़ बनाना तथा बैंकों में साइबर सुरक्षा फ्रेमवर्क संबंधी निदेशों का अनुपालन नहीं करने के लिए 90 लाख रुपये का जुर्माना किया गया है।

केंद्रीय बैंक ने कहा कि आरबीआई को विलंब से धोखाधड़ी की रिपोर्टिंग, पांच करोड़ और उससे अधिक की राशि की धोखाधड़ी के संबंध में आरबीआई को विलंब से रिपोर्ट प्रस्तुत करना और कॉरपोरेट नेट बैंकिंग से निधि अंतरण करने के लिए छुट्टियों के दिन और डेटा एक्सेस कंट्रोल पर ससमय प्रतिबंध लागू करने में विफल रहना, जिसके परिणामस्वरूप दो सहकारी बैंकों के खाते में अनधिकृत डेबिट लेनदेन हुआ।

लगातार तीसरे दिन पेट्रोल-डीजल के दाम रहे स्थिर

देश के चार बड़े महानगरों में पेट्रोल और डीजल के दाम

महानगर...........पेट्रोल......डीजल (रुपये प्रति लीटर)

दिल्ली...........105.41........96.67
कोलकाता ......115.12........99.83
मुंबई ....120.51.........104.77
चेन्नई............110.85.........100.94

नयी दिल्ली। देश में तेल विपणन करने वाली कंपनियों के शनिवार को पेट्रोल–डीजल की कीमतों में बढोत्तरी नहीं किए जाने से लगातार तीसरे दिन ईंधन के दाम स्थिर रहे।

इससे पहले राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली में बुधवार को पेट्रोल–डीजल के दामों में 80–80 पैसे प्रति लीटर की बढ़ोत्तरी की गयी थी। इस वृद्धि के बाद से दिल्ली में पेट्रोल 105.41 रूपये प्रति लीटर और डीजल 96.67 रूपये प्रति लीटर बिक रहा है।

वहीं, मुंबई में पेट्रोल की कीमत 120.51 रूपए प्रति लीटर और डीजल के दाम 104.77 रूपए प्रति लीटर पर स्थिर है।

रूस के यूक्रेन पर हमला करने के कारण वैश्विक स्तर पर तेल और प्राकृतिक गैस की आपूर्ति बाधित होने की आशंका के बीच देश में इन दोनों जीवाश्म ईंधनों की कीमतों में उछाल आया है। देश में पेट्रोल–डीजल की कीमतें 137 दिनों की स्थिरता के बाद 22 मार्च 2022 से बढ़नी शुरू हुई हैं। कंपनियों पिछले 19 दिनों में 14 बार पेट्रोल और डीजल के दामों में वृद्धि की है। तब से अब तक इनके दामों करीब 10 रूपए की तेजी आयी हैं।

अंतरराष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल की कीमतों में लगातार उतार–चढाव देखने को मिल रहा है। लंदन ब्रेंट क्रूड आज 102.78 डालर प्रति बैरल पर और अमेरिकी क्रूड 1.95 प्रतिशत की तेजी के साथ 97.90 डालर प्रति बैरल पर कारोबार कर रहा है।

उल्लेखनीय है कि पेट्रोल–डीजल के मूल्यों की नित्य प्रतिदिन समीक्षा होती है और उसके आधार पर प्रतिदिन सुबह छह बजे से नयी कीमतें लागू की जाती हैं।

कृषि, प्रसंस्कृत उत्पाद के लिए लॉजिस्टिक्स सुविधाएं बढ़ाने पर काम कर रहा है एपीडा

नयी दिल्ली। सरकारी एजेंसी कृषि एवं प्रसंस्कृत खाद्य निर्यात विकास प्राधिकरण (एपीडा) पूर्वांचल, पूर्वोत्तर और हिमालयी क्षेत्रों से कृषि उत्पादों के निर्यात कारोबार के लिए माल उठाने और पहुंचाने की निर्बाध सुविधा के लिए विभिन्न मंत्रालयों के साथ काम कर रहा है।

वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय ने एक बयान में कहा है कि सरकार कृषि निर्यात को बढ़ावा देने में मदद करने के लिए अच्छी निर्यात क्षमता वाले 50 कृषि उत्पादों के लिए एक खाका बनाया है।

बयान के अनुसार कृषि उत्पादों को लक्षित बाजारों तक पहुंचाने के लिए माल उठाने तथा पहुंचाने की निर्बाध लॉजिस्टिक्स सुविधाएं सुनिश्चित करने के लिए एपीडा प्रधानमंत्री गतिशक्ति राष्ट्रीय वृहद योजना के तहत विभिन्न मंत्रालयों के साथ सहयोग कर रहा है। गतिशक्ति कार्यक्रम में परियोजनाओं को तेजी से अमल में लागने के लिए उसके हर चरण में संबंधित एजेंसियों और विभागों के बीच पूर्ण ताल–मेल से काम करनी अवधारणा पर बल दिया गया है।

बयान के अनुसार सरकार पूर्वांचल, हिमालयी क्षेत्र, उत्तर पूर्वी राज्यों, जम्मू–कश्मीर और लद्दाख से कृषि निर्यात को बढ़ावा देने पर ध्यान केंद्रित कर रही है। हाल के वर्षों में देश से कृषि और बागवानी उत्पादों के निर्यात में अच्छी बढ़ोतरी हुई है।

बयान के मुताबिक कोविड–19 से उत्पन्न परिस्थितियों में माल भाड़ा बढ़ने तथा कंटेनर की कमी जैसी चुनौतियों के बावजूद, भारत का कृषि निर्यात वर्ष 2021–22 में 19.92 प्रतिशत बढ़कर 50 अरब अमरीकी डालर को पार कर गया। इस दौरान एपीडा की निगरानी में 25.6 अरब डालर के कृषि और प्रसंस्कृत खाद्य उत्पादों का निर्यात करके एक नया कीर्तिमान बना है जो कुल कृषि निर्यात का का 51 प्रतिशत है। एपीडा ने वर्ष 2021–22 के निर्यात लक्ष्य 23.7 अरब डालर रखा था।

वाणिज्यक आसूचना एवं सांख्यिकी महानिदेशालय (डीजीसीआईएंडएस) के प्रारंभिक आंकड़ों के अनुसार एपीडा वस्तुओं के निर्यात में अनाज क्षेत्र का 2021–22 में 52 प्रतिशत से अधिक का योगदान रहा।

2021–22 में एपीडा निर्यात में पशुधन उत्पादों और अन्य प्रसंस्कृत खाद्य पदार्थों का योगदान क्रमश: 17 और 15 प्रतिशत है।

यूपी के युवा बनेंगे उद्यमी, कॉलेज में शुरू होगा कोर्स

लखनऊ। आबादी के हिसाब से देश के सबसे बड़े राज्य यूपी में युवाओं को जॉब मांगने की जगह जॉब देने की क्षमता के लायक बनाया जा रहा है. योगी सरकार 2.0 में युवाओं को अपना कारोबार/बिजनेस शुरू करने के लिए बड़े पैमाने पर प्रोत्साहित करने की योजना है. हर परिवार, एक रोजगार/स्वरोजगार योगी सरकार–2 का बेरोजगारी मिटाने का हथियार है. ऐसा तभी संभव है जब युवा उद्यम लगाकर उद्यमी बनें. इसमें स्थानीय स्तर पर और युवाओं को भी रोजगार मिल सकेगा. युवाओं को उद्यमी बनाने में सुक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्योग (एमएसएमई) के साथ–साथ एक जिला एक उत्पाद (ओडीओपी), विश्वकर्मा श्रम सम्मान जैसी योजनाओं की महत्वपूर्ण भूमिका हो सकती है. सरकार की मंशा है कि इन योजनाओं के जरिए युवा उद्यमी बनने के लिए प्रेरित हों. इस योजना पर काम शुरू हो चुका है. उद्यमिता विकास योजना में प्रशिक्षण पाने वाले युवाओं को समय से उदार शर्त पर कामकाजी पूंजी उपलब्ध कराने की व्यवस्था भी कर ली गई है।

कॉलेज में सिखाए जाएंगे उद्यमी बनने के गुर

कॉलेज स्तर पर सरकार उद्यम लगाने के इच्छुक युवाओं के लिए ऑनलाइन उद्यमिता पाठ्यक्रम शुरू करने की तैयारी कर रही है. उद्यमिता योजना के जरिए प्रशिक्षण पाने वालों को सरकार से संबंधित संस्था प्रमाण पत्र देगी. इनमें से उद्यम लगाने के इच्छुक युवाओं को बैंक लिंकेज से लेकर जरूरत के अनुसार अन्य मदद भी सरकार की ओर से की जाएगी.

स्वरोजगार वाली योजनाओं पर जोर

इसी तरह माटी कला बोर्ड और विश्वकर्मा श्रम सम्मान के तहत प्रशिक्षण पाने वाले युवाओं की संख्या भी दोगुनी की जा रही है. प्रशिक्षण के लिए आने वाले युवाओं को उद्यम लगाने के लिए पूंजी पाने में दिक्कत न हो इसके लिए बैंकों से पहले ही विभाग के अधिकारी समन्वय बनाकर लोन एप्लीकेशन मंगवा लेंगे. प्रशिक्षण के बाद इच्छुक युवाओं से प्रशिक्षण केंद्र पर फॉर्म भरवा लिए जाएंगे. स्थानीय अधिकारी युवा उद्यमी के खाते में लोन का पैसा जाने तक बैंक से समन्वय बनाए रखेंगे. एक परिवार एक रोजगार के बड़े लक्ष्य को पाने के लिए इन योजनाओं के जरिए प्रशिक्षण के इच्छुक युवाओं के पहले बैच का चयन अप्रैल में होगा और मई के पहले हफ्ते से खादी के स्थानीय केंद्रों पर प्रशिक्षण की शुरुआत भी हो जाएगी. एक जिला एक उत्पाद (ओडीओपी) योजना की संभावनाओं के मद्देनजर ही भाजपा के लोक कल्याण संकल्प पत्र–2022 में ओडीओपी के जरिए अगले पांच साल में निर्यात एवं रोजगार के अवसरों को दोगुना करने का लक्ष्य रखा गया है।

बैंकों ने कहा, रिजर्व बैंक का नीतिगत रुख कड़ा

मुंबई। बैंकिंग और विभिन्न क्षेत्रों के विशेषज्ञों ने रिजर्व बैंक के शुक्रवार को घोषित द्वैमासिक मौद्रिक नीति को पहले की तुलना में स्पष्ट रूप से कठोर बताया और कहा कि भूराजनैतिक संकट से उत्पन्न चुनौतियों और मुद्रास्फीति के दबाव को देखते हुए केंद्रीय बैंक के नीतिगत रुख में यह बदलाव उचित दिखता है। निजी क्षेत्र के सबसे बड़े बैंक एचडीएफसी बैंक के मुख्य अर्थशास्त्री अभिक बरुआ ने कहा कि यद्यपि रिजर्व बैंक ने मौद्रिक नीति पर अपने रुख को अपरिवर्तित बताया है पर स्पष्ट रूप से यह फरवरी की बैठक की तुलना में एक कठोर नीति है। पिछले एक महीने से मुद्रास्फीति के दबाव को देखते हुए रुख में बदलाव को उचित दिखता है। उन्होंने कहा कि आरबीआई ने 2022–23 में मुद्रास्फीति के अनुमान को पहले की तुलना में 1.20 प्रतिशत बढ़ाकर 5.7 प्रतिशत कर दिया है। यह महंगाई की व्यापकता को देखते हुए इस समय समझदारी भरा अनुमान है। रिजर्व बैंक के गवर्नर शक्तिकांत दास ने कहा कि इस समय बैंकिंग प्रणाली में 8.5 लाख करोड़ रुपये का नगद धन जरूरत से ज्यादा है। इसे धीरे–धीरे दो–तीन वर्ष में कम करने के लिए कदम उठाए जाएंगे। बैंक ऑफ बडौदा के मुख्य अर्थशास्त्री मदन सबनवीस ने कहा, इस ऋण नीति ने बाजार को आश्चर्य में डाला है, इसमें जीडीपी और मुद्रास्फीति के अनुमानों को आक्रमक ढंग से बदला गया है। चालू वित्त वर्ष में सकल घरेलू उत्पाद वृद्धि का अनुमान घटाकर 7.2 प्रतिशत और मुद्रास्फीति का अनुमान 5.7 प्रतिशत कर दिया गया है।

यूपी में जल संरक्षण को जन आंदोलन बनाने की हो रही है तैयारी

योगी सरकार ने सबसे पहले उसने अटल भूजल योजना के तहत प्रदेश में चयनित 10 जनपदों के 26 विकासखंडों की 550 ग्राम पंचायतों में बैठक और प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित करने के निर्देश जारी किये हैं. यूपी सरकार ने भूजल संरक्षण की योजना को प्रदेश में भर में विस्तार देने की तैयारी की है.

अटल भूजल योजना

यूपी सरकार स्वच्छता मिशन की तरह ही जल संरक्षण को भी जन आंदोलन बनाने की तैयारी में जुट गई है. भूजल संरक्षण के कार्य में जनसहभागिता को बढ़ाने के लिए यूपी सरकार कई अनूठे कदम उठाने जा रही है. योगी सरकार ने सबसे पहले उसने अटल भूजल योजना के तहत प्रदेश में चयनित 10 जनपदों के 26 विकासखंडों की 550 ग्राम पंचायतों में बैठक और प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित करने के निर्देश जारी किये हैं.

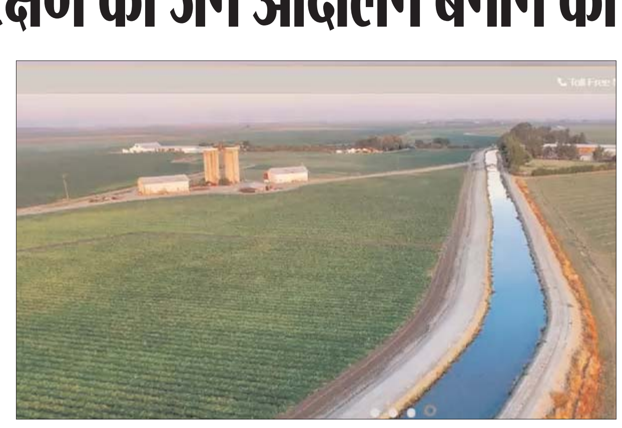

योगी सरकार ने एक बार फिर भूजल संरक्षण की योजना को प्रदेश में भर में विस्तार देने की तैयारी की है. नमामि गंगे और ग्रामीण जलापूर्ति विभाग को इसकी जिम्मेदारी सौंपी गई है. तय किया गया है कि गांव–गांव के लेवल पर जल संरक्षण की योजनाओं को पूरा कराने और लोगों को जागरूक करने के लिए युद्ध स्तर पर कार्यक्रम शुरू होंगे.

लोगों को मिलेगी जानकारी

जल को बचाना और दोबारा उसे उपयोग में लाने के बारे में लोगों को जागरूक किया जाएगा।

जल संरक्षण अभियान के लिए बैठक का आयोजन और लोगों को प्रशिक्षण देना जरूरी है।

प्रदेश सरकार विभिन्न जिलों में जल संरक्षण के साथ शुद्ध पेयजल की उपलब्धता सुनिश्चित करा रही है. खेत ताल योजना के तहत खेत का पानी खेत में और छत का पानी धरती में वापस जा सके, उसपर भी तेजी से काम किया जा रहा है.

पुराने प्रयास का दिखा असर

पिछले कार्यकाल में सरकार के प्रयासों और जल जीवन मिशन की योजनओं से गांव–गांव में चल रहे प्रयास रंग लाने लगे हैं. स्वच्छता मिशन की तरह जल संरक्षण को जन आंदोलन बनाने की तैयारी की जा रही है. हर गांव में जल संरक्षण की योजनाओं का काम तेजी से पूरा कराया जा रहा है।

जल समितियों का गठन और पाइपलाइन से लीक होने वाले पानी के संरक्षण और रेन वॉटर हारवेस्टिंग पिट के निर्माण को भी युद्ध स्तर पर किये जाने की तैयारी है, जिससे बारिश के पानी का संरक्षण हो सके और संरक्षित पानी का दोबारा इस्तेमाल किया जा सके।

यूपी में ग्रामीणों को जल्द मिलेगा घरौनी प्रमाण पत्र, बैंक से ले सकेंगे लोन

लखनऊ। उत्तर प्रदेश के ग्रामीण इलाकों में रहने वाले ग्रामीणों को योगी सरकार एक बड़ा उपहार देने जा रही है. क्क सरकार ग्रामीणों को स्वामित्व योजना के तहत उनके आवास का मालिकाना हक प्रदान करने वाला दस्तावेज (ग्रामीण आवासीय अभिलेख/घरौनी प्रमाण पत्र) मुहैया कराने जा रही है.

आबादी के हिसाब से देश के सबसे बड़े राज्य में चार लाख से अधिक ग्रामीणों को जल्द घरौनी प्रमाण पत्र उपलब्ध कराने की तैयारी की गई है. जल्दी ही एक भव्य समारोह में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ग्रामीणों को घरौनी प्रमाण पत्र उपलब्ध करा सकते हैं. पिछले साल 23 दिसंबर तक प्रदेश में स्वामित्व योजना के तहत 27.47 लाख ग्रामीणों को घरौनी प्रमाण पत्र उपलब्ध कराया जा चुका है. इस महीने चार हजार गांवों के चार लाख से अधिक ग्रामीणों को घरौनी प्रमाण पत्र मुहैया कराए जाने की तैयारी राजस्व बोर्ड कर रहा है.

देश में सबसे आगे हैं यूपी

ग्रामीणों को घरौनी दस्तावेज मुहैया कराने के मामले में यूपी देश में सबसे आगे है. प्रदेश के ग्रामीणों को उनकी आवासीय संपत्ति के दस्तावेज डिजिटल रूप में मिले, इसके लिए प्रदेश सरकार ने सूबे के करीब एक लाख गांवों की 7.65 करोड़ संपत्तियों का कंप्यूटरीकरण कराने की योजना तैयार की है. पिछले साल 12 अक्टूबर को इस योजना की शुरुआत हुई थी.

खतौनी की तरह घरौनी प्रमाण पत्र

स्वामित्व योजना के तहत खेतों की खतौनी की तर्ज पर राजस्व बोर्ड ग्रामीणों की आवासीय संपत्ति के मालिकाना हक का दस्तावेज तैयार करा रहा है।

डिजिटल मानचित्र के जरिये राज्य के करीब एक लाख गांवों में ग्रामीण आवासीय अधिकार अभिलेख (घरौनी प्रमाण पत्र) तैयार किया जाना है. प्रदेश के सभी जिले में गांव का ड्रोन की मदद से सर्वे कर डिजिटल मानचित्र तैयार किया जा रहा है. अब तक 70 से अधिक ड्रोन के जरिए 15,940 गांवों का सर्वे कराकर 27.47 लाख ग्रामीणों को घरौनी प्रमाण पत्र दिया जा चुका है. गांव में संपत्ति का मालिकाना प्रमाण पत्र घरौनी को अब गांव में पहचान मिल रही है.

घरौनी से क्या है फायदा?

राजस्व बोर्ड के अधिकारियों के अनुसार, घरौनी प्रमाण पत्र के माध्यम से ग्रामीण बैंकों से लोन प्राप्त कर सकते हैं. अभी तक ग्रामीणों को उनके मकान पर बैंक लोन नहीं देते थे, क्योंकि गांव में बने मकान का मालिकाना हक साबित करने वाला कोई दस्तावेज उनके पास नहीं था. प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की पहल पर शुरू स्वामित्व योजना के तहत ग्रामीण आबादी में बने घरों के असली मालिकों को योगी सरकार उनका मालिकाना हक दे रही है. साल 2025 तक यूपी में स्वामित्व योजना का काम पूरा किया जाना है.

इस महीने चार लाख ग्रामीणों को घरौनी

इस माह अब एक समारोह में चार हजार गांवों के चार लाख से अधिक ग्रामीणों को घरौनी प्रमाण पत्र उपलब्ध कराने की तैयारी की जा रही है. मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ग्रामीण को घरौनी प्रमाण पत्र मुहैया कराएंगे. मुख्यमंत्री स्वामित्व योजना/घरौनी प्रमाण पत्र को ग्रामीणों की हितकारी योजना मानते हैं. उन्होंने कहा, घरौनी मात्र मकान का मालिकाना हक दिलाने वाला सरकारी कागज भर नहीं है. यह लोगों का आत्मविश्वास बढ़ाने, आत्मसम्मान का बोध कराने और आत्मनिर्भरता की राह दिखाने का माध्यम है।

घरौनी से गांव में संपत्ति विवाद और भ्रष्टाचार को खत्म किया जा सकता है और जरूरत पड़ने पर इनके जरिए सहजतापूर्वक लोन भी लिया जा सकता है।

शार्ट न्यूज

रुचि सोया आज ऋण मुक्त हुयी

मुंबई। योगगुरु स्वामी रामदेव के नेतृत्व वाले पतंजलि समूह की कंपनी रुचि सोया ने भारतीय स्टेट बैंक को 2925 करोड़ रुपये के कर्ज का भुगतान कर दिया है और कंपनी की ओर से कहा गया है कि वह आज ऋण मुक्त हो गयी है। स्वामी रामदेव के सहयोगी आचार्य बालकृष्ण ने शुक्रवार को ट्वीट कर कहा, रुचि सोया आज ऋण मुक्त हुयी। उन्होंने कहा, हमने भारतीय स्टेट बैंक के चेयरमैन दिनेश कुमार खारा और प्रबंध निदेशक अश्विनी भाटिया जी को 2,925 करोड़ रुपये का चैक सौंपा है। आचार्य बालकृष्ण ने दावा किया है कि कंपनी ने कर्ज का भुगतान समय से पहले किया है। उन्होंने कहा कि एक विनम्र संन्यासी ही इस तरह भुगतान कर सकता है।

विदेशी मुद्रा भंडार 11.17 अरब डॉलर घटकर 606.48 अरब डॉलर पर

मुंबई। देश का विदेशी मुद्रा भंडार 01 अप्रैल को समाप्त सप्ताह में रिकॉर्ड 11.17 अरब डॉलर कम होकर 606.48 अरब डॉलर पर आ गया जबकि इसके पिछले सप्ताह यह 2.03 अरब डॉलर घटकर 617.65 अरब डॉलर रहा था। रिजर्व बैंक की ओर से शुक्रवार को जारी साप्ताहिक आंकड़े के अनुसार, 01 अप्रैल को समाप्त सप्ताह में विदेशी मुद्रा भंडार का सबसे बड़ा घटक विदेशी मुद्रा परिसंपत्ति 10.73 अरब डॉलर गिरकर 539.73 अरब डॉलर पर आ गया। इसी तरह इस दौरान स्वर्ण भंडार 50.7 करोड़ डॉलर कम होकर 42.73 अरब डॉलर रह गया। वहीं, आलोच्य सप्ताह विशेष आहरण अधिकार (एसडीआर) 5.8 करोड़ डॉलर बढ़कर 18.88 अरब डॉलर हो गया। इसी तरह अंतर्राष्ट्रीय मुद्रा कोष (आईएमएफ) के पास आरक्षित निधि 40 लाख डॉलर की वृद्धि के साथ 5.14 अरब डॉलर हो गई।

10 लाख करोड़ का निवेश लक्ष्य हासिल करने के लिए आएगी नयी औद्योगिक नीति

उत्तर प्रदेश की सत्ता लगातार दूसरी बार संभालने वाले मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ इस बार बेहद जुदा रूप में हैं. इस बार मुख्यमंत्री का लक्ष्य यूपी को देश का नंबर एक राज्य बनाना चाहते हैं. राज्य की सत्ता संभालने के अगले ही दिन मुख्यमंत्री ने शीर्ष अधिकारियों के साथ बैठक कर सभी विभागों के अधिकारियों को सौ दिन, छह महीने तथा साल भर का रोडमैप तैयार करने का निर्देश दिया था. यूपी की अर्थव्यवस्था और औद्योगिक निवेश को बढ़ावा देने की कवायद अब जोर पकड़ रही है. इसके तहत राज्य में दस लाख करोड़ रुपये का निवेश लाने, प्रति व्यक्ति आय दोगुना करने और ईज आफ डूइंग बिजनेस को बढ़ावा देने के लिए विभिन्न विभागों के अधिकारी एक टीम के रुप में रणनीति तैयार कर रहे हैं. राज्य में पहली बार सभी विभागों के आला अफसर उत्तर प्रदेश के समग्र विकास का एजेंडा तैयार करने में जुटे हैं. कोई अधिकारी यूपी की प्रति व्यक्ति आय दोगुना करने की योजना तैयार कर रहा है तो कोई अधिकारी ईज आफ डूइंग बिजनेस की रैंकिंग में उत्तर प्रदेश को नंबर एक पर लाने के लिए कदम उठाने की योजना तैयार करने में जुटा है. औद्योगिक विकास विभाग के आला अफसर राज्य में दस लाख करोड़ रुपये का निवेश लाने की रणनीति तैयार कर रहे हैं. राज्य में दस लाख करोड़ रुपये का निवेश लाने के लिए लखनऊ में ग्राउंड ब्रेकिंग सेरेमनी का आयोजन करने और राज्य की एक नई औद्योगिक नीति तैयार करने का फैसला किया गया है. औद्योगिक विकास विभाग के अधिकारियों का कहना है कि राज्य में औद्योगिक निवेश को बढ़ावा देने के लिए नई औद्योगिक नीति तैयार करना जरूरी है क्योंकि वर्तमान औद्योगिक नीति में दी गई रियायतों की अवधि जुलाई में खत्म होने को है।

अक्टूबर तक फिर शुरू हो सकती है जेट एयरवेज, मई में मिल सकता है एयर ऑपरेटर्स सर्टिफिकेट

नई दिल्ली। इस साल सितंबर के अंतिम दिनों या अक्टूबर में जेट एयरवेज के विमान एक बार फिर उड़ान भरने के लिए तैयार होंगे। कंपनी के नए सीईओ ने संजीव कपूर ने कहा कि एयर ऑपरेटर्स सर्टिफिकेट के रिन्यूअन के बाद कंपनी जुलाई–सितंबर तिमाही में ही उड़ाने शुरू करने की योजना बना रही है। कंपनी को उम्मीद है कि सर्टिफिकेट मई की शुरुआत में मिल सकता है। उन्होंने कहा कि मई के अंत में उड़ान परीक्षण शुरू हो सकता है। संजीव कपूर ने उड़ान संबंधी तैयारियों को लेकर एक इंटरव्यू में बताया कि यह एक बहुत ही जटिल, लंबी और कठोर प्रक्रिया है और अब हम अंतिम चरण में हैं। हम यह सुनिश्चित करना चाहते हैं कि सबकुछ सही हो। हम एयर ऑपरेटर परमिट (एओपी) के तैयार होने के कुछ और महीनों बाद परिचालन फिर से शुरू करने की उम्मीद करते हैं। अक्टूबर या उससे थोड़ा पहले तक परिचाल शुरू करने की हमारी योजना है। लेकिन कैसे भी उड़ाने शुरू करने में अभी हमें कुछ महीने और लगेंगे। 1990 के दशक की शुरुआत में टिकटिंग एजेंट से एंटरप्रेन्योर बने नरेश गोयल ने जेट एयरवेज की शुरुआत की थी। उन्होंने जेट एयरवेज की शुरुआत कर लोगों को एयर इंडिया का अल्टरनेटिव दिया था। एक वक्त में जेट के पास कुल 120 प्लेन थे। %दि ज्वॉय ऑफ फ्लाइंग% टैग लाइन के साथ ऑपरेशन करने वाली कंपनी जब पीक पर थी तो हर रोज 650 फ्लाइट्स का ऑपरेशन करती थी। हालांकि जब कंपनी बंद हुई तो उसके पास केवल 16 प्लेन रह गए थे। मार्च 2019 तक कंपनी का घाटा 5,535.75 करोड़ रुपए का हो चुका था। भारी कर्ज के चलते 17 अप्रैल 2019 को कंपनी बंद हो गई।

टैक्स कलेक्शन में उछाल : डायरेक्ट टैक्स कलेक्शन 49 प्रतिशत बढ़ा

नई दिल्ली। वित्त वर्ष 2021–2022 में डायरेक्ट टैक्स कलेक्शन 49 प्रतिशत जबकि इनडायरेक्ट टैक्स कलेक्शन 30 प्रतिशत बढ़ा है। रेवेन्यू सेक्रेटरी तरुण बजाज ने शुक्रवार को ये जानकारी दी। बजाज ने कहा कि बेहतर टैक्स रेवेन्यू इकोनॉमी की फ्लेक्सिबिलिटी को दर्शाता है। FY22 में टैक्स–टू–जीडीपी रेश्यो बढ़कर 11.7 प्रतिशत हो गई, जो FY21 में 10.3 प्रतिशत थी। यह 1999 के बाद सबसे ज्यादा है। बजाज ने बताया कि डायरेक्ट टैक्स कलेक्शन FY22 में 14.10 लाख करोड़ रुपए रहा है। बजट अनुमान से ये 3.02 लाख करोड़ रुपए ज्यादा है। इनडायरेक्ट टैक्स कलेक्शन 11.02 लाख करोड़ रुपए के बजट अनुमान के मुकाबले 12.90 लाख करोड़ रुपए रहा। यानी इनडायरेक्ट टैक्स कलेक्शन बजट अनुमान से 1.88 लाख करोड़ रुपए ज्यादा रहा है। इस हिसाब से सरकार का ग्रॉस टैक्स कलेक्शन रिकॉर्ड 27.07 लाख करोड़ रुपए रहा।

जिंसों में टिकाव

नई दिल्ली। स्थानीय स्तर पर उठाव सुस्त रहने से आज दिल्ली थोक जिंस बाजार में खाद्य तेल समेत सभी जिंसों के भाव में टिकाव रहा। स्थानीय स्तर पर सरसों तेल, मूंगफली तेल, सूरजमुखी तेल, सोया रिफाइंड, पाम ऑयल और वनस्पति तेल के भाव में कोई बदलाव नहीं हुआ और वे पिछले स्तर पर पड़े रहे। गुड़–चीनी: मीठे के बाजार में टिकाव रहा। इस दौरान चीनी और गुड़ के भाव टिके रहे। दाल–दलहन: दाल–दलहन के बाजार में भी स्थिरता रही। इस दौरान चना, चना दाल, मसूर दाल, मूंग दाल, उड़द दाल और अरहर दाल के भाव में कोई बदलाव नहीं हुआ। अनाज: अनाज मंडी में टिकाव रहा। इस दौरान चावल और गेहूं के भाव स्थिर रहे। दाल–दलहन: चना 4750–4850, दाल चना 5750–5850, मसूर काली 8600–8700, मूंग दाल 9100–9200, उड़द दाल 9600–9700, अरहर दाल 8200–8300 रुपये प्रति क्विंटल रहा। अनाज: (भाव प्रति क्विंटल) गेहूं दड़ा 2200–2300 रुपये और चावल : 2500–2600 रुपये प्रति क्विंटल रहा। चीनी–गुड़: चीनी एस 3570–3670, चीनी एम. 3680–3780, मिल डिलीवरी 3450–3550 और गुड़ 3250–3350 रुपये प्रति क्विंटल बोले गये। खाद्य तेल: सरसों तेल 18754 रुपये, मूंगफली तेल 19413 रुपये, सूरजमुखी तेल 19413 रुपये, सोया रिफाइंड 17582 रुपये, पाम ऑयल 15934 रुपये और वनस्पति तेल 16703 रुपये प्रति क्विंटल पर रहा है।

शार्ट न्यूज

मैत्री मैच में भारत ने जॉर्डन को 1-0 से हराया

जर्का (जॉर्डन)। युवा मिडफील्डर मनीषा कल्याण के शानदार गोल की बदौलत भारतीय सीनियर महिला फुटबॉल टीम ने यहां जर्का के प्रिंस मोहम्मद स्टेडियम में शनिवार को खेले गए मैत्री मैच में मेजबान जॉर्डन को 1-0 से हरा दिया। मैच बेहद रोमांचक रहा। दोनों तरफ से कड़ी प्रतिस्पर्धा देखने को मिली। दोनों ही टीमों को शुरुआत से ही स्कोर के लिए काफी मशक्कत करनी पड़ी। उनके लिए एक-दूसरे के डिफेंस को भेदना बहुत मुश्किल रहा। चुनौतीपूर्ण खेल के बाद पहला हाफ गोल रहित रहा। मैच में बढ़त लेने और सामने वाली टीम पर दबाव बनाने के उद्देश्य से भारत और जॉर्डन दोनों दूसरे हाफ की शुरुआत से ही आक्रामक रुख अपनाया और भारत इस रणनीति में कामयाब रहा। युवा मिडफील्डर मनीषा ने 48वें मिनट में शानदार गोल दाग कर टीम को बढ़त दिला दी, जो मैच के अंत तक बरकरार रही। इस तरह भारत ने इस रोमांचक मुकाबले को 1-0 से जीत लिया। उल्लेखनीय है कि भारत ने इससे पहले बुधवार को इसी जगह पर पहले मैत्री मैच में मिस्र को 1-0 से हराया था।

इन्फॉर्म कोलकाता के खिलाफ जीत की पटरी पर लौटना चाहेगी दिल्ली

मुंबई। शानदार फॉर्म में चल रहे कोलकाता नाइट राइडर्स के खिलाफ रविवार को होने वाले आईपीएल मुकाबले में दिल्ली कैपिटल्स को अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करना होगा तभी वह जीत की पटरी पर लौट पायेगा। कोलकाता चार मैचों में तीन मैच जीत चुका है जबकि दिल्ली ने तीन में से सिर्फ एक मैच ही जीता है। वेस्टइंडीज के हरफनमौला खिलाड़ी आंद्रे रसेल पर सभी की निगाहें रहेंगी। रसेल ने पंजाब किंग्स के विरुद्ध 31 गेंदों में नाबाद 70 रन बनाकर अच्छे फॉर्म में होने के संकेत दिए हैं। दिल्ली के खिलाफ पिछले पांच मैचों में उनका स्कोर 45*, 13, 45, 62, 44 और 41 का रहा है, इसका मतलब है कि दिल्ली की गेंदबाजी उन्हें रास आती है। कोलकाता के तेज गेंदबाज उमेश यादव ने इस सीजन में बेहतरीन गेंदबाजी की है और फिलहाल दोनों टीमों के खिलाड़ियों के बीच उमेश चार मैच में नौ विकेट लेकर वह इस सीजन के सर्वाधिक विकेट लेने वाले गेंदबाज भी हैं। पावरप्ले के दौरान तो वह और भी खतरनाक लग रहे हैं। पावरप्ले में उन्होंने चार पारियों में सिर्फ 4.63 की इकॉनमी से रन देते हुए सर्वाधिक छह विकेट चटकाए हैं। कोलकाता के कप्तान श्रेयस अपनी पुरानी टीम दिल्ली के खिलाफ छाप छोड़ना चाहेंगे। भारत के लिए उनका हालिया टी20 अंतर्राष्ट्रीय रिकॉर्ड बेहतरीन रहा है और उन्होंने 73*, 74*, 57*, 25 और 25 का स्कोर बनाया है। कोलकाता के 33 साल के कैरेबियन स्पिनर सुनील नारायण को बल्लेबाजों के लिए पढ़ना अब भी मुश्किल है। इस सीजन में उनकी इकॉनमी सिर्फ 4.75 की है और उन्होंने महत्वपूर्ण विकेट भी झटके हैं। हरफनमौला ललित यादव बल्लेबाजी, गेंदबाजी और क्षेत्ररक्षण तीनों क्षेत्र में अपना योगदान दे रहे हैं। इसलिए उन पर भी सबकी निगाहें रहेंगी। चाइनामैन गेंदबाज कुलदीप यादव इस सीजन में दिल्ली के लिए खेलते हुए अलग ही नजर आए हैं। उन्होंने हर मैच में विकेट निकाले हैं। उनके नाम अब तक तीन मैचों में सिर्फ 6.94 की इकॉनमी से छह विकेट हैं।

भारत वर्ल्ड ब्रिज चैंपियनशिप के फाइनल में पोलैंड के सामने

नयी दिल्ली। भारत ने 72 साल में पहली बार इटली में खेली जा रही वर्ल्ड ब्रिज चैंपियनशिप के फाइनल में प्रवेश किया है, जहां उसका सामना पोलैंड से है। इटली के साल्सोमैगोइर टर्मे में आज फाइनल खेला जा रहा है। आर कृष्णन (कप्तान), अशोक गोयल, सुब्रत साहा, सुकोमल दास, राजेश दलाल और अनिल पाधे के प्रतिनिधित्व वाली भारतीय सीनियर टीम ने शुक्रवार को सेमीफाइनल में प्रभावशाली प्रदर्शन करते हुए फ्रांस को 225-197 के स्कोर से हराया और पूर्व अंतराष्ट्रीय खिलाड़ी देबाशीष रे की कोचिंग में 1950 के बाद पहली बार फाइनल में प्रवेश किया। उल्लेखनीय है कि इससे पहले बुधवार को क्वार्टर फाइनल में भारत ने मजबूत प्रतिद्वंद्वी अमेरिका को हराया था।

हीरो आईडब्ल्यूएल 2021-22 का शेड्यूल जारी

भुवनेश्वर। अखिल भारतीय फुटबॉल महासंघ (एआईएफएफ) ने शनिवार को हीरो इंडियन वुमेंस फुटबॉल लीग 2021-22 का शेड्यूल घोषित किया। सीजन की शुरुआत 15 अप्रैल को होगी। ओडिशा की राजधानी भुवनेश्वर के कैपिटल ग्राउंड में 15 अप्रैल को लीग का पहला मैच पीआईएफए स्पोर्ट्स एफसी और किकस्टार्ट एफसी के बीच होगा, जबकि इसी दिन चार बजे सातवीं बटालियन ग्राउंड में एसएसबी महिला एफसी और हंस महिला एफसी दूसरे मैच में एक-दूसरे के सामने होंगी। एआईएफएफ की डेवेलपमेंट टीम भारतीय ऐरोज महिला टीम, जिसमें महिला फुटबॉल के युवा और उभरते सितारे शामिल हैं भी इस बार हीरो आईडब्ल्यूएल में पदार्पण करेगी। वह 15 अप्रैल को शाम 7.30 बजे कलिंग स्टेडियम में सिरवोडेम एससी से भिड़ेगी। हीरो आईडब्ल्यूएल 2021-22 सीजन में कुल 66 मैच होंगे, जिसमें 11 टीमें एक-दूसरे से भिड़ेंगी। टीमें राउंड रॉबिन प्रारूप में खेलेंगी, जिसमें प्रत्येक पक्ष एक बार दूसरी टीम का सामना करेगा और प्रतियोगिता के अंत में सबसे अधिक अंक प्राप्त करने वाली टीम विजेता घोषित होगी। गत चैंपियन गोकुलम केरल एफसी, जिसने 2020 में बेंगलुरु में हीरो आईडब्ल्यूएल का पिछला संस्करण जीता था, 16 अप्रैल को कैपिटल ग्राउंड में अपना अभियान शुरू करेगा, जहां उसका सामना ओडिशा पुलिस से होगा।

राजस्थान और लखनऊ में होगा बड़ा मुकाबला

नयी दिल्ली। राजस्थान रॉयल्स और नयी टीम लखनऊ सुपर जायंट्स के बीच रविवार को होने वाले आईपीएल मुकाबले में दोनों टीमों के बीच सुपर टक्कर होगी। राजस्थान तीन में से दो मैच जीत चुका है जबकि लखनऊ ने चार में से तीन मैच जीते हैं। राजस्थान रॉयल्स के कप्तान संजू सैमसन को वानखेड़े का स्टेडियम भाता है और उन्होंने यहां 12 आईपीएल मैचों में 147.68 की स्ट्राइक रेट से 415 रन बनाए हैं। उन्होंने इस सीजन की शुरुआत भी 55 और 30 के स्कोर के साथ की है। राजस्थान के लिए इस सीजन में खेलते हुए उपकप्तान युजवेंद्र चहल शानदार रहे हैं और तीन मैचों में उन्होंने 5.25 की इकॉनमी से रन देते हुए सात विकेट लिए हैं। वानखेड़े में भी उनका रिकॉर्ड अच्छा है और उन्होंने यहां पर नौ विकेट लिए हैं। राजस्थान के बल्लेबाज जॉस बटलर ने अब तक इस सीजन में सर्वाधिक 205 रन बनाए हैं। टी20 विश्व कप में भी उनका प्रदर्शन शानदार था और उन्होंने अपनी टीम की तरफ से सर्वाधिक 269 रन बनाए थे। 2022 में जैसन होल्डर ने नौ टी20 मैचों में 10.8 की स्ट्राइक रेट से 19 विकेट लिए हैं। इस साल पहले आईपीएल मैच में उन्होंने अंतिम ओवर करते हुए 16 रन का बचाव किया था और तीन विकेट भी लिए थे। आवेश खान पिछले साल सर्वाधिक विकेट लेने वाले गेंदबाजों में दूसरे नंबर पर थे। इस सीजन ने भी उन्होंने अच्छी शुरुआत करते हुए तीन मैचों में सात विकेट लिए हैं। वानखेड़े स्टेडियम में भी उनका रिकॉर्ड शानदार रहा है और उन्होंने यहां 16.44 की औसत से नौ विकेट लिए हैं।

32वां ओमनाथ सूद मेमोरियल क्रिकेट टूर्नामेंट 28 अप्रैल से

नयी दिल्ली। राजधानी के प्रतिष्ठित क्रिकेट टूर्नामेंटों में से एक ओमनाथ सूद मेमोरियल क्रिकेट टूर्नामेंट का 32वां संस्करण 28 अप्रैल से राष्ट्रीय स्वाभिमान खेल परिसर मैदान, पीतमपुरा पर खेला जाएगा जिसमें देश की सर्वश्रेष्ठ 16 टीमें हिस्सा लेंगी। टूर्नामेंट आयोजक जतिन सूद ने यह जानकारी देते हुए बताया कि पहले इस महीने पिछले साल अधूरे रह गए ओमनाथ टूर्नामेंट को पूरा किया जाएगा और उसके बाद 28 अप्रैल से टूर्नामेंट का अगला संस्करण शुरू होगा। जतिन ने बताया 12 अप्रैल को स्वामी श्रद्धानन्द कॉलेज और सहगल क्रिकेट क्लब के बीच तीसरा क्वार्टरफाइनल खेला जाएगा। उन्होंने बताया कि 13 अप्रैल को बाल भवन इंटरनेशनल स्कूल और कोलाज स्पोर्ट्स के बीच चौथा क्वार्टरफाइनल खेला जाएगा। पहला सेमीफाइनल 14 अप्रैल को और दूसरा सेमीफाइनल 23 अप्रैल को खेला जाएगा जबकि फाइनल 24 अप्रैल को होगा।

चेन्नई की लगातार चौथी हार, हैदराबाद ने खोला खाता

एजेंसी

मुम्बई। अभिषेक शर्मा की नाबाद 75 रन की बेहतरीन पारी की बदौलत सनराइजर्स हैदराबाद ने गत चैंपियन चेन्नई सुपरकिंग्स को शनिवार को आठ विकेट से हराकर आईपीएल में लगातार चौथी हार झेलने के लिए मजबूर कर दिया और अपनी पहली जीत दर्ज की।

चेन्नई ने इस मुकाबले में 20 ओवर में सात विकेट पर 154 रन का चुनौतीपूर्ण स्कोर बनाया लेकिन यह हैदराबाद को रोकने के लिए पर्याप्त नहीं था। हैदराबाद ने 17.4 ओवर में दो विकेट पर 155 रन बनाकर टूर्नामेंट में तीन मैचों में अपने पहले दो अंक अर्जित किये। चेन्नई ने इस हार के साथ लगातार चौथी हार झेली और वह तालिका में नौंवें स्थान पर है।

हैदराबाद ने टॉस जीतकर पहले फील्डिंग करने का सही फैसला किया। चेन्नई ने 25 रन की अच्छी शुरुआत के बाद नियमित अंतराल में

अपने विकेट गंवाए। मोईन अली ने 35 गेंदों पर तीन चौकों और दो छक्कों की मदद से 48 रन की सर्वाधिक पारी खेली। अम्बाती रायुडू ने 27 गेंदों में 27, कप्तान रवींद्र जडेजा ने 15 गेंदों में 23, ऋतुराज गायकवाड ने 13 गेंदों में 16 और रोबिन उथप्पा ने 11 गेंदों में 15 रन बनाये। महेंद्र सिंह धोनी छह गेंदों में तीन रन बनाकर आउट हुए। हैदराबाद की तरफ से वाशिंगटन सुन्दर और टी नटराजन ने दो-दो विकेट हासिल किये।

लक्ष्य का पीछा करते हैदराबाद ने 89 रन की ठोस शुरुआत की। कप्तान केन विलियम्सन 40 गेंदों में 32 रन बनाकर आउट हुए।

अभिषेक दूसरे बल्लेबाज के रूप में जब आउट हुए तो हैदराबाद का स्कोर 145 रन पहुंच चुका था और वह जीत के करीब पहुंच चुकी थी। अभिषेक ने 50 गेंदों पर 75 रन की मैच विजयी पारी में पांच चौके और तीन छक्के लगाए। राहुल त्रिपाठी 15 गेंदों पर पांच चौकों और दो छक्कों की मदद से 39 रन बनाकर नाबाद रहे। निकोलस पूरन पांच रन पर नाबाद रहे।

नंबर एक नीदरलैंड को भारत ने 2-1 से किया पराजित

भुवनेश्वर। टोक्यो ओलंपिक में शानदार प्रदर्शन करने वाली भारतीय महिला हॉकी टीम ने 2021-22 महिला एफआईएच प्रो हॉकी लीग में दुनिया की नंबर एक टीम नीदरलैंड को 2-1 से पराजित किया है।

भारत ने भुवनेश्वर के प्रतिष्ठित कलिंग हॉकी स्टेडियम में शुक्रवार को खेले गए रोमांचक प्रो लीग मैच में शानदार प्रदर्शन करते हुए जीत हासिल की। भारत की ओर से मिडफील्डर्स नेहा गोयल (11) और सोनिका टांडी (28), जबकि नीदरलैंड के लिए कप्तान यिब्बी जानसेन (40) ने एकमात्र गोल किया।

मैच बेहद रोमांचक रहा। दोनों टीमों की ओर से कड़ी स्पर्धा देखने को मिली। विशेष तौर पर भारत ने नंबर एक टीम के खिलाफ शानदार खेल दिखाया। पहले क्वार्टर में दोनों टीमों ने आक्रामक खेल दिखाने के साथ-साथ डिफेंस को मजबूत रखा, लेकिन भारत 11वें मिनट में पेनल्टी कॉर्नर लेने में कामयाब रहा, जिसे नेहा ने गोल में तब्दील कर टीम को 1-0 की बढ़त दिलाई। पहले क्वार्टर का यह एकमात्र गोल रहा। दूसरे क्वार्टर की शुरुआत भी काफी आक्रामक रही, लेकिन दोनों ही टीमों ने एक-दूसरे को कोई मौका नहीं दिया। परिणामस्वरूप यह क्वार्टर गोल रहित जाता दिख रहा था, पर भारत क्वार्टर की समाप्ति के ठीक दो मिनट पहले 28वें मिनट में एक और पेनल्टी कॉर्नर अर्जित करने में सफल रहा। सोनिका ने इस मौके को नहीं गंवाया और इसे गोल में तब्दील करते हुए टीम को 2-0 की बढ़त दिलाई। दूसरा क्वार्टर इसी स्कोर पर समाप्त हुआ।

तीसरे क्वार्टर में नीदरलैंड ने काफी तीव्रता दिखाई और भारत पर दबाव बनाने के लिए आक्रामकता दिखाई। भारत ने हालांकि हड़बड़ाहट में आकर नीदरलैंड को कोई मौका नहीं दिया और डिफेंस को मजबूत रखा, लेकिन नीदरलैंड 40वें मिनट में पेनल्टी स्ट्रोक के जरिए गोल करने में कामयाब रहा। कप्तान यिब्बी ने यह गोल दागा और स्कोर 2-1 किया। तीसरे क्वार्टर में और गोल नहीं हुआ।

मैच फिर अपने रोमांचक मोड़ पर पहुंचा। चौथे और आखिरी क्वार्टर में दोनों टीमों ने गोल के लिए जी जान लगा दी। भारत और नीदरलैंड दोनों टीमों के खिलाड़ियों ने आक्रामण और डिफेंस में मुस्तैदी दिखाई, लेकिन कोई भी टीम गोल नहीं कर पाई।

चार देशों वाले टूर्नामेंटों के लिए ईसीबी ने बनाई पिच

दुबई। इंग्लैंड एंड वेल्स क्रिकेट बोर्ड (ईसीबी) ने चार देशों वाले क्रिकेट टूर्नामेंटों के लिए पिच बनाई है। क्रिकबज की रिपोर्ट में इस बात का जिक्र किया गया है। ईसीबी के सीईओ टॉम हैरिसन ने दुबई में शुक्रवार को हुई अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) की मुख्य कार्यकारी समिति (सीईसी) की बैठक में आईसीसी के सदस्यों को सुविधाजनक खिड़कियों पर चार देशों की चैंपियनशिप आयोजित करने की अनुमति दिए जाने की अपील की। दरअसल आईसीसी के मौजूदा नियम के तहत बहुपक्षीय टूर्नामेंट केवल टीमों के साथ आयोजित हो सकते हैं। ईसीबी का यह फैसला उस परियोजना को आगे बढ़ाने में एक कदम लगता देता है, जिसे पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) के अध्यक्ष रमीज राजा सक्रिय रूप आईसीसी के समक्ष रख रहे हैं, हालांकि समझा जाता है कि हैरिसन का यह फैसला भारत, पाकिस्तान, इंग्लैंड और ऑस्ट्रेलिया से जुड़ी राजा की व्यक्तिगत परियोजना से स्वतंत्र है, लेकिन ईसीबी सीईओ के इस समय यह आग्रह करने के कारण आईसीसी प्रबंधकों के पास बहुत सारे विकल्प होने की संभावना नहीं है, क्योंकि उन्होंने यह मांग शनिवार को शुरू हुई दो दिवसीय बोर्ड बैठक से ठीक एक दिन पहले की है। क्रिकबज के मुताबिक ईसीबी को इस मामले में क्रिकेट वेस्टइंडीज (सीडब्ल्यूआई) सहित कुछ अन्य बोर्डों का समर्थन प्राप्त है, जाहिर तौर पर पीसीबी से भी। यह भी पता चला है कि ईसीबी की इस मांग का ज्यादा विरोध नहीं हुआ और भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) तटस्थ रहा। समझा जाता है कि वित्त और वाणिज्यिक मामलों की समिति (एफ एंड सीए) के सदस्य इस पर असहमत दिखे, जिनका मानना है कि बहुत सारे बहुपक्षीय टूर्नामेंट विश्व कप के महत्व को कम कर सकते हैं।

आईसीसी की मुख्य कार्यकारी समिति की बैठक का हिस्सा रहे एक आईसीसी सदस्य ने क्रिकबज को बताया कि इस मामले पर सीईसी द्वारा चर्चा की गई है और इसे कुछ बोर्डों द्वारा समर्थन दिया गया था, एफ एंड सीए द्वारा नहीं। मामले में दो नजरिए हैं। आईसीसी सदस्यों की मानें तो अगर चार देशों वाले टूर्नामेंट को अनुमति दी जानी है तो पहले आईसीसी को अपने संविधान में संशोधन करना होगा। क्रिकबज की रिपोर्ट के मुताबिक पीसीबी अध्यक्ष रमीज राजा रविवार को सीईसी बैठक में अतिरिक्त राजस्व हिस्से पर जोर देने के साथ-साथ चार देशों वाले टूर्नामेंट को लेकर अपना प्रस्ताव पेश करेंगे, जिसे एसोसिएट सदस्यों के बीच भी वितरित किया जा सकता है।

गोविंद, अनंत और सुमित के स्वर्ण पदकों से भारत ने 10 पदकों के साथ समाप्त किया अभियान

फुकेत (थाईलैंड)। भारतीय मुक्केबाज गोविंद साहनी, अनंत चोपडे और सुमित सांगवान के शनिवार को यहां स्वर्ण पदक जीतने के साथ भारत ने कुल 10 पदकों के साथ अपना 2022 थाईलैंड ओपन अंतरराष्ट्रीय मुक्केबाजी टूर्नामेंट अभियान समाप्त किया।

तीनों मुक्केबाजों ने थाईलैंड के अपने-अपने प्रतिद्वंद्वियों के खिलाफ बड़ी जीत दर्ज की, जबकि चार अन्य भारतीय मुक्केबाजों मोनिका (48 किग्रा), अमित पंघाल (52 किग्रा), वरिंदर सिंह (60 किग्रा) और आशीष कुमार (81 किग्रा) ने फाइनल में हार के बाद रजत पदक जीता। इसके अलावा मनीषा (57 किग्रा), पूजा (69 किग्रा) और भाग्यबती कचारी (75 किग्रा) ने सेमीफाइनल में हारने के साथ कांस्य पदक हासिल किया। इस तरह 15 सदस्यीय भारतीय दल ने प्रतियोगिता में 10 पदक जीत कर अपने पिछले संस्करण के आठ पदकों (एक स्वर्ण, चार रजत और तीन कांस्य) के रिकॉर्ड को भी बेहतर बनाया।

गोविंद ने पुरुषों के 48 किग्रा मुकाबले में थाईलैंड के नथाफॉन थुआमचारोएन पर 5-0 से एकतरफा जीत के साथ देश को पहला स्वर्ण दिलाया। वहीं चोपडे और सुमित ने भी प्रभावशाली प्रदर्शन करते हुए सर्वसम्मत फैसलों से समान अंतर से जीत दर्ज की। चोपडे ने पुरुषों के 54 किग्रा फाइनल में रिथियामोन सेंगसावांग को हराया, जबकि सुमित ने पुरुषों के 75 किग्रा वर्ग में पीतापत येसुंगनोएन को पराजित किया। इस बीच 2020 टोक्यो ओलंपिक खेलों के बाद पहला अंतरराष्ट्रीय टूर्नामेंट खेलते हुए पंघाल और गत चैंपियन आशीष को हार का सामना करना पड़ा। 2019 विश्व चैंपियनशिप के रजत पदक विजेता पंघाल ने फिलीपींस के रोजेन लाडन के खिलाफ पुरुषों के 52 किग्रा के रोमांचक मुकाबले में पूरा दम लगा दिया, लेकिन वह 2-3 से हार गए।

अमेरिका ने फिर किया इमरान के आरोपों का खंडन

वाशिंगटन/इस्लामाबाद। अमेरिका ने एक बार फिर पाकिस्तान के प्रधानमंत्री इमरान खान के आरोपों का खंडन किया है कि उनके खिलाफ लाए जा रहे अविश्वास प्रस्ताव के पीछे उसका का हाथ है।

अमेरिकी विदेश विभाग की प्रमुख उप प्रवक्ता जलिना पोर्टर ने शनिवार को कहा कि श्री खान द्वारा शुक्रवार रात अपने संबोधन में अमेरिका पर लगाए गए आरोप निराधार हैं। पोर्टर ने कहा, मैं साफ शब्दों में कहती हूं कि उनके आरोप पूरी तरह निराधार हैं। हम पाकिस्तान की सभी गतिविधियों पर नजर रख रहे हैं और हम पाकिस्तान के संविधान और कानून का सम्मान और समर्थन करते हैं।

खान ने कल रात को अपने संबोधन में

कहा था कि वह पाकिस्तान में 'विदेशी' सरकार कभी भी बर्दाश्त नहीं कर सकते। अमेरिका के इशारे पर काम करने वाली किसी भी सरकार के खिलाफ वह प्रदर्शन करेंगे। उन्होंने उस पत्र का का हवाला देते हुए कहा (जिसे उन्होंने पहली बार 27 मार्च को दिखाते हुए कहा था कि उनकी सरकार को हटाने के पीछे विदेशी साजिश है।) कि वह उस पत्र को आम लोगों को दिखाना चाहते हैं लेकिन सुरक्षा कारणों से वह ऐसा नहीं कर सकते।

खान ने पत्र में लिखी बात का जिक्र करते हुए कहा कि अमेरिका में पाकिस्तान के राजदूत से एक अमेरिकी अधिकारी ने मुलाकात करके कहा था कि पाकिस्तानी प्रधानमंत्री को रूस नहीं जाना चाहिए था। उन्होंने कहा कि पाकिस्तान के राजदूत ने अमेरिकी अधिकारी को बताया भी था कि रूस जाने की उनकी योजना पहले से ही आम सहमति से तय थी। जिसके बाद अमेरिकी अधिकारी ने अविश्वास प्रस्ताव को लेकर कहा कि अगर श्री खान अविश्वास प्रस्ताव से बच जाते हैं तो पाकिस्तान को इसका परिणाम भुगतना पड़ेगा। अधिकारी ने कहा कि श्री खान प्रधानमंत्री के पद से नहीं हटते हैं तो पाकिस्तान को नुकसान उठाना पड़ेगा।

उन्होंने (अमेरिकी अधिकारी) ने कहा कि अगर प्रधानमंत्री खान पद से हट जाते हैं तो पाकिस्तान को माफ कर दिया जाएगा। श्री खान ने कहा अधिकारी ने यह भी नहीं कहा कि अगर मैं हार जाता हूं और मेरी जगह पर दूसरा आता है तो वह पहले देखें कि वह प्रधानमंत्री के रूप में क्या कर रहा है, तब उसे माफ किया जायेगा। इसका मतलब है कि अधिकारी को मालूम है कि मेरी जगह पर कौन आ रहा है और वह अच्छा भी है।

खान ने जिस अमेरिकी अधिकारी का जिक्र किया है वह वरिष्ठ राजनयिक डोनाल्ड लू हैं और पाकिस्तानी राजदूत असद मजीद हैं।

अविश्वास प्रस्ताव के अलावा असेंबली में कोई अन्य मुद्दा नहीं उठा सकते स्पीकर

इस्लामाबाद। सुप्रीम कोर्ट के फैसले के तहत पाकिस्तान नेशनल असेंबली के अध्यक्ष असद कैसर शनिवार को अविश्वास प्रस्ताव पर मतदान के अलावा कोई एजेंडा नहीं उठा सकते हैं। कोर्ट के आदेश के उल्लंघन पर उन्हें अदालत की अवमानना का सामना करना पड़ सकता है। जियो न्यूज ने नेशनल असेंबली के अधिकारियों के हवाले से कहा कि नेशनल असेंबली के तीन अप्रैल के एजेंडे के अनुसार प्रधानमंत्री इमरान खान के खिलाफ अविश्वास प्रस्ताव के लिए शीर्ष अदालत के आदेश द्वारा नेशनल असेंबली के अध्यक्ष को कर्तव्य-बाध्य किया गया है। यदि अध्यक्ष आज विश्वास मत्र पर मतदान करने में विफल रहते हैं, तो उसे अदालत की अवमानना माना जाएगा और उन्हें पांच साल के लिए अयोग्य घोषित किया कर दिया जायेगा। गौरतलब है कि अदालत ने नेशनल असेंबली के अध्यक्ष को तीन अप्रैल के एजेंडे को शुरु करने और मतदान कराने का आदेश दिया था। कोर्ट ने कहा था कि नौ अप्रैल अविश्वास प्रस्ताव पर मतदान का अंतिम दिन होगा। नेशनल असेंबली के अधिकारियों के अनुसार यदि प्रधानमंत्री के खिलाफ अविश्वास प्रस्ताव सफल हो जाता है।

पाकिस्तान में परिसीमन शुरू करने का चुनाव आयोग का आदेश

इस्लामाबाद। पाकिस्तान के चुनाव आयोग ने डिजिटल जनगणना प्रांरभ होने की प्रतीक्षा किये बगैर संसदीय और विधानसभा क्षेत्रों का परिसीमन शुरू करने का आदेश जारी किया है। पाकिस्तान के समाचारपत्र डॉन ने शनिवार को अपनी रिपोर्ट में यह जानकारी दी।

मुख्य चुनाव आयुक्त सिकंदर सुल्तान राजा की अध्यक्षता में आयोजित बैठक में आयोग ने 2017 की जनगणना के आंकड़ों के आधार पर इस प्रक्रिया को पूरा करने के लिए चार महीने की समय

सीमा तय की है। बैठक में आयोग के दो सदस्यों के अलावा सचिव और विशेष सचिव तथा अन्य वरिष्ठ अधिकारी मौजूद थे।

बैठक में आयोग ने बताया कि प्रांतीय सरकारों को पत्र लिखकर मानचित्र और प्रासंगिक डेटा तत्काल उपलब्ध कराने को कहा गया है, ताकि परिसीमन प्रक्रिया समय पर पूरी हो सके। वहीं सचिव और विशेष सचिव को आगामी आम चुनावों के लिए पूरी कार्ययोजना पेश करने का भी निर्देश दिया गया है।

इससे पहले आयोग ने सरकार पर सहयोग नहीं करने और नए डिजिटल जनगणना परिणामों को अंतिम रूप देने और प्रकाशित करने में देरी करने का आरोप लगाया था, जिसके कारण बाद में परिसीमन में विलंब हुआ।

मलेशिया में कोरोना के 14,944 नए मामले, 31 और मरीजों की मौत

कुआलालम्पुर। मलेशिया में पिछले 24 घंटे में कोरोना वायरस (कोविड-19) संक्रमण के 14,944 नए मामले सामने आने से संक्रमितों की संख्या बढ़कर 43,07,529 तक पहुंच गयी है। स्वास्थ्य मंत्रालय ने शनिवार को यह जानकारी दी।

मंत्रालय की वेबसाइट पर जारी आंकड़ों के अनुसार, नए संक्रमितों में से 104 मामले विदेश से आए संक्रमित लोग हैं जबकि 14,840 मामले स्थानीय संपर्कों से प्राप्त हुए हैं। इसी अवधि में कोरोना महामारी से 31 मरीजों की मौत होने से देश भर में मृतकों की संख्या 35,259 हो गयी है और इसी दौरान 14,045 लोग कोरोना मुक्त होने से स्वस्थ लोगों का आंकड़ा बढ़कर 41,13,831 तक पहुंच गया है।

मलेशिया में अभी भी कोरोना के 1,58,439 संक्रमित मामले हैं, जिनमें से 206 मरीज गहन देखभाल में हैं जबकि 109 मरीजों को सांस लेने में दिक्कत होने पर ऑक्सीजन सपोर्ट में रखा गया है।

यूक्रेन में रूसी हवाई हमले हो सकते हैं तेज

लंदन। ब्रिटेन के रक्षा मंत्री ने शनिवार को कहा कि यूक्रेन के दक्षिणी और पूर्वी हिस्सों में रूस, हवाई हमले बढ़ा सकता है। रक्षा मंत्रालय ने जारी बयान में कहा, रूस लगातार यूक्रेन के नागरिकों को टारगेट कर रहा है जैसे यूक्रेन के पूर्वोत्तर में करामाटोरस्क रेलवे स्टेशन पर शुक्रवार को रॉकेट हमले किए गए। उन्होंने कहा कि रूस डोनबास क्षेत्र, मारयुपोल और मायकोलीव में लगातार हमले कर रहा है। इन जगहों पर रूसी नौ सैनिक क्रूज मिसाइल से हमला कर रही है। रक्षा मंत्रालय ने आशंका जतायी, यूक्रेन में दक्षिणी और पूर्वी हिस्सों में रूसी हवाई हमले बढ़ने की संभावना है। उन्होंने कहा कि यूक्रेन ने रूस द्वारा क्रीमिया और डोनबास के बीच जमीनी गलियारा स्थापित करने की योजना को विफल कर दिया। यह कदम तब उठाया गया, जब रूस ने 29 मार्च को घोषणा की थी कि वह कीव और चेर्नीहीव से ध्यान हटाकर डोनबास को मुक्त करने पर केंद्रित कर रहा है।

फिनलैंड, स्वीडन ने नाटो में शामिल होने के प्रयास किए तेज

ब्रुसेल्स। यूक्रेन में जारी रूसी सैन्य हमले के बीच फिनलैंड और स्वीडन ने भी उत्तरी अटलांटिक संधि संगठन (नाटो) में शामिल होने के प्रयास तेज कर दिए हैं। सीएनएन ने नाटो के एक अधिकारी के हवाले से कहा कि यूक्रेन में रूसी हमले के बाद स्वीडन और फिनलैंड का संगठन में शामिल होने पर गंभीर रूप से चर्चा हो रही है। अमेरिकी विदेश विभाग के अधिकारियों ने कहा कि इस मुद्दे पर नाटो के विदेश मंत्रियों की बैठक में चर्चा की गयी थी। राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने मांग की थी कि नाटो को पूर्व से अपनी क्षमता को घटाना तथा नए सदस्यों के शामिल होने पर रोक लगानी चाहिए। जिसके बाद नाटो की विदेश मंत्रियों की बैठक बुलाई गयी। उन्होंने नाटो पर रूस की सुरक्षा को खतरे में डालने का भी आरोप लगाया। नाटो में फिनलैंड के शामिल होने के मुद्दे पर पूर्व प्रधानमंत्री ने कहा, यह फैसला 24 फरवरी को ही हो गया था जिस दिन रूस ने यूक्रेन पर चढ़ाई की थी।

पाकिस्तान तहरीके-इंसाफ को अपनी ही गलतियों का खामियाजा भुगतना पड़ा : मीडिया

इस्लामाबाद। पाकिस्तान की मीडिया का मानना है कि प्रधानमंत्री इमरान खान की पार्टी 'पाकिस्तान तहरीके-इंसाफ (पीटीआई) को अपनी ही गलतियों का खामियाजा भुगतना पड़ा है और ऐसा भी नहीं लगता कि वह कभी स्वीकार करेगी कि यह कैसे और कहां गलत हुआ। पाकिस्तान के प्रमुख समाचारपत्र 'डॉन' ने अपनी संपादकीय में कहा गया है कि अगर पीटीआई आने वाले दिनों में खुद को सुधारने का इरादा रखती है, तो उसे पहले अपनी गलतियों को स्वीकार करना होगा, हालांकि ऐसा कोई आसार नजर नहीं आता है कि वह ऐसा कुछ करने का इरादा रखती है। संपादकीय में कहा गया है कि लगभग पटरी से उतरने के बाद देश अब और अधिक ताकत एवं आत्मविश्वास के साथ संवैधानिक ट्रैक पर वापस आ गया है। संपादकीय में यह भी उल्लेख किया गया है कि विफलता अकेले पीटीआई की नहीं है, बल्कि पार्टी का पराभव मुख्यधारा की पार्टियों के परिपक्व संगठनों के रूप में विकसित होने में असमर्थता से शुरू हुई थी जो अपने लोगों की आकांक्षाओं के साथ पाकिस्तानी समाज को बदलने के लिए तैयार और सक्षम थे।

श्रीलंकाई राष्ट्रपति पर महाभियोग चलाने विपक्ष का आह्वान

कोलंबो। श्रीलंका में खराब आर्थिक संकट के बीच नेशनल पीपुल्स पावर (एनपीपी) के सांसद विजिथा हेराथ ने कहा कि राष्ट्रपति गोटाबाया राजपक्षे अगर स्वयं पद नहीं छोड़ते है और उनके खिलाफ अविश्वास प्रस्ताव लाया जाता है तो उन पर महाभियोग चलाया जाना चाहिए। खलीज टाइम्स ने शनिवार को यह रिपोर्ट दी हैं। श्री हेराथ ने कहा कि लोगों के सामने आसन्न आर्थिक चुनौतियों से निपटने के लिए संसद को पहले राजनीतिक संकट का हल निकालना चाहिए। उन्होंने जोर दिया कि वह और उनकी पार्टी श्री राजपक्षे के खिलाफ महाभियोग और अविश्वास प्रस्ताव दोनों को आगे बढ़ाने के लिए तैयार हैं।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक, प्रवीण कुमार सिंह द्वारा आला प्रिंटिंग प्रेस 3636 कटारा दिना बेग लाल कुआं... से मुद्रित एवं, ब्लाक नं 23 मकान नं 399 त्रिलोक पुरी दिल्ली -91 से प्रकाशित
संपादकः प्रवीण कुमार सिंह, आरएनआई नं. -DELHIN/2011/38334, किसी भी विवाद के लिए पीआरबी एक्ट अंतर्गत उत्तरदायी, टेलीफोन नं.: 011-26700510/11, ई-मेल : info@gauravshalibharat.com, समस्त विवादो का न्यायलय दिल्ली होगा

शाहरुख खान ने 'पठान' के क्रू मेंबर के प्रति आभार व्यक्त किया

एजेंसी

मुंबई। बॉलीवुड के किंग खान शाहरूख खान ने अपनी आने वाली फिल्म पठान के 'पठान' के क्रू मेंबर के प्रति आभार व्यक्त किया है। शाहरुख खान इन दिनों अपनी आने वाली फिल्म पठान को लेकर चर्चा में हैं। हाल ही में उन्होंने पठान के इंटरनेशनल शेड्यूल की शूटिंग को पूरा किया है।

शाहरूख ने दीपिका पादुकोण और जॉन अब्राहम के साथ फिल्म पठान के अहम सीन्स और गाने की शूटिंग को पूरा किया है। शाहरूख ने पठान के क्रू मेंबर और फिल्म का सहायक निर्देशक अभिषेक अनिल तिवारी की कड़ी मेहनत और दक्षता के लिए आभार व्यक्त किया है।

शाहरुख खान ने अपने हैंड रिटर्न पत्र में लिखा, 'पठान को हम सभी के लिए शानदार अनुभव बनाने के लिए अभिषेक का धन्यवाद। आप बहुत ही विन्रम और प्रभावित करने वाले व्यक्ति हैं और इससे आपने पठान में मेरी जॉब को बहुत ही आसान बना दिया, वो बहुत ही सराहनीय है। मैं आपको फिल्मों में अच्छे जीवन के बिताएं पलों के लिए याद करूंगा।

सिद्धांत आनंद के निर्देशन में बनी पठान अगले साल 25 जनवरी को गणतंत्र दिवस वीकेंड के मौके पर रिलीज होगी।

काजल अग्रवाल ने शेयर की मैटरनिटी फोटोशूट से अपनी फोटो, प्रेग्नेंसी को लेकर शेयर किया इमोशनल मैसेज

नई दिल्ली। काजल अग्रवाल इन दिनों अपना प्रेग्नेंसी पीरियड एंजॉय कर रही हैं। काजल और गौतम किचलू अपने पहले बेबी के आने का इंतजार कर रहे हैं। काजल ने इस साल के शुरुआत में अपनी प्रेग्नेंसी की अनाउंसमेंट की थी। इस बीच अब एक्ट्रेस ने मैटरनिटी फोटोशूट करवाया है जिसकी फोटो उन्होंने शेयर की है। ये फोटो सोशल मीडिया पर वायरल हो रही है। इसके साथ ही एक्ट्रेस ने मदरहुड को लेकर भी स्पेशल मैसेज शेयर किया है। काजल ने इस दौरान थाई हाई स्लिट गाउन पहना है जिसमें वह काफी खूबसूरत लग रही हैं। काजल ने आगे मैसेज लिखा, चलिए इसे फेस करते हैं। मां बनने के लिए तैयार होना खूबसूरत है, लेकिन परेशान करने वाला भी है।

इस नई जर्नी पर बोलीं काजल

काजल ने आगे लिखा, एक वक्त आपको लगता है कि सब चीजें आपके कंट्रोल में है तो वहीं दूसरे मोमेंट में आपको लगता है सब खराब है। आपको यही सोचते हैं कि बेड टाइम तक कैसे मैनेज करें और इन दिनों, हफ्तों और महीनों में अपने बच्चों और अपने साथियों से प्यार करने के दौरान, कभी-कभी हम यह भूल जाते हैं कि खुशी, उदासी, चिंता, दिल टूटना जैसी फीलिंग्स हमारी अनूठी कहानियों को एक साथ जोड़ता है और उन्हें अपना बनाता है।

प्रेग्नेंसी एक्सपीरियंस

काजल ने कुछ दिनों पहले अपने प्रेग्नेंसी एक्सपीरियंस को लेकर कहा था, मैं बहुत एक्साइटेड और नर्वस हूं। मुझे पता है कि बच्चे को पालना बड़ी जिम्मेदारी होती है और उसे सही शिक्षा दें और अच्छा इंसान बनाएं। मैं आगे की जर्नी के लिए एक्साइटेड हूं। मैं और मेरे पति बहुत एक्साइटेड हैं।

कैसे किया हैंडल

इससे पहले प्रेग्नेंसी के फर्स्ट ट्राइमेस्टर को वक्त दिक्कतों को लेकर कहा था कि प्रेग्नेंसी में भयंकर बदलाव आते हैं। इस दौरान महिला की बॉडी काफी चीजों से गुजरती हैं। मेरा पहला ट्राइमेस्टर काफी मुश्किल भरा था। लेकिन मैंने फिर योगा, पिलाटे, वॉकिंग और हेल्दी खाना कर खुद को फिट रखा।

अच्छी बात ये है कि इन सबने मेरी बहुत मदद की। काजल की प्रोफेशनल लाइफ की बात करें तो वह अब फिल्म आचार्य, हे सिनामिका, उमा और इंडियन 2 में नजर आएंगी।

सुधांशु सरिया की फिल्म 'सना' में काम करेंगी पूजा भट्ट

मुंबई। बॉलीवुड अभिनेत्री पूजा भट्ट राष्ट्रीय पुरस्कार विजेता निर्देशक सुधांशु सरिया की फिल्म सना में काम करती नजर आयेंगी। पूजा भट्ट ने वर्ष 2020 में फिल्म सड़क 2 से कमबैक किया था। पूजा भट्ट ने एक और फिल्म साइन की है। पूजा भट्ट सुधांशु सरिया की फिल्म सना में काम करती नजर आयेंगी। इस फिल्म में राधिका मदान की भी अहम भूमिका है। पूजा भट्ट ने अपने इंस्टाग्राम अकाउंट पर सुधांशु सरिया के साथ एक तस्वीर शेयर करते हुए इस बात की जानकारी दी है। पूजा भट्ट का कहना है, %मैं काफी खुश हूं कि सुधांशु सरिया ने मुझे इस बेहद महत्वपूर्ण फिल्म का हिस्सा बनाया, जिसमें महिलाओं के वास्तविक जीवन को दिखाया गया है और उस तरीके से नहीं, जैसा कि दुनिया उनके बारे में सोचती है।

गोविंदा का नया गाना 'टन टना टन' रिलीज

मुंबई। बॉलीवुड अभिनेता गोविंदा का नया गाना टन टना टन रिलीज हो गया है। गोविंदा का नया गाना टन टना टन रिलीज हो गया है, जिसका जलवा न सिर्फ भारत में बल्कि पड़ोसी देश पाकिस्तान में भी खूब देखने को मिल रहा। यह गाना बहुत तेजी से वायरल हो रहा और उनके फैंस उनके गाने पर झूमने को मजबूर हैं। गाने में सुपर स्टार सिंगर मीका सिंह की आवाज है। गोविंदा को इस गाने पर कोरियोग्राफर गणेश आचार्य ने जमकर नचाया है । गोविंदा और गणेश आचार्य पहले भी साथ काम कर चुके हैं और इस बार इस गाने में वे डांस के नए फॉर्मूले के साथ आये हैं, जिसे उनके फैंस और क्रिटक्स भी पसंद कर रहे हैं। गोविंदा का यह गाना उनके अपने यूट्यूब चैनल %गोविंदा रोयाल्स% से रिलीज हुआ है। इस चैनल पर वह लगातार अपने डांस वीडियो शेयर कर रहे हैं।

अपने होने वाली बहू आलिया भट्ट को लेकर नीतू कपूर ही है ये ख्वाहिश

नई दिल्ली। रणबीर कपूर और आलिया भट्ट की शादी के अलावा इन दिनों किसी और बात पर चर्चा ही नहीं हो रही है। सब बस यही जानना चाहते हैं कि दोनों कब शादी कर रहे हैं और दोनों की शादी की फोटो देखना चाहते हैं। रणबीर की मां नीतू कपूर भले ही खुलकर शादी की डेट और इससे जुड़ी जानकारी नहीं दे रही हैं, लेकिन हाल ही में उन्होंने आलिया भट्ट को लेकर बात जरूर की है। इसके साथ ही उन्होंने ये भी कहा कि वह चाहती हैं कि आलिया के साथ उनका वैसे ही अच्छा और स्पेशल बॉन्ड हो जैसा उनका और उनकी सास के बीच था। इसके साथ ही नीतू ने आलिया की बहुत तारीफ की है और वह चाहती हैं कि आलिया जल्द से जल्द बहू बनकर उनके परिवार का हिस्सा बनें।

आलिया के साथ चाहती हैं कूल बॉन्ड

ई टाइम्स से बात करते हुए नीतू ने कहा कि उनकी और उनकी सास दिवंगत कृष्णा राज के बीच काफी अच्छा बॉन्ड था। वह उनकी दोस्त जैसी थीं और ऋषि कपूर से ज्यादा उन्हें प्यार करती थीं। तो नीतू चाहती हैं कि आलिया के साथ भी उनका ऐसा ही रिश्ता हो। नीतू ने कहा, मैं आशा करती हूं कि जब आलिया और रणबीर की शादी हो तो मेरा और आलिया का रिश्ता वैसा ही हो, जैसा मेरा और मेरी सास का था। वह मेरी दोस्त थीं और हम दोनों एक-दूसरे के साथ सब बातें शेयर करते थे।

स्किन एलर्जी के कारण हो गए हैं चक्क्ते तो करें ये आसान उपाय, जल्द मिलेगी राहत

प्रिया मिश्रा

स्किन एलर्जी में त्वचा पर लाल रंग के दाने, खुलजी या चकत्ते हो जाते हैं। त्वचा पर चकत्ते ना केवल देखने में भद्दे लगते हैं बल्कि काफी पीड़ादायी भी होते हैं। एलर्जी के इलाज के लिए आप डॉक्टर की सलाह लें।इसके अलावा आप एलर्जी के कारण त्वचा पर चकत्ते के इलाज के लिए घरेलू नुस्खे भी इस्तेमाल कर सकते हैं।

अक्सर कुछ गलत खाने-पीने से या त्वचा पर कोई क्रीम आदि लगाने से स्किन एलर्जी हो जाती है। कुछ लोगों को अक्सर इस बात की जानकारी नहीं होती है कि उन्हें किस चीज़ से एलर्जी है। ऐसे में उस खास चीज़ के संबंध में आने से या उसके इस्तेमाल से एलर्जी या अन्य तरह की समस्याएं हो जाती हैं। स्किन एलर्जी में त्वचा पर लाल रंग के दाने, खुलजी या चकत्ते हो जाते हैं। त्वचा पर चकत्ते ना केवल देखने में भद्दे लगते हैं बल्कि काफी पीड़ादायी भी होते हैं। एलर्जी के इलाज के लिए आप डॉक्टर की सलाह लें और जाँच करवाएं। डॉक्टर कुछ टेस्ट के बाद आपको बता देगा कि आपको किस चीज़ की एलर्जी है। इसके अलावा आप एलर्जी के कारण त्वचा पर चकत्ते के इलाज के लिए घरेलू नुस्खे भी इस्तेमाल कर सकते हैं। आज के इस लेख में हम आपको चकत्ते दूर करने के लिए बेहद आसान और कारगर घरेलू नुस्खे बताएंगे -

एलोवेरा

एलोवेरा की पत्तियों में कई औषधीय गुण मौजूद होते हैं, यही कारण है कि इसका उपयोग दवाइयों और ब्यूटी प्रोडक्ट्स में किया जाता है। स्किन पर चकत्ते दूर करने के लिए एलोवेरा एक बेहद कारगर घरेलू उपचार है।

इसमें मौजूद एंटी-बैक्टीरियल और एंटी-फंगल गुण त्वचा संबंधी रोगों के लिए बहुत फायदेमंद होते हैं। त्वचा पर चक्क्तों का इलाज करने के लिए एलोवेरा की ताजा पत्ती को बीच से काटकर जेल को प्रभावित क्षेत्र पर लगाएं। अगर एलोवेरा की पत्ती उपलब्ध ना हो तो बाजार में मिलने वाला एलोवेरा जेल भी इस्तेमाल कर सकते हैं।

लैवेंडर एसेंशियल ऑयल

एसेंशियल ऑयल हमारी स्किन के लिए बहुत फायदेमंद होता है। स्किन एलर्जी के कारण त्वचा पर चकत्ते को दूर करने के लिए आप एसेंशियल ऑयल का इस्तेमाल कर सकते हैं। इसके लिए आप 8-10 बूँद लैवेंडर ऑइल को नारियल या जैतून के तेल के साथ मिलाएँ और रूई की मदद से चकत्ते पर लगाएं। लैवेंडर ऑयल में एंटी इंफ्लेमेटरी और एनाल्जेसिक गुण मौजूद होते हैं जो त्वचा पर चकत्ते और सूजन कम करने में मदद कर सकते हैं।

सेब का सिरका

किसी एलर्जी के कारण त्वचा पर चकत्ते होने पर आप सेब के सिरका भी इस्तेमाल कर सकते हैं। सेब के सिरके में एंटी-बैक्टीरियल गुण पाए जाते हैं जो त्वचा पर बैक्टीरिया को पनपने नहीं देते। त्वचा पर चक्क्ते दूर करने के लिए आप एक चम्मच सेब के सिरके को आधे कप पानी में मिलाएँ। इस मिश्रण को रूई की मदद से चकत्ते वाली जगह पर लगाएं। इस घरेलू उपचार से आपको जल्द ही लाभ होगा।

अरंडी का तेल

त्वचा संबंधी समस्याओं के लिए अरंडी का तेल बहुत फायदेमंद होता है। इस तेल में रिसिनालिक एसिड पाया जाता है जो त्वचा पर मौजूद बैक्टीरिया से लड़कर चकत्तों को कम करने में मदद करता है। त्वचा पर चकत्ते दूर करने के लिए अरंडी का तेल रूई की सहायता से प्रभावित क्षेत्र पर लगाएं। आधे घंटे बाद पानी से त्वचा को साफ कर लें।

शहद

शहद ना सिर्फ हमारे स्वास्थ्य बल्कि हमारी त्वचा के लिए भी बहुत फायदेमंद होता है। इसमें मौजूद एंटी-माइक्रोबियल गुण त्वचा पर रोगाणुओं को पनपने नहीं देते हैं। त्वचा पर चकत्ते की समस्या में एक चम्मच शहद को दो चम्मच जैतून तेल के साथ मिलाएं। इस तेल को प्रभावित क्षेत्र पर लगाकर एक घंटे के लिए छोड़ दें।

नीम का तेल

नीम के चमत्कारी औषधीय गुणों के बारे में तो आप जानते ही होंगे। त्वचा के रोगों के लिए नीम रामबाण इलाज है।

रूसी ने कर दिया है परेशान तो इस्तेमाल करें लहसुन

मिताली जैन

लहसुन में एलिसिन पाया जाता है, जो एक प्राकृतिक एंटिफंगल की तरह काम करता है। यह माइक्रोब्स को खत्म करके रूसी को ठीक करने में मदद करता है। इतना ही नहीं, लहसुन में विटामिन ए और सी सहित सल्फर कंपाउंड, फाइबर, मैग्नीशियम, सेलेनियम, जर्मेनियम और अमीनो एसिड आदि पाया जाता है।

रूसी या डैंड्रफ एक बेहद ही कॉमन हेयर प्रॉब्लम है। लेकिन इसके चलते आपको कई जगह शर्मिन्दगी उठानी पड़ती है। आमतौर पर, ठंड के मौसम में डैंड्रफ की समस्या काफी हद तक बढ़ जाती है। इस समस्या को दूर करने के लिए अधिकतर लोग तरह-तरह के हेयर प्रोडक्ट्स का इस्तेमाल करना पसंद करते हैं, जबकि इसका इलाज आपकी किचन में ही छिपा है। लहसुन एक ऐसा इंग्रीडिएंट है, जो डैंड्रफ की समस्या को बेहद आसानी से दूर कर सकता है और आपके बालों को अधिक घना बना सकता है। तो चलिए आज इस लेख में हम आपको लहसुन से डैंड्रफ को दूर करने के आसान उपायों के बारे में बता रहे हैं-

ऐसे करता है काम

लहसुन में एलिसिन पाया जाता है, जो एक प्राकृतिक एंटिफंगल की तरह काम करता है। यह माइक्रोब्स को खत्म करके रूसी को ठीक करने में मदद करता है। इतना ही नहीं, लहसुन में विटामिन ए और सी सहित सल्फर कंपाउंड, फाइबर, मैग्नीशियम, सेलेनियम, जर्मेनियम और अमीनो एसिड आदि पाया जाता है। साथ ही साथ इसमें आयरन, कॉपर, जिंक, फास्फोरस और कैल्शियम सहित अन्य खनिज भी शामिल हैं। ये पोषक तत्व आपके बालों को हेल्दी बनाने में अपना योगदान देते हैं।

बनाएं शहद और लहसुन का मास्क

शहद और लहसुन दोनों ही एंटीऑक्सीडेंट का स्रोत हैं। यह आपके बालों को नमी प्रदान करने के साथ-साथ रूसी को दूर करने में भी मदद कर सकता है। इस हेयर पैक का इस्तेमाल करने के लिए पहले 4-5 लहसुन की कलियां लें और उसे अच्छी तरह क्रश्ड कर लें। अब इसमें 2 बड़े चम्मच शहद डालकर अच्छी तरह मिक्स करें। अब, इस मिश्रण की मदद से अपने स्कैल्प में 10 मिनट तक मालिश करें। उसके बाद इसे करीबन 20 मिनट तक ऐसे ही रहने दें। अंत में, इसे माइल्ड शैम्पू से धो लें।

सेब का सिरका और लहसुन का मास्क

लहसुन के साथ सेब का सिरका रूसी पर बेहद ही प्रभावशाली तरीके से काम करता है, क्योंकि दोनों में एंटी-इंफ्लेमेटरी और जीवाणुरोधी गुण होते हैं।

इस मास्क को बनाने के लिए 2 बड़े चम्मच सेब का सिरका लेकर उसमें 1 बड़े चम्मच लहसुन का पेस्ट डालकर अच्छी तरह मिक्स करें। अब इसमें थोड़ा पानी मिलाकर एक चिकना पेस्ट बनाएं। पेस्ट को अपने स्कैल्प पर लगाएं और 20 मिनट के बाद, इसे माइल्ड शैम्पू से धो लें।

एलोवेरा और लहसुन का मास्क

एलोवेरा और लहसुन का हेयर मास्क बैक्टीरिया के संक्रमण से लड़ने में मदद करता है और डैंड्रफ से निपटने में मदद करता है।

इस हेयर मास्क को बनाने के लिए पहले एक बाउल में 3 बड़े चम्मच लहसुन का पेस्ट और 2 बड़े चम्मच एलोवेरा जेल डालकर अच्छी तरह मिक्स करें।

इसे अपने स्कैल्प पर मसाज करते हुए लगाएं और 15-20 मिनट के लिए छोड़ दें। फिर अपने बालों को माइल्ड शैम्पू से धो लें।

भारत के ये 5 सबसे बड़े चिड़ियाघर दुनियाभर में हैं प्रसिद्ध, बच्चों के साथ एक बार जरूर जाएं

प्रिया मिश्रा

अक्सर बच्चों को पशु-पक्षियों के बारे जानकारी देने के लिए उन्हें स्कूल की तरफ से चिड़ियाघर ले जाया जाता है। चिड़ियाघर में तरह-तरह के पशु-पक्षी और पेड़-पौधे देख कर बच्चों का मनोरंजन तो होता ही है और इसके साथ ही उनका ज्ञान भी बढ़ता है। भारत के कई राज्यों में ऐसे चिड़ियाघर हैं जो दुनियाभर में प्रसिद्ध हैं।

बचपन में आप भी अपने घरवालों के साथ चिड़ियाघर घूमने तो गए ही होंगे। देश में चिड़ियाघरों का निर्माण दुर्लभ पशु-पक्षियों का संरक्षण और उन पर शोध करने के लिए किया गया था लेकिन धीरे-धीरे ये मनोरंजन के केंद्र बन गए हैं। आज के समय में लोग मनोरंजन और मन बहलाव के लिए चिड़ियाघर घूमने जाते हैं। अक्सर बच्चों को पशु-पक्षियों के बारे जानकारी देने के लिए उन्हें स्कूल की तरफ से चिड़ियाघर ले जाया जाता है। चिड़ियाघर में तरह-तरह के पशु-पक्षी और पेड़-पौधे देख कर बच्चों का मनोरंजन तो होता ही है और इसके साथ ही उनका ज्ञान भी बढ़ता है। भारत के कई राज्यों में ऐसे चिड़ियाघर हैं जो दुनियाभर में प्रसिद्ध हैं। आज के इस लेख में हम आपको भारत के 7 सबसे बड़े चिड़ियाघरों के बारे में बताएंगे -

दिल्ली का चिड़ियाघर

देश की राजधानी दिल्ली में स्थित चिड़ियाघर भारत ही नहीं बल्कि एशिया के सबसे बड़े चिड़ियाघरों में से एक है। इस चिड़ियाघर का निर्माण 1959 में श्रीलंका के डिज़ाइनर मेजर वाइनमेन और पश्चिम जर्मनी के कार्ल हेगलबेक ने किया था। यह चिड़ियाघर दिल्ली के पुराने किले के पास स्थित है। यह चिड़ियाघर 214 एकड़ में फैला हुआ है, यहाँ जानवरों और पक्षियों की 22000 प्रजातियां और 200 प्रकार के पेड़ हैं। इस चिड़ियाघर में एक पुस्तकालय भी है जहां पर्यटक पेड़-पौधों और पशु-पक्षियों के बारे में जानकारी हासिल कर सकते हैं।

मैसूर का चिड़ियाघर

कर्नाटक के मैसूर में स्थित चिड़ियाघर दुनिया के सबसे पुराने चिड़ियाघरों में से एक है। इस चिड़ियाघर का निर्माण 1892 में शाही संरक्षण में हुआ था। इस चिड़ियाघर में 40 से भी ज्यादा देशों से लाए गए जानवरों को देखा जा सकता है। यहां हाथी, सफेद मोर, दरियाई घोड़े, गैंडे और गोरिल्ला के अलावा देश-विदेश की कई प्रजातियां हैं। इसके अलावा यहाँ भारतीय और विदेशी पेड़ों की करीब 85 से ज्यादा प्रजातियां मौजूद हैं। इस चिड़ियाघर में करंजी झील भी है, जहां हर साल बड़ी संख्या में प्रवासी पक्षी आते हैं।

चेन्नई का चिड़ियाघर

चेन्नई में स्थित अरिनगर अन्ना जुलॉजिकल पार्क भारत का सबसे बड़ा चिड़ियाघर है। यह देश का सबसे लोकप्रिय और प्रसिद्ध चिड़ियाघर है और इसे देश का पहला पब्लिक जू भी कहा जाता है। इस चिड़ियाघर को पहले मद्रास जू के नाम से जाना जाता था लेकिन बाद में इसका नाम बदलकर तमिल नेता अरिनगर अन्ना के नाम पर कर दिया गया। यह चिड़ियाघर लगभग 1300 एकड़ में फैला हुआ है और यहाँ 1500 से ज्यादा पशु-पक्षियों की प्रजातियां मौजूद हैं। इसके साथ ही इस चिड़ियाघर में पेड़-पौधों की 2553 प्रजातियाँ मौजूद हैं।

हैदराबाद का चिड़ियाघर

आंध्र प्रदेश के हैदराबाद में स्थित चिड़ियाघर भारत के सबसे बड़े चिड़ियाघरों में से एक है। इस चिड़ियाघर को नेहरू जियोलॉजिकल पार्क के नाम से भी जाना जाता है। यह चिड़ियाघर ना केवल देश बल्कि दुनियाभर में मशहूर है। यह चिड़ियाघर 380 एकड़ में फैला हुआ है और यहाँ एक झील भी है। इस चिड़ियाघर की स्थापना 1963 में हुई थी। इस चिड़ियाघर में हैदराबाद में दुर्लभ प्रजाति के शेर देखने को मिलते हैं। इसके अलावा यहां कई दूसरे देशों से लाए गए पशु -पक्षियों को रखा गया है। इस चिड़ियाघर में पर्यटक खुद के वाहन से भी घूम सकते हैं।

केरल का चिड़ियाघर

दक्षिण भारत में स्थित केरल का त्रिवेंद्रम चिड़ियाघर देश के सबसे बड़े और लोकप्रिय चिड़ियाघरों में से एक है।

इस चिड़ियाघर का निर्माण 1857 ई में हुआ था और यह देश का दूसरा सबसे पुराना चिड़ियाघर है। तिरुवनंतपुरम के पीएमजी जंक्शन के पास स्थित यह चिड़ियाघर 55 एकड़ में फैला हुआ है। इस चिड़ियाघर में अफ्रीकन मूल के शेर भी मौजूद हैं।